@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 13 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 278 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार: प्रियंका की अपील

नई दिल्ली, 12 अगस्त। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरों को लेकर सोमवार को चिंता जताई। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद से वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं। किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं। प्रियंका ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की अंतरिम सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी। इस बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों से 19 अगस्त तक सभी अवैध और अनधिकृत हथियार जमा करने को कहा। हुसैन ने कहा कि अगर ये हथियार पास के थानों में नहीं जमा किए जाते तो अधिकारी तलाशी अभियान चलाएंगे और अगर किसी के पास अनधिकृत शस्त्र पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ आरोप दर्ज किए जाएंगे। हुसैन ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों समेत करीब 500 लोग मारे जा चुके हैं और कई हजार लोग घायल हुए हैं।

जूनियर डॉक्टर की हत्या के मामले में ममता बनर्जी का पुलिस को अल्टीमेटम

सिम्मी कौर बब्बर

कोलकाता, 12 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममत बनर्जी ने बंगाल पुलिस को अल्टीमेटम दिया है। सोमवार को उन्होंने कहा कि पुलिस को आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर रविवार तक पुलिस मामले को नहीं सुलझा पाती है तो हम केस को सीबीआई को सौंप देंगे। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जब मुझे कोलकाता पुलिस कमिश्नर से घटना के बारे में पता चला, तो मैंनें उनको तत्काल और तेज कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि अस्पताल में नर्स थीं, सुरक्षा कर्मी थे तो यह घटना कैसे हुई। पुलिस ने मुझे बताया है कि अस्पताल के अंदर कोई था। उन्होंने कहा कि मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किया जाएगा। पुलिस, डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक विभाग और अन्य टीमें काम पर लगी हुई हैं। आरोपी को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस रविवार तक मामले को निपटाने की कोशिश कर रही है। ऐसा न हुआ तो हम इस केस को अपने हाथ में नहीं रखेंगे। हम इसे सीबीआई को सौंप देंगे। वहीं डीसीपी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता का कहना है कि अस्पताल में प्रवेश करने वाले लोगों के नाम अब एक रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे। कोई भी अवांछित व्यक्ति अस्पताल में प्रवेश नहीं करेगा। डॉक्टरों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। अस्पताल के चारों ओर गार्डों को पहचान पत्र दिए गए हैं जिन्हें वे हमेशा ड्यूटी पर पहनेंगे। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को पश्चिम

बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार से कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के मामले में सख्त कार्रवाई करने और न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की घटना दिल दहला देने वाली है। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा देश में एक बड़ा मुद्दा है और इसके लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है। प्रियंका ने कहा कि मैं राज्य सरकार से इस मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार तथा साथी डॉक्टरों को न्याय सुनिश्चित करने की अपील करती हूं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हिंदू समुदाय से मांगी माफी

कौमी संवाददाता

ढाका, 12 अगस्त। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के तख्तापलट के बाद अशांति और अस्थिरता बनी हुई है। कई इलाकों में हिंदुओं पर हमला किया गया है। उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है। इसके खिलाफ रविवार राजधानी ढाका की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी उतरे और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सुरक्षा की मांग की। इस बीच, देश की अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम. सखावत हुसैन ने सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने पर हिंदू समुदाय से माफी मांगी। हुसैन ने कहा, हमने निर्देश दिया है कि हमारे अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना बहुसंख्यकों का परम कर्तव्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं और इसके बजाय मस्जिद में नमाज पढ़ने में व्यस्त रहते हैं, तो उन्हें जवाब देना होगा कि वे सुरक्षा प्रदान करने में विफल क्यों रहे। उन्होंने कहा, यह हमारे धर्म का हिस्सा है कि हम अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा

करें। मैं अपने अल्पसंख्यक भाइयों से माफी मांगता हूं। हम अशांति के दौर से गुजर रहे हैं। पुलिस खुद अच्छी स्थिति में नहीं है। इसलिए मैं समाज से आग्रह कर रहा हूं कि उनकी रक्षा करें। वे हमारे ही भाई हैं और हम सभी एक साथ बड़े हुए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के एक शीर्ष सलाहकार ने सोमवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रुकना दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तों को प्रभावित नहीं करेगा और ढाका हमेशा नई दिल्ली के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने की कोशिश करेगा। विदेशी मामलों के सलाहकार मोहम्मद तोहीद हुसैन ने उस सवाल के जवाब में कहा, जिसमें पूछा गया था कि क्या हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने से भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा, यह एक काल्पनिक सवाल है। अगर कोई किसी देश में रहता है, तो उस विशेष देश के साथ संबंध क्यों प्रभावित होंगे? ऐसा होने की कोई वजह नहीं है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, पिछले हफ्ते विवादित नौकरी कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के व्यापक विरोध के बाद देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा भी दे दिया था। वहीं भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर बोलते हुए हुसैन ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों का मतलब रुचि और दोस्ती से है। दोस्ती तब नहीं रहती जब रुचि प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच रुचियां हैं और वे उन्हीं रुचियों का पालन करेंगे। मोहम्मद तोहीद हुसैन ने कहा कि वे हमेशा अच्छे रिश्ते बनाए रखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले ढाका में तैनात राजनयिकों, जिसमें भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी शामिल हैं, को बांग्लादेश की स्थिति की जानकारी दी और समर्थन मांगा।

संविधान का मुद्दा फिर से गरम करेगी पार्टी

लखनऊ, 12 अगस्त। सपा ने मिल्कीपुर और कटहेरी समेत छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारियों के लिए दिग्गज उतार दिए हैं। इसी के साथ पार्टी ने इन चुनावों में सक्रिय होने के संकेत दे दिए हैं। सपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमान ने अपने प्रभारियों को हर बूथ पर पांच सक्रिय यूथ तैनात करने के निर्देश दिए हैं। ये यूथ संबंधित बूथ पर घर-घर जाकर संविधान और आरक्षण के महत्व को समझाएंगे। विधानसभा प्रभारी, बूथ स्तर के इन सक्रिय कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क में रहेंगे। सपा नेताओं का कहना है कि इन कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को चुनाव आयोग से लेकर दिल्ली तक विभिन्न प्लेटफॉर्म उठाया जाएगा, ताकि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किया जा सके। इन उपचुनावों के लिए सपा ने प्रभारियों की घोषणा कर दी है। कटेहरी (अम्बेडकरनगर) में पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव और मिल्कीपुर (अयोध्या) में सांसद अवधेश प्रसाद व विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को प्रभारी नियुक्त किया गया है। यहां बता दें कि इन दोनों ही सीटों पर भाजपा की ओर से खुद सीएम योगी आदित्यनाथ कमान संभाले हुए हैं। मझवां (मिर्जापुर) सीट की जिम्मेदारी सांसद वीरेंद्र सिंह और करहल (मैनपुरी) की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री चंद्रदेव यादव को दी गई है। फूलपुर सीट के लिए विधायक व पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज और सीसामऊ (कानपुर नगर) के लिए विधायक राजेंद्र कुमार को प्रभारी नामित किया गया है।

विनेश फोगाट की अपील पर फैसले का सभी को बेसब्री से इंतजार

सौरभ शर्मा

पेरिस, 12 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर मंगलवार को खेल पंचाट अपना फैसला सुनाएगा। विनेश पेरिस ओलंपिक में जापान की युई सुसाकी के खिलाफ जीत सहित तीन जीत के साथ महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंची थीं। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट से था, लेकिन मैच से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया जिस कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। खेल पंचाट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 13 अगस्त को फैसले सुनाने का निर्णय लिया था। विनेश ने पिछले बुधवार को खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए। लोपेज सेमीफाइनल में विनेश से हार गई थीं लेकिन बाद में भारतीय पहलवान को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उन्हें फाइनल में जगह मिली। अयोग्य ठहराए जाने के एक दिन बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि उसके पास खेल जारी रखने की ताकत नहीं है। हालांकि दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों ने इस 29 वर्षीय पहलवान का समर्थन किया है जो अपने तीसरे

ओलंपिक खेलों में भाग ले रही थीं। विनेश पेरिस ओलंपिक समाप्त होने के बाद खेल गांव से निकल गई हैं और रिपोर्ट के अनुसार, वह मंगलवार को स्वदेश पहुंचेंगी। विनेश के खेल गांव से निकलने का वीडियो सामने आया है और बताया जा रहा है कि वह पेरिस से सोमवार को भारत के लिए रवाना होंगी और मंगलवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे दिल्ली पहुंचेंगी। विनेश का समर्थन करने वाली खेल हस्तियों की इस सूची में जापान के ओलंपिक चैंपियन रेई हिगुची भी शामिल हैं जिन्हें तीन साल पहले टोक्यो में इसी तरह अयोग्य ठहराया गया था, लेकिन पेरिस में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा दिग्गज अमेरिकी फ्रीस्टाइल पहलवान जॉर्डन बरोज ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से विनेश को रजत पदक देने की मांग की थी। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का भी मानना है कि विनेश को कम से कम रजत पदक मिलना चाहिए था। चैंपियन निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुपरस्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और मशहूर हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश ने भी विनेश का समर्थन किया और देश को खेल में उनके योगदान की याद दिलाई। विनेश पर फैसले की पूर्व संध्या पर 2008 बीजिंग ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने भी इस पहलवान को अपना समर्थन दिया।

कांग्रेस ने मांगा सेबी प्रमुख माधबी का इस्तीफा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 अगस्त। हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने भी सेबी और भाजपा पर हमला बोला है। कांग्रेस ने सेबी प्रमुख माधबी बुच से इस्तीफा मांगा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से मामले की जांच सीबीआई या एसआईटी से कराने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अदाणी मामले में सेबी समझौता कर सकती है। इसलिए मोदानी महा घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि मामले में सेबी ने काफी सक्रियता दिखाई। उसने हिंडनबर्ग को 100 सम्मन, 1100 पत्र और ईमेल जारी किए और 12 हजार पृष्ठों वाले 300 दस्तावेजों की जांच की है। लेकिन मुख्य बात है कि कार्रवाई नहीं की गई। जयराम रमेश ने कहा कि 14 फरवरी, 2023 को मैंने सेबी अध्यक्ष को पत्र लिखा था। मैनें देश के करोड़ों नागरिकों की ओर से भारतीय वित्तीय बाजार के प्रबंधक की भूमिका निभाने के लिए कहा था, लेकिन मुझे कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को दो महीने में अदाणी समूह के खिलाफ स्टॉक हेरफेर और अकाउंटिंग धोखाधड़ी के आरोपों की जांच पूरी करने के निर्देश दिए थे।

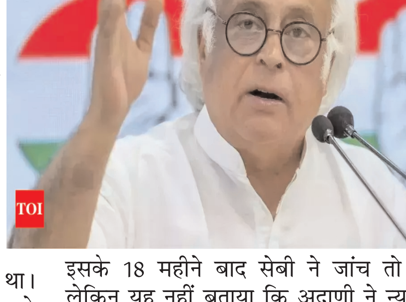

इसके 18 महीने बाद सेबी ने जांच तो की, लेकिन यह नहीं बताया कि अदाणी ने न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता से संबंधित नियम 19ए का उल्लंघन किया है या नहीं। उन्होंने दावा किया कि सेबी की अपनी 24 जांच में से दो को बंद करने में असमर्थ रही। इसलिए जांच के परिणाम सामने आने में एक साल से ज्यादा का समय लग गया। रमेश ने आरोप लगाया कि इस देरी की आड़ में प्रधानमंत्री अपने दोस्त अदाणी की अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देते रहे और आम चुनाव में भाग ले पाए। उन्होंने यह भी कहा कि अदाणी समूह को क्लीन चिट मिलने के बाद भी सेबी ने समूह की कई कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जारी हुई हिंडनबर्ग रिपोर्ट अदाणी महा घोटाले की जांच में सेबी की ईमानदारी और आचरण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को जांच को सीबीआई या एसआईटी को स्थानांतरित करना चाहिए। साथ ही सेबी अध्यक्ष को इस्तीफा देना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सेबी, पीएम और निर्मला सीतारमण हिंडनबर्ग द्वारा उठाए गए तथ्यात्मक और बिंदुवार मुद्दों का जवाब कब देंगे।

कोलकाता के अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

कोलकाता, 12 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के कथित दुष्कर्म और हत्या मामले में कम से कम तीन जनहित याचिकाएं कलकत्ता हाईकोर्ट में दाखिल की गई हैं। इनमें मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की गई है। सभी याचिकाओं पर मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सोमवार को कम से कम तीन जनहित याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के कथित बलात्कार और जघन्य हत्या की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई। खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि वह जनहित याचिकाओं तथा इस मुद्दे से संबंधित अन्य याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई करेगी। जानकारी के मुताबिक, एक याचिका कलकत्ता हाईकोर्ट के वकील कौस्तव बागची ने अदालत में एक याचिका दायर की है। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की और सभी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और रेस्ट रूम में उचित सुरक्षा के साथ सीसीटीवी कैमरा लगाने का अनुरोध किया। हाईकोर्ट के मुख्यय न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की पीठ ने इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही वकील फिरोज एडुल्जी ने पुलिस की जांच में त्रुटि का आरोप लगाया है और उन्होंने अदालत से कहा कि वह मामले की सुनवाई के दौरान इस संबंध में दलीलें पेश करेंगे।

पुरानी पेंशन पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 11 लाख जवानों-अफसरों को झटका: सुप्रीम कोर्ट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 12 अगस्त। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के उन 11 लाख जवानों/अधिकारियों के लिए झटका है, जो सुप्रीम कोर्ट से पुरानी पेंशन मिलने की आस लगाए बैठे थे। सोमवार को सर्वोच्च अदालत ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने उस निर्देश पर अंतरिम रोक की पुष्टि की है, जिसमें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस), सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के अनुसार, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों पर भी लागू होने की बात कही गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए भारत संघ को अनुमति देते हुए यह आदेश पारित किया है। इसके तहत प्रतिवादियों/सीएपीएफ कर्मियों की याचिकाओं का निपटान उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार किया गया था। सीएपीएफ में ओपीएस लागू कराने के लिए ये याचिकाएं पवन कुमार एवं अन्य के द्वारा दायर की गई थी। बता दें कि पवन कुमार मामले में यह माना गया था कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल, संघ के सशस्त्र बल हैं। ऐसे में पुरानी पेंशन योजना उन पर भी लागू होती है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हुई संक्षिप्त सुनवाई में, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी (संघ के लिए) ने बताया, याचिकाकर्ता देश की रक्षा करने वाले बलों के साथ समानता की मांग कर रहे थे। उच्च न्यायालय ने भी माना है कि ओपीएस का लाभ, पवन कुमार मामले में, यह माना गया कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल संघ के सशस्त्र बल हैं। पुरानी पेंशन योजना उन पर भी लागू होती है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हुई संक्षिप्त सुनवाई में, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी (संघ के लिए) ने बताया कि याचिकाकर्ता, देश की रक्षा करने वाले बलों के साथ समानता की मांग कर रहे थे। उच्च न्यायालय ने माना है कि ओपीएस का लाभ, सीएपीएफ कर्मियों पर भी लागू होगा। दूसरी ओर, सीनियर एडवोकेट अंकुर छिब्बर ने प्रतिवादियों (सीएपीएफ कर्मियों) की ओर से अनुरोध किया कि इस मामले में एक निश्चित तारीख दे दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने उनके अनुरोध को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया गया कि मामला इतना जरूरी नहीं है। इसकी

सुनवाई में कुछ समय लगेगा। वे छह से आठ सप्ताह बाद जल्दी सुनवाई के लिए ऐप्लिकेशन मूव कर सकते हैं। बता दें कि सीएपीएफ के 11 लाख जवानों/अफसरों ने गत वर्ष पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली हाईकोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीती थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को लागू नहीं किया। इस मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले लिया। जब केंद्र सरकार ने स्टे लिया, तभी यह बात साफ हो गई थी कि सरकार सीएपीएफ को पुरानी पेंशन के दायरे में नहीं लाना चाहती। हैरानी की बात तो ये है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले साल 11 जनवरी को दिए अपने एक अहम फैसले में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ को भारत संघ के सशस्त्र बल माना था। दूसरी तरफ केंद्र सरकार, सीएपीएफ को सिविलियन फोर्स बताती है। अदालत ने इन बलों में लागू एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, चाहे कोई आज इन बलों में भर्ती हुआ हो, पहले कभी भर्ती हुआ हो या आने वाले समय में भर्ती होगा, सभी जवान और अधिकारी, पुरानी पेंशन स्कीम के दायरे में आएंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने गत वर्ष इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा था, याचिकाकर्ता विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में संशोधन भी कर सकते हैं। कोई नया दस्तावेज जोड़ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि सीएपीएफ पर भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है।

दिल्ली में गुप्ता बंधुओं के साथ रखी गई सीक्रेट मीटिंग: संजय निरुपम

मुंबई, 12 अगस्त। महाराष्ट्र में सत्ताधारी दल शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने विपक्षी दल के नेता और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर दिल्ली दौरे के दौरान गुप्ता परिवार से मुलाकात की, जिन्होंने कथित तौर पर दक्षिण अफ्रीका में घोटाले किए हैं। संजय निरुपम ने कहा कि- यह सार्वजनिक रूप से घोषित किया गया था कि उद्धव ठाकरे विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से मिलने दिल्ली गए थे। सभी नेताओं के साथ उनकी बैठकों को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया था। लेकिन एक बैठक गुप्त रखी गई थी और वह गुप्ता परिवार के एक सदस्य के साथ थी। वहीं संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे से पूछा, उन्होंने ऐसे व्यक्ति से गुप्त रूप से मुलाकात क्यों की? क्या उन्हें आगामी चुनावों के लिए अजय गुप्ता से पैसे चाहिए थे? जानकारी के मुताबिक उद्धव ठाकरे 6 अगस्त से 8 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में थे और इस दौरान उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के साथ कई बैठकें भी कीं। गुप्ता बंधुओं ने दक्षिण अफ्रीका में घोटाले किए और उन्हें 2018 में वहां से फरार होना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन राष्ट्रपति जैकब जुमा को भी उनके कारण अपना पद छोड़ना पड़ा और फिर उन्हें अपनी पार्टी से भी हटा दिया गया। गुप्ता बंधुओं में से दो फरार हैं और उनके खिलाफ इंटरपोल और रेड कॉर्नर नोटिस हैं। वे दुबई में हैं। उनमें से तीसरा भाई अजय गुप्ता भारत में है। अजय गुप्ता उत्तराखंड के एक व्यापारी बाबा साहनी की आत्महत्या के मामले में भी आरोपी है। वह 11 जुलाई से जमानत पर बाहर है। 2018 में, दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति जुमा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच शुरू की। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति पर अपने नौ साल के शासनकाल के दौरान व्यापक भ्रष्टाचार की देखरेख करने का आरोप है। गुप्ता पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल वित्तीय लाभ उठाने और वरिष्ठ नियुक्तियों को प्रभावित करने के लिए करने का आरोप है। हालांकि, उन्होंने गलत काम करने से इनकार किया है। गुप्ता बंधु - अजय, अतुल और राजेश - 1990 के दशक में उत्तर प्रदेश से दक्षिण अफ्रीका चले गए थे और दक्षिण अफ्रीका में कंप्यूटर उपकरण, मीडिया और खनन में फैले एक व्यापारिक साम्राज्य के मालिक थे। इस घोटाले ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर अपने ही सत्तारूढ़ अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) के सांसदों के भीतर भारी हंगामे का सामना करने के बाद 2018 में जुमा को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया।

रूस के कुर्स्क में यूक्रेन की मिसाइल आवासीय इमारत पर गिरी

एजेंसी

मॉस्को। यूक्रेन की एक मिसाइल कुर्स्क में एक आवासीय इमारत पर गिरी, जिससे आग लग गई। यह जानकारी क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने दी। स्मिरनोव ने टेलीग्राम पर कहा कि आज, एक यूक्रेनी मिसाइल कुर्स्क शहर में एक आवासीय इमारत पर गिरी, जिसके कारण आग लग गई। उन्होंने कहा कि सभी आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल पर भेज दिया गया है।

कमला हैरिस मेरे चुनावी वादों की नकल कर रही हैं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वर्तमान उपराष्ट्रपति और आगामी चुनाव में उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर उनके अभियान में ट्रंप के विचारों की नकल करने का आरोप लगाया। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल नेटवर्क ट्रुथ सोशल पर कहा कि कमला हैरिस, जिनकी 'हनीमून' अवधि समाप्त हो रही है और चुनावों में उन्हें झटका लगना शुरू हो गया है, ने अभी-अभी मेरी टिप्स पर कोई कर नहीं

वाली नीति की नकल की है। अंतर यह है कि वह ऐसा नहीं करेगी, वह इसे सिर्फ राजनीतिक उद्देश्यों के लिए यह बोल रही है! यह ट्रम्प की सोच है - उनके पास कोई विचार नहीं है, वह केवल मेरे विचारों की चोरी कर सकती है। हैरिस ने नेवादा में एक रैली में कहा कि अगर वह चुनाव जीतती हैं, तो वह न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि करने के साथ-साथ टिप टैक्स को निरस्त कर देंगी। ट्रम्प, वास्तव में, बार-बार इस तरह की पहल की बात करते रहे हैं।

मोहम्मद एस्लामी ईरान के परमाणु प्रमुख के रूप में उपराष्ट्रपति के रूप में बरकरार

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने मोहम्मद एस्लामी को देश का उपराष्ट्रपति और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के प्रमुख के रूप में फिर से नियुक्त किया। श्री पेजेशकियान ने सरकारी मीडिया के हवाले से उनकी नियुक्ति की घोषणा में कहा, आपके मूल्यवान प्रबंधकीय अनुभवों के कारण, मैं आपको उपराष्ट्रपति और परमाणु ऊर्जा संगठन का प्रमुख नियुक्त करता हूं। 67 वर्षीय एस्लामी ने अगस्त 2021 से दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के प्रशासन में दो पदों पर कार्य किया है, जिनका कार्यकाल 19 मई को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में श्री रायसी मृत्यु के कारण समय से पहले समाप्त हो गया था।

पश्चिम सूडान में झड़पों में कम से कम 28 लोगों की मौत , 46 घायल हुए

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी अल फशर पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में कम से कम 28 नागरिक मारे गए और 46 अन्य घायल हो गए। राज्य के

कार्यवाहक राज्यपाल अल-हाफिज बखेत ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, आरएसएफ मिलिशिया ने बाजारों और नागरिक सुविधाओं पर व्यवस्थित गोलाबारी और नागरिकों के घरों पर धावा बोलकर उन्हें नष्ट करने के बाद नए नरसंहारों का सहारा लिया।

रणनीतिक द्वीप पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने हमें हटाने की साजिश रची: हसीना

ढाका। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रकाशित एक पत्र में अमेरिका पर सेंट मार्टिन के रणनीतिक द्वीप की संप्रभुता छोड़ने से इनकार करने के बाद उन्हें हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। 'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से शिष्टाचार मुलाकात की।

विदेश सचिव मिस्री ने नेपाल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। केपी शर्मा ओली सरकार के गठन के बाद श्री मिस्री की यह पहली आधिकारिक यात्रा है। नेपाल में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा, विदेश सचिव मिस्री ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के.पी. शर्मा ओली आरटी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और नेपाल के सभ्यतागत, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने और

द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश सचिव और नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने सभी क्षेत्रों में भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और नेपाल सरकार के शहरी विकास मंत्रालय के सचिव मनीराम गेलाल ने संयुक्त रूप से काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद की नई इमारत का उद्घाटन किया, जो भूकंप के बाद भारत के पुनर्निर्माण अनुदान के तहत बनाई गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम के आह्वान को ध्यान में रखते हुए, विदेश सचिव मिस्री ने आज इंडिया इन नेपाल कॉम्प्लेक्स में नीली गुलमोहर का पौधा लगाया।

श्री मिस्री अपनी नेपाली समकक्ष सेवा लम्साल के निमंत्रण पर दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल पहुंचे।

सूडान में भारी बारिश के चलते 53 लोगों की मौत, 9 हजार से अधिक परिवार प्रभावित

एजेंसी

खार्तूम। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, भारी बारिश से 53 लोगों की मौत समेत कुल 208 लोगों को चोट आई हैं, जबकि, 9,777 परिवार इससे प्रभावित हुए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक सूडान के नौ राज्य भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं,

जबकि 2,000 से अधिक घर पूरी तरह और 4,000 से अधिक घर आंशिक रूप से ध्वस्त हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय से जारी बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को 25 रोगियों की पुष्टि की गई। कसाला, खार्तूम और गीजिरा समेत तीन राज्यों से कुल 192 मामले सामने आए हैं। बता दें कि बाढ़, सूडान में एक वार्षिक घटना है, जो आम तौर पर जून और अक्टूबर के बीच होती है। पिछले तीन सालों में भारी बारिश के चलते सैकड़ों लोगों ने जान गंवाई है। भीषण बारिश ने बड़े पैमाने पर कृषि भूमि को भी नष्ट किया है।

जयशंकर ने मालदीव में किया भारतीय सहायता प्राप्त दो प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन

एजेंसी

माले। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के अड्डू शहर का दौरा किया, जहां उन्होंने भूमि सुधार परियोजना सहित भारतीय समर्थन से क्रियान्वित प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

श्री जयशंकर की मालदीव की आधिकारिक यात्रा राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद किसी भारतीय गणमान्य व्यक्ति की पहली यात्रा है। अड्डू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर, विदेश मंत्री मूसा ज़मीर, शहर के मेयर अली निज़ार और अन्य वरिष्ठ सरकारी तथा अड्डू नगर परिषद के अधिकारियों ने श्री जयशंकर का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विदेश मंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान अड्डू रिक्लेमेशन परियोजना और अड्डू समुद्रतट संरक्षण परियोजना का उद्घाटन किया। एक अन्य परियोजना, गौकेडी और माराधू को जोड़ने वाला एक पुल, भारत की एएफसीओएनएस कंपनी द्वारा बनाया

जा रहा है।

भारत का मानना है कि हैंकेडे पुल परियोजना मालदीव में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगी क्योंकि जहां पुल स्थित है उसे आर्थिक उद्देश्यों के लिए विकसित किया जाना है। इसके अतिरिक्त, भूमि पुनर्ग्रहण परियोजना से अड्डू शहर के निवासियों के सामने आने वाली आवास चुनौतियों का समाधान होने की उम्मीद है। श्री मुइज्जू ने आशा व्यक्त की कि श्री जयशंकर की यात्रा भारत और मालदीव के बीच स्थायी मित्रता और सहयोग को प्रगाढ़ करेगी।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 24 घंटों में यूक्रेन के 230 सैनिक मारे गये

एजेंसी

मॉस्को। पश्चिमी रूसी क्षेत्र कुर्स्क पर आक्रमण के प्रयास में पिछले 24 घंटों के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 230 जवान मारे गये और उसके सात टैंकों सहित 38 बख्तरबंद वाहन नष्ट हो गये। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा, पिछले 24 घंटों में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 230 जवान मारे गये और उसके 38 बख्तरबंद वाहनों नष्ट हो गये, जिनमें सात टैंक, तीन स्ट्राइकर बख्तरबंद कर्मी वाहक, एक पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन और 28 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन शामिल हैं। मंत्रालय का अनुमान है कि यूक्रेन के सात वाहन, चार फील्ड आर्टिलरी सिस्टम, एक बुक-एम1 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम, तीन लॉन्चर और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली का एक एएन/एमपीक्यू-65 रडार स्टेशन भी नष्ट हो गया। रूसी सेना ने यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र के बेलोव्स्की जिले में घुसने से रोक दिया।मंत्रालय ने कहा, सेना के उड्डयन ने ओज़ेरकी और इवानोव्स्की गांवों में दो टैंक, एक बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, एक फील्ड आर्टिलरी बंदूक और दो गोला बारूद वाहनों को नष्ट कर दिया। रूसी सेना ने कुर्स्क क्षेत्र में अन्दर तक घुसने के लिए बख्तरबंद वाहनों का उपयोग करने के यूक्रेनी मोबाइल समूहों के प्रयासों को विफल कर दिया।मंत्रालय ने कहा,

चार बख्तरबंद कार्मिकों को नष्ट कर दिया गया, जिनमें तीन अमेरिका निर्मित स्ट्राइकर एपीसी, सात बख्तरबंद लड़ाकू वाहन और दो वाहन शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, कुर्स्क क्षेत्र के खिलाफ आक्रामक हमले में यूक्रेन ने 1,350 सैनिक, 29 टैंक, 23 बख्तरबंद कार्मिक वाहक और सैन्य हार्डवेयर और तोपखाने प्रणालियों के अन्य टुकड़े खो दिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी

वाशिंगटन । बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के लिए खिलाफ अमेरिका में वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस के बाहर हिंदू समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के निवास व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन करने वाले लोगों में अमेरिकी हिंदू, भारतीय-अमेरिकन और बांग्लादेशी-अमेरिकन के लोग शामिल हैं। ये लोग बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोग, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का आरोप पाकिस्तान की सरकार और वहां की

खुफिया एजेंसी आईएसआई पर लगा रहे हैं और तुरंत हिंसा रोकने की अपील कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और विदेश एंटनी ब्लिंकन से बांग्लादेश मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान भारत और दक्षिण एशियाई मूल के करीब 100 से 150 लोग मौजूद थे। उसमें से कुछ 1971 में हुई हिंसा के पीड़ित भी थे।इससे पहले, देशव्यापी हिंसा, अराजकता और अशांति के बीच शनिवार को हजारों हिंदू बांग्लादेश के मध्य में चिट्टागोंग में एकत्र हुए थे।

उन्होंने देश के भीतर हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ एक विशाल विरोध रैली निकाली और सुरक्षा तथा समान अधिकारों की मांग की।बता दें 5 अगस्त को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बाद से बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों, विशेषकर हिंदुओं के उत्पीड़न की असंख्य घटनाएं सामने आई हैं।

चिट्टागोंग के ऐतिहासिक चेरगी पहाड़ चौराहे पर आयोजित विशाल विरोध रैली को लेकर अनुमान लगाया गया कि इसमें सात लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें हिंदुओं के खिलाफ चल रही हिंसा का विरोध किया गया। माना जाता है कि पिछले कुछ दिनों में कट्टरपंथियों ने हिंदुओं के घरों, व्यवसायों और यहां तक कि मंदिरों पर हमला किया है, जिसमें सैकड़ों हिंदू घायल हो गए हैं।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में विस्फोट में 1 की मौत, 11 घायल

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिमी छोर पर स्थित दश्त-ए-बारची इलाके में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने यह जानकारी दी।

जादरान ने घटना के कुछ घंटों बाद अपने 'एक्स' अकाउंट पर पुष्टि की, दश्त-ए-बारची इलाके में एक मिनी बस में एक चिपकने वाला विस्फोटक फट गया । प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति की जान चली गई और 11 अन्य घायल हो गए।अधिक विवरण दिए बिना, पुलिस अधिकारी ने कहा, सुरक्षाकर्मी इलाके में पहुंचे और जांच शुरू की। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पाकिस्तान में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में 10 की मौत

एजेंसी

सुक्कुर। पाकिस्तान के सुक्कुर शहर और खैबर पख्तूनख्वा में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट और फायरिंग में 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक सुक्कुर शहर में दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार को विवाद के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फायरिंग की। इसमें एक पक्ष के चार लोगों की मौत हो गई। जिसमें तीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि एक की इलाज के दौरान मौत हुई। वहीं दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति की भी गोलीबारी में मौत हो गई। कई लोग घायल भी हो गए। पुलिस के मुताबिक विवाद में पहले भी तीन लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने विवाद की जांच शुरू कर दी है। साथ ही मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा के लोअर ओरकजई जिले में भूमि विवाद के चलते दो जनजातियों के बीच हुई झड़प के बाद फायरिंग हुई। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। उधर ओकारा जिले के देपालपुर तहसील क्षेत्र में एक भाई ने अपनी बहन को गोली मार दी। हुजरा शाह मुकीम अटारी रोड इलाके में एक नौंवी में पढ़ने वाली एक छात्रा की कुछ दिन पहले परीक्षा थी। छात्रा परीक्षा में फेल हो गई थी। इससे गुस्साए भाई ने छात्रा को गोली मार दी। छात्रा की मौके पर मौत हो गई। जबकि युवक फरार हो गया। पीड़िता की मां शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। युवक की तलाश जारी है।

रूस में घुसकर हमला कर रही यूक्रेनी सेना, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने की पुष्टि

एजेंसी

कीव। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उनकी सेना रूस के कुर्स्क क्षेत्र के अंदर घुसकर हमला कर रही है।

जेलेंस्की ने अपने रात्रिकालीन टेलीविजन संबोधन में कहा कि यूक्रेनी सेना आक्रमणकारियों के क्षेत्र में युद्ध को आगे बढ़ा रही है। दरअसल, जेलेंस्की का यह बयान रूस के कुर्स्क ओब्लास्ट में यूक्रेन की सीमा पार घुसपैठ की पहली सार्वजनिक स्वीकृति को दर्शाता है, जो कथित रूप से 6 अगस्त से शुरू हुई थी। यूक्रेनी सेना की घुसपैठ ने रूस को चौंका दिया है।

जेलेंस्की ने यूक्रेन के रक्षा बलों को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने रूस में ऑपरेशन पर देश के वरिष्ठ सैन्य कमांडर ओलेक्सांद्र सिर्स्की के साथ चर्चा की थी। इससे

पहले रूस ने कहा था कि टैंकों और बख्तरबंद वाहनों की मदद से 1,000 यूक्रेनी सैनिकों ने मंगलवार सुबह कुर्स्क क्षेत्र में प्रवेश किया।हालांकि, उस दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपनी टिप्पणी में सीधे तौर पर कुर्स्क का जिक्र नहीं किया था, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेनी सेना रूसी धरती पर एक अभियान चला रही है।

हिजबुल्लाह ने इजरायली बेस पर ड्रोन से किया हमला

एजेंसी

बेरूत। हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल में सफ़ेद शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक इजरायली बेस पर ड्रोन से लगातार कई हमले किए। हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा, इस्लामिक प्रतिरोध सेनानियों ने मिचवे एलोन बेस पर आत्मघाती ड्रोनों के साथ हवाई हमला किया।

इस बेस में सफ़ेद शहर के दक्षिण-पश्चिम में इजरायली उत्तरी कोर के लिए बल और आपातकालीन गोदाम स्थित है, इसलिए हिजबुल्लाह ने अधिकारियों और सैनिकों के ठिकानों को निशाना बनाया और उन पर सीधा हमला किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। हिजबुल्लाह ने कहा, यह हमला शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के शहर सिडोन में एक छापे में हमास के एक अधिकारी की हत्या का जवाब था। समाचार एजेंसी ने बताया कि इससे पहले एक इजरायली ड्रोन हमले में सिडोन शहर के पूर्व में हमास के अधिकारी समर

अल-हज की मौत हो गई थी।इस बीच, लेबनानी सैन्य सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली ड्रोन और लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र में दिन में छह गांवों और कस्बों पर 10 हवाई हमले किए, जिसमें तीन नागरिक घायल हो गए और 18 घर नष्ट हो गए।

बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में दहियाह पर इजरायल के हमले के बाद लेबनान में आशंका का माहौल है। इस हमले में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ सैन्य कमांडर फौद शोकोर की मौत हो गई थी। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह ने जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है।

बांग्लादेश में हिंसा के खिलाफ ह्यूस्टन में हिंदुओं का प्रदर्शन, बाइडन सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग

एजेंसी

ढ़ाका बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। हिंदुओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि को देखते हुए अमेरिका में हिंदू समुदाय विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार की सुबह ह्यूस्टन के शुगर लैंड सिटी हॉल में 300 से अधिक अमेरिकी-भारतीय और बांग्लादेशी मूल के हिंदुओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हिंसा को लेकर तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बाइडन प्रशासन से अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों की सुरक्षा की भी मांग की और उनके खिलाफ हो रहे हिंसा पर मूक दर्शक बने रहने से इनकार करने का आग्रह किया।

ह्यूस्टन में हिंदू समुदाय के लोगों ने किया शांतिपूर्ण प्रदर्शन

ग्लोबल वॉयस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज ने 'बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाएं' शीर्षक के साथ ह्यूस्टन में इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आयोजन किया था। इस प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और अत्याचार को समाप्त करने की मांग करते हुए तख्तियों में संदेश भी लिखे। इस दौरान हिंदू नरसंहार बंद करो,'अब खड़े हो,' 'हिंदू जीवन मायने रखता है,' और 'हम भागेंगे नहीं, हम छिपेंगे नहीं' जैसे नारे भी लगाए गए।

विश्व हिंदू परिषद और हिंदूएक्शन का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिनिधि अचलेश अमर ने भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ÷हम हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले की निंदा करते हैं। हम बांग्लादेश में अपने भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। हम बांग्लादेशी सरकार से अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने और अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। अचलेश अमर ने हिंदूपैक्ट की सह-संयोजक दीप्ति महाजन का भी एक बयान साझा किया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में तख्तापलट के साथ, एक करोड़ हिंदू नरसंहार के बम पर बैठे हैं। बांग्लादेश के भीतर से आ रही रिपोर्टों के अनुसार, हत्याओं और हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ की घटनाएं सामने आ रही है।

ओलंपिक समापन समारोह से पहले एफिल टावर पर चढ़ा व्यक्ति, गिरफ्तार

एजेंसी

फ्रांस। ओलंपिक समापन समारोह से पहले एक व्यक्ति को एफिल टॉवर पर चढ़ते हुए देखे जाने के बाद फ्रांसीसी पुलिस ने एफिल टॉवर के आसपास के इलाके को खाली करा लिया। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी।

'मिरर' की रिपोर्ट के अनुसार, एक आदमी बिना किसी हार्नेस के 330 मीटर ऊंचे टॉवर पर चढ़ गया, यह स्पष्ट नहीं है कि उसने अपनी चढ़ाई कहां से शुरू की, लेकिन उसे स्मारक के दूसरे खंड को सजाने वाले ओलंपिक रिंगों के ठीक ऊपर, पहले देखने वाले डेक के ठीक ऊपर देखा गया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना ओलंपिक प्रतियोगिता के समापन के समय हुई, पेरिस में सुरक्षा सेवाओं और उससे परे अपना ध्यान समापन समारोह पर केंद्रित कर दिया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे के आसपास आगंतुकों को एक टावर क्षेत्र से बाहर निकाला, जबकि कुछ समय के लिए बंद किए गए आगंतुकों को 30 मिनट बाद बाहर निकलने की अनुमति दी गई। लोगों ने टावर के किनारे चढ़ रहे एक व्यक्ति की तस्वीरें साझा कीं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में एक व्यक्ति को टावर पर

चढ़ते हुए दिखाया गया है। वीडियो में, एक आदमी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, एफिल टॉवर पर एक आदमी चढ़ रहा है; वह अभी-अभी नीली रिंग से गुजरा है, मुझे नहीं लगता कि उसने शर्ट पहनी हैृ यह पागलपन है।

उद्घाटन समारोह में सेलीन डायोन को एफिल टॉवर के दृश्य क्षेत्रों में से एक से शहर की सेवा करते हुए दिखाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉवर के समापन समारोह का हिस्सा होने की उम्मीद नहीं है, जो सेंट-डेनिस के उत्तरी उपनगर स्टेड डी फ्रांस में रात 9 बजे शुरू होने वाला था।

जलभराव से मृत दोनों बच्चों के परिजनों को मुआवजा दें: दिल्ली कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी के प्रेम नगर इलाके में जलभराव के कारण दो बच्चों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को मुआवजा देने की मांग की है। पार्टी ने मामले की जांच कर दोषीअधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना को पत्र लिखकर मृतक परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि राजधानी के प्रेम नगर में डीएसआईडीसी के पार्क में जलभराव में डूबकर दो बच्चों, मयंक और दिव्यांश की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी जलभराव के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रहे हैं जबकि निर्दोष लोगों की जान सांसत में है।

एलिवेटेड मेट्रो लाइनों के पास पतंग न उड़ाएं, डीएमआरसी ने जारी की एडवाइज़री

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के अवसर पर आसमान में हर तरफ पतंगे उड़ती नजर आती हैं। इस बाबत दिल्ली मेट्रो ने एडवाइज़री जारी की है। दिल्ली मेट्रो ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा एवं मेट्रो के निर्बाध परिचालन के लिए मेट्रो की 25000 वोल्टेज वाली बिजली के तारों के पास पंगबाजी न करें। ऐसा करना उनकी जान को भी जोखिम में डाल सकता है और मेट्रो सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं। डीएमआरसी के अनुसार पतंगबाजी की आशंका वाले स्टेशनों के पास डेडिकेटेड टीमों को के द्वारा निगरानी रखेगी । ये टीमें इन दिनों पतंग की डोर दिखने पर सावधानी बरतने, ट्रेन ऑपरेटर और स्टेशन कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह देने के अलावा पतंग की डोर को तुरंत हटाने का काम करती हैं। इस बचाव संबंधी व्यवस्था के अलावा दिल्ली मेट्रो आमजन से अपील भी करती है कि वे अपनी स्वयं की सुरक्षा एवं मेट्रो के निर्बाधित परिचालन के लिए मेट्रो की 25000 वोल्टेज वाली बिजली के तारों के पास पंगबाजी न करें। ऐसा करना उनकी जान को भी जोखिम में डाल सकता है और मेट्रो सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं । मेट्रो यात्रियों की सुरक्षा और निर्बाध मेट्रो सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए, दिल्ली मेट्रो, जनता को मेट्रो लाइनों से दूर खुली जगहों पर सुरक्षित रूप से, पतंग उड़ाने का आनंद लेने की सलाह देती है।

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट की कोई बुनियाद नहीं, अटेंशन डाइवर्ट करने की कोशिश - अरुण केजरीवाल

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट को लेकर सियासत गरमा गई है। केजरीवाल रिसर्च एंड इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के संस्थापक अरुण केजरीवाल ने बड़ा बयान दिया है।उन्होंने कहा, हिंडनबर्ग ने जनवरी 2023 में पहली बार अदाणी समूह पर आरोप लगाए थे और अब सेबी के मुखिया पर आरोप लगा रहा है। सेबी ने हिंडनबर्ग को कारण बताओ नोटिस भेजा था। लेकिन इसका जवाब नहीं दिया गया। अब हिंडनबर्ग की ओर से सेबी पर आरोप लगाया जा रहा है, लेकिन यह निराधार है। सेबी चीफ पहले ही बयान दे चुकी हैं कि उन्होंने जॉइंट इन्वेस्टमेंट को बदलकर अपने पति के नाम कर दिया था। सेबी के कानून में है कि किसी भी अफसर को शेयर बाजार से कनेक्ट इन्वेस्टमेंट की अनुमति नहीं मिलती। कोई नई बात नहीं है। मेरे ख्याल से इसका मकसद अटेंशन डाइवर्ट करना है। सेबी के एक्शन से हिंडनबर्ग के परेशान होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सेबी के कारण बताओ नोटिस का जवाब न देकर हिंडनबर्ग पर अब सेबी चीफ पर सवाल उठा रहा है। लेकिन इसकी कोई बुनियाद नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग पहले शॉर्ट सेलिंग कर शेयर बाजार को गिराता है और फिर उससे खुद लाभ कमाता है। उसने अदाणी समूह के शेयरों में भी ऐसा ही किया था। मेरा मानना है कि जो पिछले साल जनवरी में हुआ, वह दोहराया नहीं जाएगा।

राहुल ने पूछा-माधवी बुच ने अब तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि हिंडन वर्ग की दूसरी रिसर्च रिपोर्ट में साफ है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड-सेबी अध्यक्ष माधवी बुच जिस शेयर घोटाले की जांच कर रही है उन्होंने खुद उसी कंपनी में निवेश किया था लेकिन आश्चर्य की बात है कि सरकार ने उनका इस्तीफा अब तक नहीं लिया।

श्री गांधी ने कहा कि छोटे खुदरा निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले सेबी के अध्यक्ष पर गंभीर समझौता करने का आरोप है। ईमानदारी से निवेश करने वाले निवेशकों ने सरकार से सवाल किए हैं और उन्हें जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच ने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया। यदि निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं तो किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा- पीएम मोदी, सेबी अध्यक्ष या गौतम

अडानी। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है और देश की सर्वोच्च अदालत को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा,'सामने आए नए और बेहद गंभीर आरोपों के आलोक में क्या सुप्रीम कोर्ट एक बार फिर इस मामले पर स्वतंत्र संज्ञान लेगा।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जेपीसी जांच से इतने डरे हुए क्यों हैं और इससे क्या खुलासा हो सकता है।'

नीट पीजी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। चिकित्सा शिक्षा की उच्च स्तरीय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट- पीजी 2024 देश भर के 170 शहरों में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) की नीट - पीजी 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। नीट - पीजी के आयोजन की निगरानी के लिए परीक्षा केंद्रों पर 1,950 से अधिक स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता और 300 उड़न दस्तों के सदस्यों को तैनात किया गया। देश भर में आयोजित होने वाली परीक्षा के संचालन की निगरानी के लिए आठ क्षेत्रीय कमांड सेंटर भी स्थापित किए गए थे। परीक्षा के बारे में किसी भी गलत सूचना को रोकने के लिए, एनबीईएमएस ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी और यह सुनिश्चित किया कि छात्रों को केवल प्रामाणिक जानकारी ही दी जाए।

विभिन्न एजेंसियों के बीच घनिष्ठ समन्वय के साथ-साथ कड़े सुरक्षा उपायों से नीट पीजी का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ है, जिससे इस परीक्षा की शुचिता बनी रही।

नीट पी जी परीक्षा 170 शहरों में फैले 416 केंद्रों पर दो पारियों में आयोजित की गयी। एनबीईएमएस ने 2,28,540 उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र जारी किए। उम्मीदवारों को उनके राज्यों के भीतर ही परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए। नीट-पीजी के सुरक्षित और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एनबीईएमएस ने दिल्ली में एक केंद्रीय कमांड सेंटर स्थापित किया था।

महोदय लोकोमोटिव भारतीय रेलवे का नहीं है: कांग्रेस की पोस्ट पर रेलवे का जवाब

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कांग्रेस द्वारा उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के शक्तिनगर क्षेत्र में एक मालगाड़ी के बेपटरी होने की घटना पर कांग्रेस के ट्वीट का जवाब देते

है और कहा है :- महोदय,

● लोकोमोटिव भारतीय रेलवे का नहीं है,

● यह ट्रैक भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे का हिस्सा नहीं है, और

हुए कहा है कि यह ट्रैक, वैगन एवं इंजन रेलवे के अधिकार में नहीं बल्कि विद्युत संयंत्र के अधीन है।

रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस द्वारा अनपारा तापविद्युत संयंत्र के अंदर संयंत्र के रेल ट्रैक पर कोयले की ढुलाई करने वाले कुछ वैगन और इंजन बेपटरी होने की घटना को लेकर एक्स पर एक पोस्ट की गई है। इसमें एक वीडियो भी साझा किया गया है और उसे भारतीय रेलवे की विफलता के तौर पर प्रदर्शित किया गया है। सूत्रों ने कहा कि उसी वीडियो से पता चलता है कि बेपटरी हुए वैगनों पर उत्तर प्रदेश विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड लिखा है। सूत्रों के अनुसार रेलवे लाइन, वैगन एवं इंजन संयंत्र की है और उसे परिचालित करने वाले कर्मचारी भी निगम के कर्मचारी हैं। कांग्रेस की उक्त पोस्ट के जवाब में रेलवे ने भी उत्तर दिया

● वैगन का स्वामित्व भी भारतीय रेलवे के पास नहीं है।'

रेलवे के सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से देश के कुछ राजनीतिक दल और उनका ईकोसिस्टम लगातार भारतीय रेल के बारे में फर्जी एवं असत्य सूचनाएं फैला कर जनता को भ्रमित कर रहें हैं। कुछ ही दिन पहले एक पुरानी वीडियो को फिर से पोस्ट करके नया वीडियो बताया गया और फर्जी खबर फैलाई गई कि ट्रेन बेपटरी हुआ है।

सूत्रों ने कहा कि ऐसा ही कुछ आज फिर से देखने को मिला है। एक ट्रेन दुर्घटना को भारतीय रेल का बता कर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी हाल ही में संसद में इसका उल्लेख किया करते हुए नाराजगी जाहिर की थी।

महिलाओं और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग जरूरी: अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने देशभर में महिलाओं और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। डब्ल्यूसीडी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अन्नपूर्णा देवी ने कहा, 'हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे प्रयासों का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे, जिसके लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है। इससे न केवल राज्यों का विकास होगा, बल्कि हमारे देश की समग्र प्रगति में भी योगदान मिलेगा, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। '

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों में महिला एवं बाल विकास/सामाजिक कल्याण मंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासकों/उपराज्यपालों के साथ अपनी पहली राष्ट्रीय स्तर की

बैठक की अध्यक्षता की। विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक में 28 में से 21 राज्य मंत्रियों ने भाग लिया, जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत चल रहे कार्यक्रमों की प्रगति और विभिन्न प्रमुख पहलों के लिए भविष्य की रणनीतियों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इन पहलों का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2।0, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति के तहत मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्य मंत्रियों और प्रशासकों से मिशनों के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। देवी ने इस बात पर भी जोर दिया कि विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने और देश भर में महिलाओं और बच्चों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सहयोग आवश्यक है। राज्यों के मंत्रियों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके संबंधित राज्यों में महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण और कल्याण की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री के स्तर पर जुड़ाव की भी सराहना की और कहा कि इससे सभी राज्यों में तीनों मिशनों के कार्यान्वयन को गति मिलेगी और उनके चल रहे प्रयासों की सराहना होगी। केंद्रीय मंत्री ने मंत्रियों को अपने स्तर पर निरंतर आवधिक जुड़ाव का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने और देश में महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण और कल्याण का समर्थन करने वाली नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी आंदोलन के एक पक्ष को कम करके आंका गया: उपसभापति

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी आंदोलन के एक पक्ष को कम करके आंकने को लेकर खेद प्रकट करते हुए इतिहास के गुमनाम पक्ष को भी उजागर करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की है।

श्री हरिवंश ने यहां स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित एक समारोह में भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद डॉ. भीम सिंह द्वारा लिखित 'भारत के 75 महान क्रांतिकारी' नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने 'लेसर नोन हीरोज' पर लेखनी उठाने के लिए डॉ. सिंह की प्रशंसा की और इस बात पर खेद प्रकट किया कि स्वतंत्रता संघर्ष के क्रांतिकारी आंदोलन के एक पक्ष को कम कर आंका गया है।

उन्होंने श्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इतिहास के गुमनाम पक्ष को भी उजागर कर रहे हैं। इस पुस्तक में भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में क्रांतिकारियों के देश प्रेम तथा देश के लिए उनके संघर्ष और बलिदान को विस्तार से रेखांकित

किया किया गया है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. सिंह ने पुस्तक लेखन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा अवस्था से ही वे क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरित होते रहे हैं। आजादी के 75 वें साल मे क्रांतिकारियों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप उन्होंने इस पुस्तक की रचना की है। उन्होंने कहा, ÷ इसके लेखन के लिए उन्होंने सैकड़ों पुस्तकों तथा दस्तावेजों का लगभग दो वर्षों तक अध्यन किया है। इन 75 क्रांतिकारियों में कई ऐसे क्रांतिकारी भी हैं, जिन्हें आज लोग लगभग भूल चुके हैं, लेकिन उनका संघर्ष और योगदान प्रसिद्ध क्रांतिकारियों से कहीं से भी कम न था। उदाहरण स्वरूप टंट्या भील, मास्टर दा सूर्यसेन, प्रीतिलता वाडेदार, पंडित परमानन्द झाँसी, ज्योतिन्द्र नाथ मुखर्जी, वांची अय्यर, कन्हरे, सराभा, रानी गाईदिनल्यू आदि के नाम लिए जा सकते हैं।

अडानी का महाघोटाला है,जांच जेपीसी करे : कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि अडानी का घोटाला बहुत बड़ा है और अब इसमें जांचकर्ताओं का नाम भी आ रहा है इसमें दूध का दूध और पानी का पानी हो इसलिए मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति-जेपीसी को सौंपी जानी चाहिए।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर कहा 'अडानी महाघोटाले की जांच प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड- सेबी को दी गई है। अब खबर है कि सेबी की चीफ माधवी बुच भी अडानी महा घोटाले में शामिल हैं। मतलब घोटाले की जांच करने वाला ही घोटाले में शामिल है। है ना कमाल की बात।'

बनाने को तैयार नहीं है। लेकिन मोदी कब तक अडानी को बचा पाएंगे, एक न एक दिन तो पकड़े जाएंगे। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि हिडनवर्ग रिसर्च में कल हुए

खुलासे से पता चला है कि सेबी प्रमुख माधवी पुरी और उनके पति ने जिस कंपनी में निवेश किया था उसी कंपनी में विनोद अडानी और उनके करीबियों में सेबी के नियमों का उल्लंघन कर निवेश किया था। उन्होंने भी मांग की है कि सरकार को इस मामले की जांच के लिए जेपीसी का गठन करना चाहिए।

Name Change
I, AMANPREET KAUR SURI d/o MR. HARDEEP SINGH SURI r/o R-34, SECOND FLOOR, INDERPURI, DELHI-110012 have changed my name to AMAN PREET KAUR for future purposes.

Name Change
It is for general information that I, RIYA SOOD D/o VINOD KUMAR R/o H-120, PAL WALI GALI, TIKRI KHURD, NORTH WEST DELHI, DELHI-110040 declare that name of my father has been wrongly written as VINOD KUMR in my 10th class educational documents . The actual name of my father is VINOD KUMAR, which may be amended accordingly.

Name Change
I, SANDEEP KUMAR SAINI S/O B L SAINI R/O D-530/A, SECTOR-11, BEHIND GOLDEN PUBLIC SCHOOL PRATAP VIHAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009 have changed the name of my minor son AKSHAY SAINI aged 11 years and he shall hereafter be known as PRASHANT SAINI.

Name Change
I, hitherto known as ROHAN alias ROHAN CHAUDHARY S/o DEEP CHAND, R/o 187-A, First Floor, Rishi Nagar Rani Bagh, Shakurpur Basti North West Delhi, Delhi - 110034, have changed my name and shall hereafter be known as ROHAN CHAUDHARY.

Name Change
I, JC-472348Y SUB SUBHASH CHAND S/o BABU LAL R/o VILL-TAJPUR, PO-TSINGA, TEHSIL-SADABAD, DISTT-HATHRAS, U.P-281302 have changed my son's name from RISAV KUMAR to RISHAV for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given that Karma Tsondue son of Phuyung is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary.

Name Change
I, NO-2897384P Rank-HAV Name-MAHENDRA SINGH R/O VILL-KHANGTA, PO–KHANGTA, TEH-PIPAR CITY, DIST-JODHPUR, RAJASTHAN-342606, have changed my mother's name from SUKHI DEVI to SUKI DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01 July 1960 instead of her correct date of birth as 07 July 1958 vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, VANDANA W/O DEEPAK SHARMA R/O H NO.C-12/236,C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME VANDANA BANSAL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Umesh Kumar Bhalothia S/O Vijendra Singh, R/O Ward No, 6, Bhaloth, Bhaloth, Jhunjhunun, Buhana, Rajasthan,- 333515 declare that name of mine has been wrongly written as Umesh Kumar Bhalotia in my 10th class educational document, The actual name of mine is Umesh Kumar Bhalothia respectively which may be amended accordingly.

Name Change
I, JC-708911X Rank-NB SUB Name-M KALAIVANAN R/o RICE MILL STREET, OLD VATHALAGUNDU, PO-BATLAGUNDU, TEH-NILAKOTTAI, DIST-DINDIGUL, TAMIL NADU-624202 have changed my mother's name from PANDIAMMAL to PANDEESHWARI MURUGAN for all future purposes vide affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-472002P Rank-SUB Name-RAJENDER SINGH S/o LAKHI RAM Presently residing at VILL-NEEMLI, PO-NEEMLI, TEH-CHARKHI DADRI, DIST-CHARKHI DADRI, HARYANA-127306 have changed my mother's name from HAWA KAUR to HAWA KOUR for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-472693M Rank-SUB Name-KRISHAN KUMAR S/o MANGE Presently residing at VPO-JHAMRI, TEH-MATANHAIL, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124146 have changed my daughter's name from MANASHI to MANSI for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-472693M Rank-SUB Name-KRISHAN KUMAR S/o MANGE Presently residing at VPO-JHAMRI, TEH-MATANHAIL, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124146 have changed my wife's name from SUMAN DEVI to SUMAN for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, SARUBAI DINKAR INGULKAR mother of No.15417105A, Rank-NK, Name-INGULKAR SURESH DINKAR R/O AT.POST-KAMTHADI, TEH-BHOR, DIST–PUNE, STATE-MAHARASHTRA, PIN-412213, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/03/1954 instead of my correct date of birth as 01/06/1958 vide affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, K JAYALAXMI Mother of NO-16119077P Rank-HAV Name-BALA MURALI K R/O 1/20, GOUNDER STREET, VILL-PILLAYARNATTAM, POST-PITHALAIPATTI, DISTT-DINDIGUL, TAMIL NADU-624002 have changed my name from K JAYALAXMI to JEYALAKSHMI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 29/08/1971 instead of my correct date of birth as 17/05/1971 Vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO- 2897384P Rank-HAV Name-MAHENDRA SINGH R/O VILL-KHANGTA, PO–KHANGTA, TEH-PIPAR CITY, DIST- JODHPUR, RAJASTHAN-342606, have changed my father's name from SUGNA RAM to SUGANA RAM for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01 July 1955 instead of his correct date of birth as 12 April 1958 vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi

Name Change
I, JC-471963K Rank-SUB & Hony Lt Name-SURENDRA SINGH S/o BEGRAJ R/o VPO-GIDANIA, TEH-CHIRAWA, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333027 have changed my mother's name from KESAR DEVI to KESHAR for all future purposes vide affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, SUDHA, W/o. PANKAJ NAGIA, R/o. RZ-243, L/6, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077, have changed my name from SUDHA to SUDHA NAGIA for all future purpose.

Name Change
I,Rajinder S/O Babu Lal R/O 512/6-Govindpuri Kalkaji Delhi -110019 Have Change My Name From Rajinder to Rajinder Dhiman For All Future Purposes

Name Change
I, BINU B Father of No. NO-16133778W Rank-SPR Name-ANU B Presently residing at KUNNATHU THEKKATHIL-HOUSE, ORIENT NAGAR-88, VILL-VADAKKEVILA, PO-PATTATHANAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691021 have changed my name from BINU B to BINU for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, GAGANDEEP SINGH son of Sh. Tirath Singh R/o Flat No. 254 Plot No. 18 Sector 12 Shivani Apartments CGHS Ltd Dwarka New Delhi-110078 have changed my name from Gagandeep Singh to GAGANDEEP DHINGRA for all future purposes.

Name Change
I,Mohd Akil S/O Mohammad Habib Ansari H.no-B-55, Gali no-5, near Imam bada rashid market ext,Krishna Nagar Ho, East delhi, delhi-110051 have change my name from Mohd Akil to Mohammad Akil Ansari for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJESH JHA S/O FARINDER JHA R/O H.NO. 23, POCKET-4, SECTOR-2, VTC: ROHINI, PO: ROHINI, SECTOR-7, SUB DISTRICT: NARELA, DISTRICT: NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 declare that name of my minor son has been wrongly written as YASH KASHYAP in my minor son YASH JHA aged 13 years in his school record. The actual name of my minor son is YASH JHA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I HARSHITA SINGH D/O NARESH KUMAR R/O- 44F/9, KISHAN garh Vasant Kunj, South West Delhi Delhi-110070 declare that the name of mine and my father has been wrongly written as HARSHITA and NARESH SINGH in my 10th class educational documents. The actual name of mine and my father are HARSHITA SINGH and NARESH KUMAR respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
MY CLIENTS RIYASHAT ALI S/O SH. LIYAKAT ALI & SMT. AAMNA BEGAM W/O SH. RIYASHAT ALI, BOTH R/O H.NO. F-19, J.J. CAMP TIGRI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, HAVE SEVERED ALL RELATIONS AND DISOWNED THEIR SON MOHD. TOFIQ AND HIS WIFE GULAFRIN FROM THEIR ALL MOVABLE/IMMOVABLE PROEPRTY MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS/DEED IN FUTURE.
ABDUL MAJID ADVOCATE
CH.NO.870 , SAKET COURT
NEW DELHI,M.NO.8700019491

Name Change
It is for general information that I, SAMAR SINGH S/o MAAN SINGH R/o 12/35, Block-12, Trilok Puri, PO Patparganj, Dist. East Delhi, Delhi-110091 declare that name of mine has been wrongly written as SAMAR in my 12th class Educational Documents. The actual name of mine is SAMAR SINGH, which may be amended accordingly.

Name Change
I, No. 16019585W Rank-HAV Name-PUSPDHAWAJ SINGH S/o NARBADESHWAR SINGH Presently residing at VILL-PANDEYPAR, PO-KAURI RAM, TEH-BANSGAON, DIST-GORAKHPUR, UTTAR PRADESH-273413 have changed my mother's name from SHOBHA SINGH to SHOBHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I KAUSHAL KISHORE TIWARI S/O RAM TEJ TIWARI R/O H.NO. 20, KHASRA NO. 93, TIKAL KUNJ COLONY, NEAR SHAKUNTALA PUBLIC SCHOOL, GIRDHAR PUR ROAD, CHAPROLA,CHHAPRAULA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201009 declare that name of mine has been wrongly written as KAUSHAL KISHORE in my service record. The actual name of mine is KAUSHAL KISHORE TIWARI which may be amended accordingly.

Name Change
I, JC-472494Y SUB SATYABIR SINGH S/o LAKSHMAN SINGH R/o VILL-NERA, PO-NERA, TEHSIL-MAHAWAN, DISTT-MATHURA, U.P-281301 have changed my son's name from MANISH KUMAR to MANISH CHAUDHARY for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I Umer Mukhtar S/O Mukhtar Ahmad Wani Residing At House No. 9 (Old No-D-3) SF, Park Avenue Maharani Bagh, New Delhi, East Of Kailash, South, South-East, Nct Of Delhi-110065 Have Changed My Name From Umer Mukhtar Wani to Umer Mukhtar For All Future Purposes

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हरीश चन्द पिता स्व. जसवंत पता B-443/444, Near Mother Dairy Milk booth, Shahbad Dairy, Delhi 110042. मैं अपनी बहु श्रीमती लक्ष्मी, जो मेरे पुत्र स्व. जसवंत की मृत्यु के बाद जनवरी 2024 को मेरा घर और अपना ससुराल को छोड़कर एवं समस्त स्त्रीधन, कीमती सामान, पैसा एवं जेवर आदि लेकर चली गई है वह दोनों बच्चों अनन्या और रुद्र को, साथ लेकर अपने मायके चली गई और अपने मायके वालों के कहने पर वह हमें और हमारे परिवार को झूठे केसों में फसाने की धमकी देती है। अतः उसके द्वारा किए गए हमारे प्रति या हमारी संपत्ति के विरुद्ध किसी भी कार्य को वैध नहीं माना जाये तथा लक्ष्मी के साथ किया गया किसी भी प्रकार का लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।

Name Change
I hitherto known as RADHAKRISHNAN M. alias MEYASSERI RADHA KRISHNAN alias RADHAKRISHNAN MEYASSERI alias M. RADHAKRISHNAN S/o ACHUTHAN NAIR, residing at Qtr. No. 208, Vikas Puri Police Line, Vikas Puri, Tilak Nagar S.O, West Delhi, Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as M. RADHAKRISHNAN.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Vivek Gupta S/O: Gopal Prasad Shah,R/O L-71 ,1st Floor, Blk-L, J J Colony Wazirpur, Near Opp Samuday Bhawan,VTC: Ashok Vihar, PO: Ashok Vihar, Sub District: Saraswati Vihar, District: North West Delhi,State: Delhi,-110052,declare that name of mine and my father has been wrongly written as Vivek Kumar shah and Gopal parsad shah in my driving Licence, no DL820180007943,The actual name of mine and my father are VIVEK GUPTA and Gopal Prasad Shah,respectively which may be amended accordingly

Name Change
It is for general information that I, SEKH MUSTAKIM S/o SEKH ASRAFUL, R/o House No. 348, Sahpurjat, South Delhi, Delhi - 110049 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as MUSTKEEM and SK ASRAFUL in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are SEKH MUSTAKIM and SEKH ASRAFUL respectively, which may be amended accordingly.

Name Change
I, NO-16119077P Rank-HAV Name-BALA MURALI K Father of B VEERA RAGHAVAN R/o 1/20, GOUNDER STREET, VILL-PILLAYARNATTAM, POST-PITHALAIPATTI, DISTT-DINDIGUL, TAMIL NADU-624002 have changed my minor son's name from B VEERA RAGHAVAN to B VEERARAGHAVAN for all future purposes vide affidavit dated 12/08/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I PRASHANT S/O JASPAL MANCHANDA residing at I 53A 3RD FLOOR RAMA PARK ROAD MOHAN GARDEN NEAR KRISHNA MANDIR AND KUMAR DIARY UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed my name to PRASHANT MANCHANDA permanently

Name Change
I hitherto known as Nalini Sharma alias Nalini D/O Bhajan Lal W/O Subhash Shrivastava, R/O 1/2285 RAM NAGAR, MANDOLI ROAD, NEAR G.S.S.SCHOOL, SHAHDARA, East Delhi, Delhi-110032 have changed my name and shall hereafter be known as NALINI.

Name Change
I, hitherto known as KASHISH alias KASHISH ADHIKARI D/o PURAN CHANDER ADHIKARI, R/o 194-195, 4th Floor, Block No. 9, Dakshinpuri, Extension, Dr. Ambedkar Nagar, Deoli, South Delhi, Delhi - 110062, have changed my name and shall hereafter be known as KASHISH ADHIKARI.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Poonam, has agreed to create mortgage the described property in favour of MY CLIENT AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, NETAJI SUBHASH PLACE Branch, Delhi, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Ms. Priyanka Jain has agreed to sell their property "Built Up Portion on Upper Ground Floor, Without Roof Rights, Out Of Khasra No. 11/15/2, 12/10, 12/11 and 12/20, Area Measuring 100 Sq. Yds., Situated in the Area of Village Kamalpur, Majra Burari, Delhi-110084". Hence any other co- sharer(s) Sh. Rajesh Kumar, Sh. Manjeet Singh, Sh. Prashant Garg, Smt. Nirmal Garg, Smt. Chandarpati or any previous owners of the property, having any claim/against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage equitable or deposit of title deed otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub- lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such persons shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 12-08-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Puja Kumari, has agreed to create mortgage the described property in favour of MY CLIENT AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, Uttam Nagar Branch, Delhi, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Chander Kumar has agreed to sell their property "Plot No. J- 1-A/1, Area Measuring 150 Sq. Yds., Out of Khasra No. 513 and 514, Situated in the Area of Revenue Estate of Village Roshanpura, Colony Known as Old Roshan Pura, Block-J, Najafgarh, New Delhi- 110043". Hence any other co sharer(s) Sh. Ramesh Kumar, Sh. Sahil, Sh. Mukesh Kumar, Sh. Ram Niwas, Sh. Ajay Kumar, Smt. Kartari Devi, Sh. Ajay Kumar or any previous owners of the property. having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange mortgage equitable or deposit of title deed otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub- lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, falling which the claim or claims, if any, of such persons shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the property.
Dated : 12-08-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री नीरज मोहन और श्री हर्ष, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-110092 में स्थित खसरा संख्या-198 में से फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण निर्मित संपत्ति के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल संख्या-एस-108, क्षेत्रफल- 100 वर्ग गज है। सद्गुण द्वारा, त्याग विलेख दिनांक-18.06.2024। नीचे दिए गए दस्तावेज़ों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात् स्वर्गीय श्रीमती संयोगिता रानी की एसएमसी, जिनकी मृत्यु 08.06.1998 को हो गई थी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया गया है। शाखा लाजपत नगर, दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती अल्मास आरिफ पुत्री मोहम्मद आरिफ पत्नी मोहम्मद शाहिद फ्रीहोल्ड आवासीय संपूर्ण तीसरी मंजिल की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 46 वर्ग मीटर है, बिना छत/छत के अधिकार के, नगरपालिका संख्या 2282-ए वाली निर्मित संपत्ति का हिस्सा है। वार्ड नंबर आठ, गली जितेंद्र, कलां मस्जिद, बाज़ार सीता राम, दिल्ली-110006 पर स्थित। विक्रय विलेख दिनांक 08.04.2024 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 2024/24/आई/3258, खंड संख्या 20643 पृष्ठ संख्या 165-184 एसआर-III आसफ अली दिल्ली। नीचे दिए गए दस्तावेज़ों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री राम दास का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी और स्वर्गीय श्री राम प्रकाश का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और यह संपत्ति सुश्री इरफ़ाना परवीन नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा नरेला, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

अधिकारी का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हो: बंडारु दत्तात्रेय

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि देश के सरचनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करने व गरीब, दलितों व वंचितों के लिए सरकार की योजना को पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति व हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी इस राष्ट्र के प्रति भूमिका को समावेशी प्रतिबद्धता, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प की भावना से निभाएं।

दत्तात्रेय राजभवन में संकल्प संस्थान द्वारा आयोजित यूपीएससी व एचसीएस सम्मान समारोह में चयनित 17 प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर समाजसेवा में योगदान करने वाले महानुभावों को भामाशाह सम्मान एवं शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय काम करने के लिए महानुभावों को गुरू सम्मान भी प्रदान किया है। उन्होंने कहाकि सभी चयनित अधिकारी सरकार के कार्यक्रमों व जनता की जरूरतों को गहनता एवं सरलता से समझ कर जन कल्याणकारी नीतियां बनाए एवं उनके क्रियान्वयन के लिए कार्य करे और यह सुनिश्चित करें कि किस प्रकार इन नीतियों का लाभ गरीब, किसान, मजदूर और हर जरूरतमंद

तक पहुंचे। यह बड़े गर्व की बात है कि इन 17 बच्चों में से 11 बच्चे हरियाणा प्रदेश से हैं। उन्होंने कहा कि चयनित नहीं हो पाने वाले विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद के वाक्य को ध्यान में रख उठो जागो लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको आगे बढ़ें। इसलिए आपको भी लक्ष्य प्राप्ति तक नहीं रूकना है और अधिक मेहनत करनी है।

राज्यपाल ने सभी प्रतिभावान प्रशासनिक अधिकारियों से यह अपील की कि आप पद की गरिमा के अनुरूप अपने शालीनतापूर्ण व्यवहार और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल सरकार एवं प्रशासन में अपनी एक अलग पहचान बनाए बल्कि समाज के लोगों के दिलों में भी अपनी विशेष जगह बनाए। उन्होंने उनके गृह क्षेत्र की एक महिला अधिकार रेचल चटर्जी का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने हैदराबाद में ऐसा कार्य किया कि आज भी लोग जब उनका नाम सुनते है तो उनके चेहरे खिल उठते है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष, ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि एक अधिकारी की कार्यशैली में उसके व्यवहार में शालीनता, सेवा और समर्पण का भाव दिखना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना, मेजर जरनल नवनीत कुमार (सेवानिवृत्त), समाजसेवी, कैलाश चंद मित्तल, समाजसेवी धीरज अग्रवाल, प्रो. प्रदीप गोयल, डॉ. पी. जे. सिंह, अमित जिंदल, चरणजीत राय, अध्यक्ष, संकल्प संस्था व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भव्य तिरंगा यात्रा निकाल शहीदों को नमन किया

एजेंसी

जींद,। डीआरडीए में तिरंगा यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। डीआरडीए से गोहाना रोड शहीदी स्मारक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई एवं शहीदी स्मारक पर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने उपरांत यात्रा का समापन हुआ। यात्रा का आगाज देशभक्ति गीतों के साथ हुआ। इसके बाद उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा की अगुवाई में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा को और भव्य स्वरूप दिया। तिरंगा में वंदे मातरम व भारत माता की जय के साथ उद्घोष कर रहे थे, जिसने पूरे माहौल को और भव्य रूप दे दिया। इस यात्रा के दौरान आम जनता का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह कारवां नागरिक अस्पताल, राजकीय महिला महाविद्यालय, लघु सचिवालय के सामने से होते हुए शहीदी स्मारक पहुंचा। जहां उपायुक्त ने अपने देश पर प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित की। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने स्वतंत्रता दिवस को एक विशेष दिन बताते हुए कहा कि आज हमें देश के प्रति अपने प्रेम एवं देशभक्ति को महसूस करने की आवश्यकता है। इसलिए हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है ताकि आने वाली पीढियां भी इससे प्रेरित हो और इस इस यात्रा के दौरान गर्व महसूस करें।

समाज सेवा और मानवीयता कार्यों को तरजीह देगा भारत विकास परिषद

झज्जर। भारत विकास परिषद के सदस्य समाज सेवा और मानवीयता के कार्यों को अधिक से अधिक वरीयता देंगे। इस आशय की प्रेरणा परिषद के उत्तर क्षेत्रीय अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने परिषद सदस्यों को विशेष रूप से दी। उन्होंने कहा कि भविष्य के कार्यों व उद्देश्यों पर भी निरंतर ध्यान देना होगा। भारत विकास परिषद उत्तर क्षेत्र-2 की क्षेत्रीय परिषद बैठक का आयोजन हरियाणा मध्य प्रान्त की बहादुरगढ शाखा और विवेकानंद शाखा के आतिथ्य में किया गया। इस बैठक में नौ प्रान्तों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग, क्षेत्रीय अध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र-1) सुशील शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र-2) राजकुमार अग्रवाल और क्षेत्रीय संगठन मन्त्री विक्रान्त खण्डेलवाल का मार्गदर्शन मिला। प्रारम्भिक मंच संचालन प्रांतीय महासचिव दीपक जिन्दल और कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय महासचिव राकेश शर्मा द्वारा किया गया। राष्ट्रीय संयुक्त महामन्त्री विनीत गर्ग ने परिषद की नई नीतियों, अपेक्षाओं एवं कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सतत् सेवा करना ही परिषद का लक्ष्य है।

जिताऊ और टिकाऊ प्रत्याशी को ही टिकट देगी कांग्रेस : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

सोनीपत। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भुपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सभी विधानसभाओं में जिताऊ और टिकाऊ प्रत्याशी को ही टिकट देगी। जिस तरह से सभी विधानसभाओं में कांग्रेस को जनसमर्थन मिल रहा है। उससे प्रदेश में कांग्रेससरकार बनना तय है। हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने जितनी घोषणाएं की वह धरातल पर लागू नहीं हुई। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कांग्रेस सत्ता में आते ही इंस्पेक्टर राज खत्म करेंगे और व्यापारी सुरक्षित होंगे। गन्नौर की अनाजमंडी में हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों पर दोहरी मार कर रही है और कांग्रेस द्वारा खत्म किए गए इंस्पेक्टर राज को फिर से स्थापित कर दिया है। हरियाणा में कानून व्यवस्था बदहाल है, जिससे व्यापारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बदमाशों द्वारा उन्हें धमकियां मिल रही हैं और फायरिंग और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। इसी वजह से व्यापारी हरियाणा से पलायन कर रहे हैं, जिससे निवेश घट रहा है और बेरोजगारी बढ़ रही है। कांग्रेस सरकार के दौरान व्यापारियों को मक्के और सूरजमुखी पर मार्केट फीस घटाकर 1 प्रतिशत कर दी गई थी, जिससे व्यापारियों और किसानों को फायदा हुआ था। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने व्यापारियों को सुरक्षा देने की बजाय उन्हें बदमाशों के हवाले कर दिया है।

झूठ, फूट और लूट की राजनीति के दिन लद गये: दीपेंद्र हुड्डा

एजेंसी

सोनीपत। खरखौदा में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत पदयात्रा की शुरुआत की। पदयात्रा सापला मार्ग से शुरू होकर अंबेडकर चौक पर संपन्न हुई। इस दौरान भारी भीड़ ने हरियाणा मांगे हिसाब और अब केवल कांग्रेस से ही आस के नारे लगाए।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि बीते 10 सालों में बीजेपी सरकार ने हरियाणा के हर वर्ग पर अत्याचार किया है। भाजपा सरकार ने विकास को रोककर बेरोजगारी, महंगाई, अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आगामी सरकार बुजुर्गों को 6000 रुपये महीना पेंशन, हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा करती है। इसके अलावा, सरकारी नौकरी मेंखाली पड़े 2 लाख पदों पर योग्य युवाओं की भर्ती की जाएगी। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक जयवीर वाल्मीकि, जगबीर मलिक, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुखबीर फरमाना, पार्षद सुषमा, अंजू बाला खटक,सुरेंद्र शर्मा, जोगिंदर दहिया , अनूप मलिक, सुनील दहिया पिपली, सिकंदर दहिया, अजीत सैनी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामाजिक कार्यों के लिए बढ़-चढकर दान करना हमारी संस्कृति : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में जाट कल्याण सभा के भवन का किया शिलान्यास

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सामाजिक कार्यों को लेकर हमारे समाज की संस्कृति रही है। जब भी अच्छे उद्देश्य व सामूहिकता के भाव के साथ कोई कार्य आरंभ किया जाए तो समाज आगे बढकर दान करता है। उन्होंने यह बात गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित एलपाइन कांवेंट स्कूल में जाट कल्याण सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जाट कल्याण सभा के भवन का शिलान्यास भी किया।

नायब सिंह सैनी ने जाट कल्याण सभा को बधाई देते हुए कहा कि आपका यह भवन समाज के सभी वर्गों के लिए काम आएगा। साथ ही न केवल स्थानीय लोगों बल्कि दूरदराज से आने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार आप लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस भवन की आधारशिला रखने का यह अवसर बड़ी खुशी का दिन भी है। उन्होंने भवन के निर्माण के लिए अपने

ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। साथ ही जाट कल्याण सभा द्वारा भवन की पार्किंग के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार की नीति के अनुसार इस मांग को पूरा करवाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही स्वतंत्रता दिवस भी आने वाला है। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि कोई भी संस्थान तभी लंबा चलता है। जब उसको आगे बढ़ाने के लिए उद्देश्य अच्छे हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और डीएवी जैसे संगठन इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है। सांसद ने इस दौरान भवन निर्माण में 21 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा भी की। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जाट कल्याण सभा ने दिल्ली-एनसीआर सबसे बड़ा जाट भवन बनाने की जिम्मेदारी ली है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि निर्माण प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह भवन सर्वसमाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

सामाजिक समरसता का बनेगा अनुपम उदाहरण: धनखड़

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि यह भवन 36 बिरादरी के लोगों के लिए सदैव खुला रहेगा। भवन के निर्माण में वन, वन्य जीव एवं पर्यावरण तथा खेल मंत्री संजय सिंह ने भी पांच लाख रुपए तथा अन्य लोगों ने भी वित्तीय सहायता देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले स्कूली विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया।

भावी पीढ़ियों के लिए शुद्ध जल, भोजन व हवा बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाएं किसान : आचार्य देवव्रत

एजेंसी

हिसार। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि आज हम उत्पादन बढ़ाने के लिए खेतों में अंधाधुंध खाद व कीटनाशकों का प्रयोग कर रहे हैं। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति कम होने के साथ-साथ कैंसर, शुगर व हार्ट अटैक जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर हमें भावी पीढ़ियों को शुद्ध जल, भोजन व हवा उपलब्ध करवानी है तो प्राकृतिक खेती को

अपनाना होगा। राज्यपाल आचार्य देवव्रत यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में आयोजित प्राकृतिक कृषि संवाद कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन करने उपरांत किसानों से संवाद कर रहे थे। विश्वविद्यालय पहुंचने पर राज्यपाल को पुलिस विभाग की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है और इसी कड़ी में आज हरियाणा के किसानों के बीच आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। राज्यपाल ने कहा कि किसानों को लगता है कि प्राकृतिक खेती से नुकसान होगा लेकिन ऐसा नहीं है। आज हरियाणा के काफी किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं और उनको इसका लाभ भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जहां रासायनिक खादों व कीटनाशकों का प्रयोग ज्यादा होता है, वहां कैंसर के तीन गुना ज्यादा मामले हैं।

मिलेनियम सिटी हुई पानी-पानी, सीएम ने देखे हालात

एजेंसी

गुरुग्राम। मॉनसून की बरसात में मिलेनियम सिटी पानी में डूब गई। लगभग हर सडक़ पर कई फुट पानी नजर आया। इस बार तो सीएम नायब सिंह सैनी ने भी गुरुग्राम में जलभराव के हालत देखे। वे सेक्टर-10 में जाट भवन का शिलान्यास करने आए थे। कार्यक्रम स्थल के बाहर ही कई फुट पानी भरा था। उनके काफिले की गाडिय़ां बरसात के पानी में ही खड़ी रहीं। गुरुग्राम शहर में सभी छोटी-बड़ी सडक़ें हुई बरसाती में डूब गई। बरसात के पानी में सेंकड़ों दुपहिया, तिपहिया, चारपहिया वाहन बंद हो गए। बरसात का पानी इतना अधिक भर गया कि उसमें से वाहनों का निकलना दुभर हो गया। कुछ तो रात को हुई बरसात का पानी सडक़ों से निकला नहीं था, ऊपर से फिर से घंटों तक बरसात होती रही। इससे बरसात का पानी सडक़ों पर

बढ़ता चल गया। नए-पुराने गुरुग्राम में जिधर नजर दौड़ाएं, उधर पानी ही पानी नजर आया। नगर निगम, जीएमडीए ने जलभराव नहीं होने देने के दवे जरूर किए थे, मगर जलभराव खूब हुआ। नगर निगम ने दावा किया कि जगह-जगह पहले से लगाए गए पंप सेट से पानी की निकासी की गई। हाइवे पर बनाए गए सभी अंडरपास भी बरसात के पानी से लबालब हो गए। ऐहतियात के तौर पर पहले से ही कई अंडरपास में ना जाने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। क्योंकि अंडरपास में भरे में डूबने से पूर्व में कई मौतें हो चुकी हैं।

पुलिस प्रशासन की मेहनत व ग्रामीणों के सहयोग से ड्रग फ्री बना गांव डोभी : आजाद हिन्दुस्तानी

एजेंसी

हिसार। नजदीकी गांव डोभी के सरपंच एवं भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष आजाद सिंह हिन्दुस्तानी ने उनके गांव को ड्रग फ्री घोषित किए जाने पर पुलिस प्रशासन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग व पुलिस प्रशासन के प्रयासों से डोभी गांव को ड्रग फ्री होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आजाद सिंह हिन्दुस्तानी ने कहा कि हिसार रेंज के एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन व अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत तथा ग्रामीणों के सहयोग से डोभी गांव ड्रग फ्री घोषित हुआ है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ पुलिस प्रशासन की मुहिम सराहनीय है और इसमें हर नागरिक को सहयोग देना चाहिए क्योंकि नशा नाश की जड़ है। नशा व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक व मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में हमें नशे से दूर रहना चाहिए और यदि कोई नशा करता हो तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। आजाद सिंह हिन्दुस्तानी ने कहा कि गांव को ड्रग फ्री घोषित करने के लिए पहुंचे एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन

ने डोभी के शहीद मेजर अनुज राजपूत राजकीय कन्या माध्यमिक स्कूल में पहुंचकर सबसे पहले शहीद मेजर अनुज राजपूत के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने निकाली तिरंगा यात्रा

नूंह। प्रदेश की शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर मेवात के फिरोजपुर झिरका में तिरंगा यात्रा निकाली गई है । हर घर तिरंगा और हर व्यक्ति हाथ में तिरंगा लेकर देखने को मिल रहा है। हम उन वीर शहीदों को इस तिरंगा यात्रा को समर्पित कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाने का काम किया था।इस दौरान सीमा त्रिखा ने कहा कि 14 अगस्त की रात को याद करने के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि 14 अगस्त की रात वह रात थी जिस समय देश बट रहा था और देश में कत्लेआम हो रहा था उस समय देश के बहुत बुरे हालातो से हमारी पीढ़ियां गुजरी थी और हम उन सभी शहीदों को नमन करते हैं। सीमा त्रिखा ने जय हिंद के नारे को स्कूलों में बुलवाने को लेकर कहा कि वही देश आगे बढ़ेगा जिसका युवा उसके लिए समर्पित होगा। अगर हम बच्चों में शुरू से ही देश प्रेम की भावना भरने का काम करेंगे और उनको एहसास दिलाएंगे ।

रेवाड़ी का इलाका सैनिकों की खान, युवाओं में सेना में जाने का बड़ा चाव : डॉ. बनवारी लाल

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा के जनस्वास्थ्य, अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने देश की रक्षा में प्रदेश के सभी जिलों के निवासियों खास तौर पर झज्जर व रेवाड़ी जिलों के लोगों की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा की सेना में इन जिलों के योगदान को जितना सराहा जाए, उतना ही कम है।

मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने गांव दूबलधन में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह व ग्राम पंचायत ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। तिरंगा हमारी आन बान और शान का प्रतीक है। इसी शान को बनाए रखने के लिए हमारे असंख्य वीर जवानों ने अपनी जान की बाजी लगाई है। मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री डॉ बनवारी लाल ने कहा कि झज्जर, रेवाड़ी के साथ ही समस्त दक्षिण हरियाणा सैनिकों की खान है। इस इलाके के हजारों जवान सेना में भर्ती होकर देश की सरहदों पर भारत माँ की रक्षा कर रहे हैं। यहां के लोगों में देश सेवा की भावना कूट कूट कर भरी हुई है। यही कारण है कि सेना में जाने का

काम यहां का युवा बड़े चाव से करता है। हम सबका यही फर्ज बनता है कि शहीदों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है, देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए हर घर तिरंगा फहराना है, जिससे देश प्रेम की भावना को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत चल रही तिरंगा मिशन यात्रा कार्यक्रम देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम है, जिसमें प्रत्येक देशवासी की भागीदारी जरूरी है। इस बीच मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा जन भागीदारी के साथ चलाया जा रहा है। आगामी 14 अगस्त तक प्रतिदिन अलग-अलग विभागों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएंगी। हर व्यक्ति को देशभक्ति से ऐसे कार्यक्रम में बढ़ चढ़ भाग लेना चाहिए ।

मंत्री बनवारीलाल ने शहीद स्मारकों पर पुष्प अर्पित किए। शहीद रोहतास के स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शहीद सूरजमल व ओमप्रकाश के स्मारक पर जागकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस उपरांत शहीद हरेंद्र के स्मारक पर जाकर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एडीसी सलोनी शर्मा, एसडीएम रविंद्र मलिक, डीडीपीओ निशा तंवर, जनस्वास्थ्य विभाग के एसई अमित श्योकंद, दूबलधन के सरपंच जगपाल सिंह, सीडीपीओ सबिता मलिक, कैप्टन सतवीर सिंह, हेड टीचर वेदपाल सिंह, ब्लॉक कॉर्डिनेटर पूनम सैनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा सरकार हर वर्ग का कर रही कल्याण : मूलचंद शर्मा

एजेंसी

जींद। ब्राह्मण समाज द्वारा बनाई गई नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में हरियाणा के उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री मूलचंद शर्मा ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने की। कार्यक्रम में समाज के शिक्षा, खेल, विज्ञान, तकनीक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल रहे मेधावी छात्रों को भी मुख्यअतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

इस असवर पर मुख्यअतिथि मूलचंद शर्मा द्वारा धर्मशाला के विशेष कार्यो के लिए साढ़े छह लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व के कार्यकाल में भी धर्मशाला को 11 लाख रुपये दिये जा चुके है। सम्मान समारोह की शुरुआत मुख्यअतिथि द्वारा भगवान परशुराम के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां सभी समाज के लोग मिलकर रहना पसंद करते है। आज पिल्लूखेड़ा की इस ब्राह्मण धर्मशाला का उद्घाटन कर मैं अपने

आप को गौरवांवित महसूस कर रहा हूं। साथ ही समाज के द्वारा समय-समय पर किये जा रहे सहयोग सामाजिक सहयोग एवं कार्यों के लिए समाज का तहे दिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश व प्रदेश में लगातार कार्य कर रही है। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा व्यवस्था परिवर्तन कर प्रदेश के समावेशी विकास की जो परिकल्पना की गई थी। आज उसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश सरकार का कार्यकाल सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, संवेदनशील व पारदर्शी प्रशासन और अंत्योदय उत्थान का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश के शासन की बागडोर जब पहली बार संभाली थी तो उस समय प्रदेश में निराशा, अविश्वास, कुण्ठा, अवसाद और आक्रोश का माहौल था। हरियाणा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा समाज धीरे-धीरे उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।

तिरंगा यात्रा में युवाओं में उमंग, उत्साह, जोश भरा जज्बा है: जसबीर दोदुआ

सोनीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाईस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने कहा किराष्ट्र भक्ति का जोश देने वाला है।तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों का जोश व जुनून हर भारतवासी में शक्ति का संचार करता है। देश की आजादी के लिए असंख्य जांबाजों ने शहादत दी है। उनकी शहादत को देश याद रखेगा। उनके बलिदान से प्रेरणा लेता रहेगा। हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा प्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल खरखौदा से तिरंगा पदयात्रा के अवसर पर सोनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम पूरे देश भर में किए जा रहे हैं। हमें तिरंगे की आन, बान व शान को कायम रखना है।

Name Change

It is for general information that I, HARDIK MALIK S/o SANDEEP MALIK, R/o 874/3 , Hero Wali Gali, Babra Mohalla, Rohtak, PO: Rohtak, Dist Rohtak, Haryana - 124001, declare that name of mine has been wrongly written as HARDIK in my 10th Class Educational Documents, The actual name of mine is HARDIK MALIK Respectively, which may be amended accordingly.

विनेश मामले पर राजनीति कर रहे हैं भूपेंद्र सिंह हुड्डा - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'एक पेड़ मां के नाम' योजना का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि हुड्डा विनेश फोगाट के मामले में राजनीति कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रावण मास में 'एक पेड़ मां के नाम योजना' की शुरुआत की थी। हरियाणा में भी इस योजना के तहत पेड़ लगाने का काम जारी है। पानीपत में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत निरंकारी अनुयायियों के साथ 20,000 पेड़ लगाकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल करना भी बेहद जरूरी है। इस दौरान उन्होंने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा से पहले कांग्रेस की सरकार थी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने कभी लोगों की ओर ध्यान नहीं दिया। हुड्डा राज में प्रदेश की जनता विकास से वंचित रही। लोगों को प्रताड़ित किया जाता था। लोग हुड्डा के शासनकाल को नहीं भूले हैं। प्रदेश की जनता आने वाले समय में उनको सबक सिखाने का काम करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, 'विनेश फोगाट पर हमें गर्व है। वह हरियाणा की बेटी हैं, जिसने पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है। हम उनके साथ हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा इस मामले पर राजनीति कर रहे हैं। वह कह कह रहे हैं कि विनेश को राज्यसभा भेजना चाहिए। मैं उनको कहना चाहता हूं कि पहले भी देश में गोल्ड मेडल आए हैं, तब तो वो सत्ता में थे। उस समय उन्होंने विजेता खिलाड़ी को राज्यसभा भेजने की बात क्यों नहीं की थी?' आगामी विधानसभा चुनाव पर सीएम सैनी ने कहा, 'जो भी घोषणाएं हो रही है, वह जनता के हित में की जा रही है। भाजपा प्रदेश के हित के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश की जनता के लिए मेरे दरवाजे 24 घंटे के लिए खुले हैं। मैं 24 घंटे जनता की समस्याएं सुनता हूं। प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मुझे खुशी है कि पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधान सेवक के रूप में शपथ ली है।'

जुलाई में 1.31 करोड़ लोगों ने की घरेलू हवाई यात्रा, इंटरनैशनल यात्राएं भी बढ़ीं

पेरिस। पिछले महीने जुलाई में देश में 1.31 करोड़ लोगों ने घरेलू हवाई यात्रा की, जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 8.6फीसदी और कोविड-पूर्व स्तर से 10त्न अधिक है। हालांकि, इस साल जून में 1.32 करोड़ यात्रियों का ट्रैफिक दर्ज किया गया था, जो जुलाई के मुकाबले 0.5फीसदी अधिक था। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 5.3 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 5.2फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। अप्रैल-जून की पहली तिमाही में भारतीय कैरियर्स से 80.5 लाख यात्रियों ने अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 16.7फीसदी अधिक है। यह वृद्धि कोविड-पूर्व की तुलना में 48.7त्न अधिक है, जब 54.1 लाख यात्रियों ने विदेश यात्राएं की थीं। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण हवाई यात्रा के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि और बिजनेस ट्रैवल की तेजी से बढ़ती मूवमेंट है। जुलाई में देश में 91,632 डिपॉर्चर हुए, जो जुलाई 23 से 2फीसदी अधिक। अप्रैल में 1 दिन में रिकॉर्ड 4,70,751 यात्रियों ने यात्रा की। जुलाई में जून 24 की तुलना में यात्री संख्या में 0.5फीसदी की कमी दर्ज की गई, जिसका कारण मॉनसून और स्कूलों का दोबारा खुलना है। जुलाई 24 में हर दिन 2,956 डिपॉर्चर रहे, जो जून 2024 के 3,050 से कम रहे। जुलाई 24 में प्रति उड़ान यात्रियों की औसत संख्या 143 थी, जो जुलाई 2023 में 139 थी लेकिन जून 2024 के 144 से कम रही। घरेलू विमानन उद्योग ने जुलाई 2024 में लगभग 87फीसदी की यात्री लोड फैक्टर (पीएलएफ) पर काम किया, जो जुलाई 2023 के 84फीसदी और जुलाई 2019 (कोविड से पहले के स्तर) के 82त्न से अधिक था। यानी ज्यादा यात्री मिल रहे।

विदेशी उत्पाद खरीदने में भारतीय आगे, 67फीसदी इंडियन्स विदेशी उत्पादों की कर रहे खरीदारी

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहक विदेशी उत्पादों की खरीदारी में सबसे आगे हैं। अवलाय द्वारा प्रकाशित एक सर्वे के अनुसार, भारत में 67फीसदी लोगों ने विदेशी सामान खरीदा है, जबकि अमेरिका में यह आंकड़ा 37फीसदी और ब्रिटेन में 27फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार, 76फीसदी भारतीय उपभोक्ता मानते हैं कि विदेशी उत्पाद देसी उत्पादों की तुलना में बेहतर हैं। 61फीसदी से अधिक उपभोक्ता विदेशी उत्पादों की खरीदारी के लिए प्रमुख ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।

हालांकि, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधी खरीदारी के विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद, केवल 4.8फीसदी उपभोक्ता ही सोशल मीडिया के माध्यम से खरीदारी करते हैं। सर्वे में शामिल देशों में भारत तीसरे स्थान पर है, जो ई-कॉमर्स साइट्स पर निर्भर करता है। इस सर्वे में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों के करीब 8200 उत्तरदाताओं से प्राप्त डेटा का अध्ययन किया गया।

पसंदीदा नंबर प्लेट्स का शौक होगा महंगा, 28फीसदी की दर से जीएसटी लगाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। गाड़ियों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाने का शौक जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28फीसदी की जीएसटी दर लागू करने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम त्नस्ञ्ज दर लगाई जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर त्नस्ञ्ज की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेट्स लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28फीसदी की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। गाड़ियों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं।

भारतीय बाजार में निवेश करने वाले सबसे ज्यादा एफपीआई अमेरिकी

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में निवेश करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) में सबसे अधिक संयुक्त राज्य अमेरिका की हिस्सेदारी रही। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। सेबी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 31 मार्च, 2024 तक, भारत में पंजीकृत एफपीआई की कुल संख्या 11,219 तक पहुंच गई। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है। पिछले साल यह संख्या 11,081 थी। कुल पंजीकृत एफपीआई में से, संयुक्त राज्य अमेरिका के निवेशकों की संख्या सबसे अधिक 3,457 रही। सेबी की रिपोर्ट में विभिन्न देशों के एफपीआई निवेश की जानकारी दी गई है। इसके अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका 3,457 पंजीकृत एफपीआई के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद लक्जमबर्ग (1,393) और कनाडा (804) का नंबर है। रिपोर्ट में एफपीआई के देश-वार वितरण का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। इसमें उनकी एसेट्स अंडर कस्टडी (एयूसी) शामिल है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 70,450 रुपये से लेकर 70,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 64,590 रुपये से लेकर 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज मामूली कमजोरी आई है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 83,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 70,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,440

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 70,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 70,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 70,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 64,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रेलवे ने रक्षाबंधन से पहले 72 ट्रेनें रद्द कीं, 22 के रूट बदले

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने महाराष्ट्र के राजनांदगांव और नागपुर रेलवे स्टेशनों के बीच से गुजरने वाली 72 ट्रेनों को रद्द कर दिया है, क्योंकि विभाग स्टेशनों के बीच तीसरा ट्रैक बिछा रहा है। इस लाइन के निर्माण के लिए

राजनांदगांव-कलमना स्टेशन के बीच बड़े पैमाने पर प्री-इंटरलॉकिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का काम किया जा रहा है। इसके कारण रक्षाबंधन के मौके पर 100 ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। इनमें से करीब 72 ट्रेनें रद्द की गई हैं। 22 का रूट बदला गया है और 6 ट्रेनों का रूट छोटा किया गया है। रेलवे प्रशासन ने इन ट्रेनों को 4 से 20 अगस्त के बीच रद्द किया है। चूंकि रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त को है और यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को अपनी ट्रेनों की स्थिति फिर से जांचने की जरूरत है। रेलवे राजनांदगांव और नागपुर स्टेशनों के बीच 228 किलोमीटर की तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के लिए करीब 3,540 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि अंतराट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन ब्रेंड क्रूड

0.16 डॉलर यानी 0.20 फीसदी की उछाल के साथ 79.82 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.29 डॉलर यानी 0.33 फीसदी बढ़कर 77.13 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

हिंडनबग रिपोर्ट: डानी समूह के शेयरों में 7फीसदी की गिरावट, शेयर बाजार में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में इस बार सेबी चीफ मधबी बुच को लेकर कई खुलासे किए है। रिपोर्ट में दावा किया कि सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की बरमूडा और मॉरीशस स्थित ऑफशोर फंडों में हिस्सेदारी है, जिसके बाद अडानी समूह के शेयरों में 7फीसदी तक की गिरावट आई।

शेयरों में गिरावट

अदाणी समूह की सूचीबद्ध सभी 10 कंपनियों के शेयर में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अदाणी एनर्जी के शेयर में सबसे अधिक 17 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई।

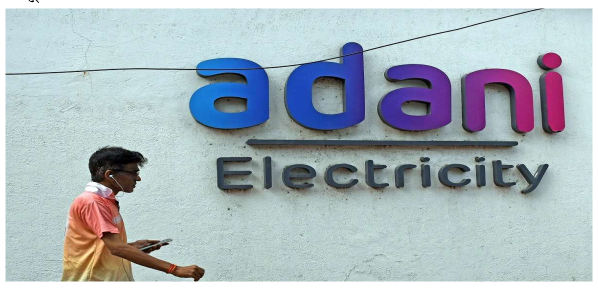

बीएसई सेंसेक्स पर सूचीबद्ध अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत, एनडीटीवी में 11 प्रतिशत और अदाणी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत और एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

करदाताओं को धमकाने की जगह मार्गदर्शन का नजरिया अपनाएं आयकर अधिकारी: रवि अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय 'डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने' का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भारत में आयकर व्यवस्था के 164 वर्ष पूरे होने पर कर अधिकारियों को 'विवेकपूर्ण' दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

सीबीडीटी प्रमुख ने हाल ही में 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन वीडियो संवाद सत्र 'द चेयरमैन स्पीक्स' के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि कर विभाग में 'बदलावकारी' परिवर्तन हुए हैं, प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप 'प्रवर्तन और विरोधात्मक' विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है जो गैर-हस्तक्षेपकारी कर प्रशासन के माध्यम से कर अनुपालन में सहायता करता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रत्यक्ष कर श्रेणी के तहत राजस्व बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 65 करोड़ पैन और 8.5 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए।

भेल को दामोदर घाटी निगम से 1,600 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना का ठेका मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल को दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) से 1,600 मेगावाट की परियोजना का ठेका मिला है। भेल ने बयान में कहा, इस 1600 मेगावाट कोडरमा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट (एसटीपीपी) को अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली (आईसीबी) के जरिये हासिल किया गया। कोयला आधारित इकाई झारखंड के कोडरमा जिले में ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) आधार पर स्थापित की जाएगी। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग व विनिर्माण कंपनियों में से एक है।

फोकस्ड म्यूचुअल फंड की संपत्ति में 31 फीसदी इजाफा, अधिकतम 30 शेयरों में निवेश करने की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सीमित शेयरों में निवेश करने वाले फोकस्ड म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 31 फीसदी बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गया है। फोकस्ड म्यूचुअल फंड एक तरह का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो सीमित या कम संख्या में शेयरों में निवेश करता है। सेबी की तरफ से फोकस्ड फंड को अधिकतम 30 शेयरों में निवेश करने की अनुमति देने के दिशानिर्देश हैं।? आंकड़ों से पता चलता है कि इन्वेस्को इंडिया फोकस्ड फंड, महिंद्रा मनुलाइफ फोकस्ड फंड, जेएम फोकस्ड फंड और एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड जैसे कुछ फोकस्ड फंड ने पिछले साल में 40-60 फीसदी तक रिटर्न दिया है। आनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी फिरोज अजीज ने कहा, एयूएम में यह बढ़ोतरी पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के विकल्प के रूप में फोकस्ड फंडों के आकर्षण को दर्शाती है आयात बढ़ने से घरेलू स्टील की कीमतें घटकर तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं। हॉट रोल्ड कॉयल की कीमतें घटकर 51,000 रुपये टन पर पहुंच गई हैं। अप्रैल, 2022 में यह 76,000 रुपये के शीर्ष पर थी। बिगमिंट की रिपोर्ट के अनुसार, कोल्ड रोल्ड कॉयल्स की कीमत इस समय 58,200 रुपये प्रति टन है। अप्रैल, 2022 में यह 86,300 रुपये थी।

एक्सपर्ट्स ने खारिज की हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, एएमएफआई ने भी दी नजरअंदाज करने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप और सेबी के चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप जरूर लगाए गए हैं लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स ने इस रिसर्च रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट ने आज कारोबार की शुरुआत में शेयर बाजार पर मामूली असर जरूर डाला था लेकिन शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में ही बाजार ने रिकवरी शुरू कर दी थी। बाजार की रिकवरी का सबसे अहम कारण हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में विश्वसनीयता की कमी होना बताया जा रहा है।

एडलवाइज फाइनेंशियल एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के चीफ एनालिस्ट मोहन सुतार का मानना है कि हिंडनबर्ग के किसी भी आरोप में कोई दम नहीं है। इसके पहले भी इस अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म की कथित रिसर्च रिपोर्ट की वजह से घरेलू शेयर बाजार को काफी झटका लग चुका है। पहले भी हिंडनबर्ग ने अपनी

रिसर्च रिपोर्ट के बाद बाजार में बने पैनिक का फायदा उठाते हुए जमकर शॉर्ट सेलिंग की थी। इसके पहले भी यह कंपनी 18 बार अपने अलग-अलग रिसर्च रिपोर्ट के जरिए दुनिया की अलग-अलग कंपनियों को निशाना बनाती रही है और शॉर्ट सेलिंग करके बड़ा मुनाफा कमाती रही है। मोहन सुतार का कहना है कि हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट की वजह से भी भारतीय निवेशकों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा था। इसलिए अब भारतीय निवेशक इस शॉर्ट सेलर फर्म की नीतियों के प्रति सतर्क हो चुके हैं। यही कारण है कि आज बाजार में शुरुआती गिरावट के बावजूद थोड़ी ही देर में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली।

मोहन सुतार की तरह ही राठी सिक्योरिटीज एंड फंड्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र राठी का कहना है कि निवेशकों को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए, क्योंकि हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों पर सेबी के चेयरपर्सन और अडानी ग्रुप दोनों ने अपनी सफाई दे दी है। इस सफाई से स्पष्ट है कि हिंडनबर्ग ने सतही जानकारी के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है और उसके जरिए भारतीय बाजार में एक बार फिर पैनिक बनाने की कोशिश की है। अलग-अलग एक्सपर्ट्स की तरह ही एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने भी एक बयान जारी करके कहा है कि हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए आरोप भारत के कैपिटल मार्केट को नीचा दिखाने की एक कोशिश है। इस रिपोर्ट के जरिए देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक तरक्की को भी नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। अपनी रिपोर्ट जारी करके हिंडनबर्ग ने सिर्फ घरेलू शेयर बाजार में सनसनी फैलाने की कोशिश की है, जिससे कि पहले की तरह ही भारतीय बाजार में हड़कंप जैसा माहौल बनाया जा सके। एएमएफआई के बयान में कहा गया है कि भारत ने एक रेगुलेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, जो न केवल ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस और स्टैंडर्ड के मुताबिक काम करता है बल्कि ये छोटे निवेशकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है और उनके विश्वास को भी बनाए रखता है। एएमएफआई की ओर से कहा गया है कि हिंडनबर्ग के आरोप देश की आर्थिक उपलब्धियों को बदनाम करने की कोशिश हैं। इसलिए इन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए।

ग्लादेश की 80फीसदी आय गारमेंट इंडस्ट्री से, अत्यधिक निर्भरता के कारण महंगाई का संकट बढ़ा

एजेंसी

ढाका। पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, खासकर गारमेंट निर्यात के कारण। इस क्षेत्र पर ध्यान देने से देश का विकास तेजी से हुआ और करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकले लेकिन इस सप्ताह शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के साथ बांग्लादेश को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी की समस्याएं बढ़ गई हैं और गारमेंट इंडस्ट्री पर अत्यधिक निर्भरता ने संकट को गहरा कर दिया है। बांग्लादेश की 80 प्रतिशत से अधिक आय गारमेंट निर्यात से आती है। महामारी के बाद गारमेंट की मांग में गिरावट आई, जिससे बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति और भी कठिन हो गई है।

अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अर्थव्यवस्था को सुधारने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। कनाडा के बैलिसिले इंटरनेशनल अफेयर्स स्कूल के साद हमादी का कहना है कि कानून का शासन और जवाबदेह सरकार की बहाली अत्यंत आवश्यक है।

1980 से आर्थिक सुधार और गारमेंट इंडस्ट्री

1980 से पहले बांग्लादेश में आर्थिक सुधार शुरू हुए थे और गारमेंट इंडस्ट्री की केंद्रीय भूमिका बनी रही लेकिन 2009 में शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद, देश का ध्यान केवल गारमेंट इंडस्ट्री पर केंद्रित हो गया और दुनियाभर के बाजारों में बांग्लादेश के निर्यात का विस्तार हुआ। सस्ते परिधानों ने Zara और H&M जैसे फास्ट फैशन ब्रांड्स सहित ग्लोबल

क्लॉथिंग रिटेलर्स का ध्यान खींचा। इस मांग से लाखों लोगों, खासकर महिलाओं को काम मिला। हसीना ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी निवेश किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भरोसा हुआ कि बांग्लादेश पर निर्भर रहा जा सकता है। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप में बांग्लादेश मामलों के सलाहकार थॉमस कीन कहते हैं, स्थिरता ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। वे कहते हैं, यदि वर्कर्स की हड़ताल, बिजली कटौती और अन्य कारण चलते रहे तो बांग्लादेश को गारमेंट सेक्टर में विदेशी बिजनेस नहीं मिलेगा।

महामारी के बाद समस्याएं

महामारी के बाद जब गारमेंट एक्सपोर्ट पटरी पर लौटा तब बांग्लादेश कई अन्य समस्याओं का सामना कर रहा था। नौकरशाही की ढील और टैक्स चुकाने में लोगों की अनिच्छा के कारण बांग्लादेश में टैक्स संग्रह काफी कम है। इस वजह से सरकार के पास साधनों की कमी है। बांग्लादेश की विकास दर अब भी अच्छी है, लेकिन आय में असमानता बहुत ज्यादा है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश के डायरेक्टर इफ्तिखार जमां कहते हैं, प्रधानमंत्री के निकट समझे जाने वाले कई बिजनेसमैन द्वारा मनी लॉन्डरिंग करने और कर्ज लेने में धोखाधड़ी ने भी सरकार के प्रति असंतोष के बीज बोए हैं।

महामारी के बाद से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाने लगी

दस साल से अधिक समय तक बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से दौड़ती रही। कई बार तो विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रही। इसमें गारमेंट एक्सपोर्ट की अहम भूमिका रही है। महामारी से दुनियाभर में कपड़ों की मांग कम हो गई थी। यूक्रेन पर रूस के ह हमले ने सप्लाई चेन को अस्त-व्यस्त कर डाला। दूसरे देशों से खाद्य आयात महंगा हो गया। ईंधन के मूल्यों में काफी बढ़ोतरी हुई। एक सेक्टर पर निर्भरता के कारण दूसरे स्रोतों से बांग्लादेश को इतनी अधिक आय नहीं थी कि आयातट का बिल चुकाया जा सके। महंगाई बेकाबू हो गई। कमजोर करेंसी को सहारा देने के लिए बांग्लादेश ने विदेशी मुद्रा भंडार को खाली कर दिया। उसे 2022 में मजबूर होकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेना पड़ा।

जनवरी 2025 से मासिक शहरी श्रम बल सर्वेक्षण शुरू, सैंपल साइज में कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। सांख्यिकी मंत्रालय जनवरी 2025 से मासिक शहरी श्रम बल सर्वेक्षण जारी करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य रोजगार से जुड़े डेटा संग्रह और वितरण की आवृत्ति बढ़ाना है। हालांकि, इसके लिए सैंपल साइज में काफी कमी की जाएगी।

क्या बदल रहा है

वर्तमान में शहरी PLFS तिमाही आधार पर जारी की जाती है लेकिन इसमें समय लगने के कारण इसे नीति निर्माताओं के लिए उतना उपयोगी नहीं माना जाता। नए नियमों के तहत, अब यह सर्वेक्षण हर महीने किया जाएगा लेकिन सैंपल साइज घटाकर 45,000 से कम किया जाएगा ताकि समय पर पूरा किया जा सके।

सर्वेक्षण की स्थिति

जनवरी-मार्च 2024 में, 44,598 घरों और 169,459 लोगों का सर्वेक्षण किया गया था, जो पिछले तिमाही सर्वेक्षणों के समान था। मासिक सर्वेक्षण के लिए, NSSO कम से कम 70फीसदी घरों का सर्वेक्षण करने की कोशिश करेगा। यदि टीम की संख्या बढ़ाई जाती है और प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग किया जाता है, तो अधिक घरों का सर्वेक्षण किया जा सकता है।

मौजूदा मासिक बेरोजगारी डेटा को सीएमआईई के डेटा से उद्धृत किया जाता है लेकिन इसकी सर्वेक्षण विधि अलग होने के कारण इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं।

सीएमआईई व्यक्ति को कामकाजी मानता है अगर वह सर्वेक्षण के दिन या एक दिन पहले किसी आर्थिक गतिविधि में शामिल है, जबकि क्क्रुस्न व्यक्ति को कामकाजी मानता है अगर वह सर्वेक्षण से एक सप्ताह पहले किसी गतिविधि में शामिल रहा हो। सैंपल साइज में कमी से शहरी बेरोजगारी का सटीक चित्र नहीं मिल सकता लेकिन राज्यों के स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। त्वरित विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए मासिक डेटा प्राप्त करना आवश्यक है।

मर्दों के बेजान, कमजोर शरीर में घोड़े जैसी ताकत भर देगी ये 1 चीज, खाते ही आएगी नई जान, इनफर्टिलिटी भी होगी दूर, डेली ऐसे खाएं

खानपान सही से ना हो तो शारीरिक कमजोरी आना लाजमी है. स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हर तरह के पोषक तत्वों का जाना जरूरी है. हर दिन उन चीजों का सेवन करना भी जरूरी है, जो आपको भरपूर एनर्जी देते हैं. थकान दूर करते हैं. पुरुषों की बात करें तो वे दिन भर शारीरिक और मानसिक रूप से मेहनत करते हैं. सुबह घर से ऑफिस के लिए निकलते हैं तो देर रात तक घर लौटते हैं. ऐसे में पौष्टिक चीजों का सेवन दिन भर ना किया जाए तो शारीरिक कमजोरी होगी है. यदि आपको भी थकान, कमजोरी, लो एनर्जी, मांसपेशियों में दर्द, ताकत की कमी महसूस हो रही है तो आप कुछ दिनों के लिए खजूर का सेवन (khajoor benefits for men) करके देखें. खजूर खाना पुरुषों के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है.

खजूर में मौजूद पोषक तत्व और सेवन का तरीका

खजूर में ढेरों पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हेल्दी बॉडी के लिए बेहद जरूरी हैं. इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम, फाइबर, सेलेनियम, कॉपर, विटामिन ए, बी6, के, कैल्शियम, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट आदि गुण होते हैं. खजूर की तासीर ठंडी होती है. यदि आप सुबह ऑफिस निकलने से पहले नाश्ते में खजूर खाएं तो दिन भर एनर्जेटिक फील करेंगे. आप इसे दूध के साथ उबाल कर भी सुबह या रात में सोने से पहले खा सकते हैं. आप खजूर को पानी में भिगोकर भी खा सकते हैं. इसे ओट्स, स्मूदी, शेक, स्वीट डिश में भी मिक्स कर सकते हैं.

1. मेडिकलन्यूजटुडे में छपी एक खबर के अनुसार, चूहों पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार, चूहों को जब खजूर खिलाया गया तो उनमें बांझपन (infertility) के लक्षणों को कम पाया गया. शोधकर्ताओं के अनुसार, भविष्य में होने वाली स्टडी में बांझपन के इलाज के लिए खजूर को कितनी मात्रा में लेना उचित है, इसकी पहचान करने का प्रयास किया जाना चाहिए. हालांकि, खजूर के उपयोग से संबंधित कोई सिफारिश करने से पहले मनुष्यों में प्रजनन क्षमता पर खजूर के प्रभावों पर और अधिक शोध करने की आवश्यकता है.

2. कुछ स्टडी में ये बात भी सामने आई है कि यदि आप लगातार खजूर का सेवन करते हैं तो आपकी सोचने की क्षमता बेहतर हो सकती है. आपको बढ़ती उम्र में अल्जाइमर रोग होने का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है. ऐसे में पुरुषों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए.

3. खजूर में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीटेंड्स होते हैं, जो क्रोनिक डिजीज को कम करने में काफी हद तक कारगर साबित हो सकते हैं. फ्री रैडिकल्स के कारण होने वाले ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं. ये ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस ही खास क्रोनिक कंडीशन जैसे डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर डिजीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज आदि का कारण बनता है. खजूर में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो क्रोनिक कंडीशन में सुधार ला सकती हैं.

4. आप नहीं चाहते हैं कि कम उम्र में ही बूढ़े नजर आने लगें तो खजूर का सेवन कर सकते हैं. शोधकर्ताओं का कहना है कि खजूर युक्त क्रीम लगाने से त्वचा की नमी, लचीलापन, ब्राइटनेस बरकरार रहती है. साथ ही खजूर त्वचा पर उम्र बढ़ने के प्रभाव को कम कर सकता है. आप इसके नियमित सेवन से भी स्किन को हेल्दी रख सकते हैं.

5. खजूर में मौजूद डायटरी फाइबर मोटापा, डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर रोगों से सुरक्षित रखते हैं. साथ ही फाइबर युक्त फूड्स के सेवन से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक से संबंधित समस्याएं जैसे कब्ज, अल्सर, कोलोन कैंसर आदि के होने के जोखिम को कम कर सकते हैं.

आखिर भारतीय उपमहाद्वीप में कब तक थमेंगी सांप्रदायिक व जातीय हिंसा की घटनाएं

कहते हैं न कि नीतियां जब नरम होती हैं, तो अराजक तत्व हावी हो जाते हैं। राजतंत्र के कब्र पर पनपा समकालीन लोकतंत्र इसका जीता-जागता उदाहरण है। हाल के दिनों में बांग्लादेश में हुई हिन्दू विरोधी हिंसा, पाकिस्तान व अफगानिस्तान में जारी हिन्दू विरोधी उत्पीड़न व हिंसा की अगली कड़ी है। यूँ तो भारत के कश्मीर, केरल और पश्चिम बंगाल आदि में भी जब तब कुछ ऐसा ही हो जाता है, जिस पर काबू पाने में भारतीय प्रशासन भी सियासी वजहों से लगभग असहाय नजर आता है। गोया, इन घटनाओं से साफ है कि इन देशों में पुलिस या सैन्य प्रशासन का भय अपराधी या गिरोहबाज प्रवृत्ति के लोगों में नहीं है। ऐसा इसलिए कि सांप्रदायिक व जातीय वजहों से कुछ सुरक्षाकर्मी-पुलिसकर्मी भी प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से ऐसी नृशंस घटनाओं को शह देते आये हैं। वहीं, सिविल प्रशासन पर भी अमूमन सियासी वजहें हावी रहती हैं, जिसके चलते भीड़ की बेलगाम हिंसा को रोकने वाला न तो कोई माई-बाप है और न ही ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई सामूहिक दंड विधान मौजूद है, जिसका भय इनके दिलोदिमाग में बना रहे।

इसलिए मेरे जेहन में यही सवाल उठता है कि आखिर भारतीय उपमहाद्वीप में कब तक थमेंगी सांप्रदायिक व जातीय हिंसा की ऐसी बर्बर आदिम युगीन घटनाएं? इस बदत्तर स्थिति के लिए भारतीय, पाकिस्तानी या बांग्लादेशी हुक्मरान कितने जिम्मेदार हैं? वहीं, दुनिया के थानेदार मतलब अमेरिका, चीन और रूस आदि भी आखिर क्यों नहीं चाहते इन बर्बर घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक? शायद इसलिए कि लोकतांत्रिक सियासत में वोट बैंक के जुगाड़ के लिए ऐसी निर्लज्ज व जघन्य घटनाओं की ब्रेक के बाद पुनरावृत्ति जरूरी है! तभी तो न तो मुगलिया सल्तनत में, न ब्रितानी हुकूमत में और न ही आजाद भारत-पाकिस्तान-बंगलादेश में ऐसी लोमहर्षक घटनाओं पर कोई मजबूत लगाम लग सकी? तो क्या इन देशों का संविधान, संसद और सर्वोच्च न्यायालय इन सबकी खुली इजाजत देता आया है! यदि नहीं तो इन वारदातों के खिलाफ कितने स्वतः संज्ञान लिए गए। यहां की संसदों-विधानमण्डलों में कितनी सकारात्मक बहसें हुईं और उसके क्या सकारात्मक परिणाम निकले। क्या कोई जनरक्षक कानून बन पाया या विधि-व्यवस्था की विफलता के लिए किसी की जिम्मेदारी (सामूहिक ही सही) तय की जा सकी। जवाब होगा, शायद अब तक तो नहीं। तो फिर सवाल यही कि आजादी के इतने सालों बाद तक भी क्यों नहीं?

क्योंकि मुगलों और अंग्रेजों पर तो फूट डालो शासन करो के आरोप लगाए गए, लेकिन भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश आदि में बैठे %काले अंग्रेजों,% जिनमें नेता-नौकरशाह दोनों शामिल हैं, ने क्या किया? जवाब होगा- हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई को सम्प्रदाय में बांटने के लिए अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद चलाना और हिन्दू समाज को जातियों में बांटने के लिए आरक्षण को अनैतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और नख से सिख तक ब्राह्मणवाद-बनियावाद को कोसते रहने के शिवाय कुछ भी नहीं! आखिर यह कौन नहीं जानता कि परस्पर कई युद्ध लड़ चुके इन देशों की राजनीति में जहां पाकिस्तान-बांग्लादेश की सियासत भारत और हिन्दू विरोध के ऊपर चलती आई है। वहीं भारत की सियासत मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू हितों की हिफाजत के नाम पर चमकती आई है। बावजूद इसके, कहीं आतंकी हिंसा, कहीं नक्सली हिंसा, कहीं गिरोह वार, कहीं जातीय हिंसा और कहीं साम्प्रदायिक हिंसा ही इन देशों की नियति बन चुकी है। यहां का पुलिस प्रशासन और मिलिट्री प्रशासन इन उपद्रवियों के समक्ष लाचार नजर आता है।

आप मानें या न मानें, लेकिन इस कबीलाई लोकतंत्र, जहां सुशासन के तमाम प्रयास विफल साबित प्रतीत हो रहे हैं, को अब पूंजीवाद से खतरा है। क्योंकि अपने दीर्घकालिक लाभ के वास्ते हथियार बेचते रहने की गरज से ये कहीं भी अमन-चैन रहने देना नहीं चाहते हैं! इनकी नीतियां जनद्रोही हैं, जिसे ये न्यू वर्ल्ड आर्डर करार देकर हम पर थोपना चाहते हैं। इनकी डिजिटल सोच सुविधाजनक पर रोजगार घाती है। इनका तकनीकी प्रेम विकासपरक लेकिन मानवता के लिए विनाशक है। इनकी नई आर्थिक नीति लूट-खसोट के अलावा कुछ भी नहीं!

यदि आप गौर करें तो रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष, चीन-ताइवान विवाद, भारत-पाक क्षद्म युद्ध के बाद बांग्लादेश का हिन्दू विरोधी जिहाद कोई संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग है और इसे समझने की जरूरत है। कभी नेपाल, कभी म्यांमार, कभी श्रीलंका, कभी मालदीव, कभी अफगानिस्तान, कभी ईरान आदि जगहों पर घटित अपेक्षित, अनपेक्षित घटनाओं का असर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ता है, जो वैश्विक महाशक्तियों के लिए सुस्वादु तरबूज प्रतीत होता है। इसलिए वो अपना हिस्सा पाने के लिए तरह तरह के तिकड़म भिड़ाते-भिड़वाते रहते हैं।इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जनतांत्रिक प्रशासन में न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के मजबूत रहते हुए और खबरपालिका के सजग रहते हुए भी आखिर ऐसी नृसंश वारदातें क्यों नहीं थम पा रही हैं? आखिर इससे किनका हित सध रहा है और उसे कबतक सधने दिया जाएगा? ये बातें सभ्य समाज के लोगों की नींद में खलल डाल रही हैं। इसलिए अब सबके जेहन में यह बात सुलग रही है कि यदि तमाम वैज्ञानिक व तकनीकी विकास के बावजूद समकालीन शासन यदि मानव समुदाय को सुरक्षा और सुव्यवस्था देने में विफल रहता है तो फिर उसके होने या न होने का मतलब क्या रह जाता है? लिहाजा, शांति व सुव्यवस्था के सवाल पर अब सार्वजनिक बहस होनी चाहिए और करो या मरो का फैसला लेना चाहिए।

भारतीय उपमहाद्वीप, जिसमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव आते हैं, की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि भारत अपने बड़े भाई के तौर पर सख्त नहीं, बल्कि लचीला रुख अपनाने का आदी/अभ्यस्त रहा है। इसलिए तो हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर क्रमशः हिंदुस्तान और पाकिस्तान नामक दो देश तो बन गए, लेकिन कुछ मुस्लिम यहां रह गए और कुछ हिन्दू वहां रह गए। यही अब कोढ़ में खाज मानिंद लग रहे हैं। आंकड़े चुगली करते हैं कि हिंदुस्तान में मुस्लिम आबादी तो बढ़ती रही, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिन्दू आबादी घटती चली गई। आखिर ऐसा क्यों, यह पूछने का साहस भारतीय नेतृत्व के पास नहीं है और न ही जवाबी कार्रवाई करने की हिम्मत। अन्यथा हिंदुओं का उत्पीड़न पाकिस्तान और बांग्लादेश में कभी नहीं होता! भारत को अपने पड़ोसी देशों को साफ साफ बता देना चाहिए कि यदि हिन्दू हितों की हिफाजत नहीं कर सकते तो अपने अपने दूतावास भारत से समेट लो। फिर भी यदि उत्पात नहीं थमता तो सर्जिकल स्ट्राइक या सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहिए। इतना ही नहीं, भारतीय धर्मनिरपेक्षता को तबतक के लिए समाप्त कर देना चाहिए, जबतक कि पाकिस्तान-बांग्लादेश का भारत में विलय नहीं हो जाए। यह सब कोई मजबूत इरादे वाला राजनेता ही करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक अवसर है कि महात्मा गांधी की दुविधाओं से ग्रसित धर्मनिरपेक्षता को समाप्त करके भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करें, क्योंकि यह हिंदुओं के हिस्से वाला भारत है। इसके साथ ही मुगलिया व ब्रितानी अत्याचारों के तमाम प्रतीकों को ध्वस्त करें। यह सब पंडित नेहरू के समय में ही हो जाना चाहिए, लेकिन अब यदि नरेंद्र मोदी भी इसे करने में चूक गए तो इतिहास उन्हें भी कतई माफ नहीं करेगा।आप मानें या न मानें, पर आततायियों को उनकी मांद में ठोक देना ही राजधर्म है, लेकिन रक्तरंजित न्यायपालिकाएं इसे अनुचित ठहराएँगी। यहां पर मैं रक्तरंजित न्यायपालिकाएं की उपमा इसलिए दे रहा हूँ, क्योंकि संविधान की संरक्षक संस्थाओं के तौर पर ये अपनी ऐतिहासिक भूमिकाओं के निर्वहन में सर्वथा विफल प्रतीत होती आई हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और सामाजिक असुरक्षा के लिए इनकी नीतियां व निर्णय भी जिम्मेदार हैं। ये कानून तोड़ने के नाम पर ये किसी को फांसी या आजीवन कारावास की सजा तो दे देती हैं, लेकिन जब प्रशासनिक विफलताओं के चलते जनसंहार या अत्याचार-अनाचार होता है तो इसमें शामिल भीड़ व हाथ पर हाथ धरे बैठे प्रशासनिक हुक्मरानों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर उन्हें दंडित करने का माकूल प्रयास इन्होंने कभी किया ही नहीं, अन्यथा ऐसा असुरक्षित माहौल कदापि नहीं दिखता।

यहां पर मैं भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि में घटित सांप्रदायिक दंगों, जातीय उन्मादों, अंतहीन आतंकी वारदातों, अंडरवर्ल्ड गिरोहों की कारिस्तानियों की संख्या गिनाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, बल्कि यह सिर्फ बताने या आगाह करने की कोशिश कर रहा हूँ कि अपनी सुरक्षा के लिए सरकार और प्रशासन के भरोसे बैठना सबसे बड़ी मूर्खता है। इसलिए खुद ही ऐसे उपाय ढूंढने होंगे जिससे जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ साथ बहुसंख्यक भी सुरक्षित रह सकें।

संपादकीय

यूनुस से उम्मीदें

शेख हसीना के नाटकीय ढंग से बांग्लादेश छोड़ने के बाद अराजकता व हिंसा का जो तांडव चलता रहा है, उसके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया की जिम्मेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को मिलना नई उम्मीदें जगाता है। यह आने वाला वक्त बताएगा कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस निर्विवाद लोकप्रियता के बावजूद अराजक बांग्लादेश को कितनी जल्दी सामान्य बना पाते हैं। निश्चित रूप से उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले यूनुस मौजूदा हालात में एक बेहद विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। यहां तक कि हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलनरत छात्र नेताओं ने ही उनके नाम की सिफारिश इस जिम्मेदारी के लिये की थी। यह अच्छी बात है कि उन्होंने कहा कि देश मे हिंसा व अशांति रहने से यह दूसरी आजादी निरर्थक साबित हो सकती है। वहीं उन्होंने भारत से बेहतर रिश्तों की भी जरूरत बतायी है। साथ ही उन्होंने आंदोलनकारियों को लगातार जारी हिंसा के क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर भी चेताया है। जाहिर है यूनुस की प्राथमिकता तात्कालिक रूप से सामान्य स्थिति की बहाली, कानून और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने तथा कमजोर व अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा तय करना होगी। बांग्लादेश तथा विश्व में मिले सम्मान व विश्वास से अर्जित अधिकार का वे कितने प्रभावशाली ढंग से उपयोग अराजकता समाप्त करने में कर पाते हैं, इसी बात पर उनकी सफलता निर्भर करेगी। निस्संदेह, बांग्लादेश में निरंकुश शासन से उपजे असंतोष ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब यूनुस जैसे प्रगतिशाली व उदार व्यक्ति के हाथ में कमोबेश सत्ता की बागडोर आना निश्चित रूप से भारत के भी हित में होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत सरकार भी इस रचनात्मक परिवर्तन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाएगी। जाहिर है आने वाले दिनों में उनका नेतृत्व ही तय कर सकेगा कि बांग्लादेश कट्टरपंथियों व सेना के चंगुल से मुक्त होकर एक नई शुरुआत की ओर बढ़ सकेगा।निश्चित रूप से एक कार्यवाहक सरकार के मुखिया के रूप में यूनुस से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आकांक्षा को पूरा करने, नेताओं को जवाबदेह बनाने, प्रतिशोध की राजनीति की समाप्ति, सेना व चरमपंथियों की निरंकुशता पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि हसीना सरकार के कार्यकाल में यूनुस को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सौ से अधिक मुकदमों का सामना किया। यही वजह है कि उन्हें आंदोलनकारियों ने मार्गदर्शक बनाने पर जोर दिया था। बहरहाल, फिलहाल, भारत की गंभीर चिंताएं अपने नागरिकों व बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश में लंबे समय तक अस्थिरता भी हमारे लिये चिंता की बात होगी। ऐसे में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से सहयोग करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत विरोधी राजनीतिक दलों, सेना व कट्टरपंथियों के दबाव के बावजूद उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया है। निश्चित रूप से नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति वाले देश में अंतरिम सरकार का बनना एक सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि यूनुस कितनी जल्दी देश को उथल-पुथल से निकालकर उसे सामान्य स्थितियों की ओर ले जा सकते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस व्यापक विश्वसनीयता के बूते अपने देश में अमन-चैन कायम कर पाएंगे। अपने आर्थिक मॉडल से गरीबों को गरीबी के दलदल से निकालने वाले मुहम्मद यूनुस की रचनात्मक पहल ने उन्हें देश में व्यापक जनाधार दिया है। इतना ही नहीं दुनिया के सौ से अधिक देशों में उनके मॉडल पर आधारित ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली का अनुकरण किया जा रहा है। विश्वास किया जाना चाहिए कि प्रगतिशील सोच वाले यूनुस के प्रयासों से बांग्लादेश अपनी तेज आर्थिक विकास दर को फिर से हासिल कर सकेगा। हालांकि, देखना होगा कि सेना, राष्ट्पति, कट्टरपंथी रुझान वाले राजनीतिक दलों व जमात से मुकाबला करते हुए मुहम्मद यूनुस कैसे दबाव मुक्त हो पाते हैं।

समझना होगा नौकरियों के पारिस्थितिकीय यथार्थ को

एकमात्र उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नीचे से ऊपर तक विकसित करके राज्य की अर्थव्यवस्था को विकसित करना है। इसके लिए एकमात्र रास्ता है सामूहिक उद्यमशीलता संरचना के निर्माण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कई कम पूंजी आधारित गतिविधियों के विकास के आधार पर ग्रामीण युवाओं के लिए स्थायी रोजगार और आय का सृजन।आज भारत के सामने विकास की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लाखों बेरोजगारों को अच्छी नौकरियां मुहैया कराना, खास तौर पर ग्रामीण भारत में। यह भी स्पष्ट है कि कॉर्पोरेट पूंजी के बड़े निवेश पर निर्भर %ट्रिकल डाउन% अर्थव्यवस्था में अडिग विश्वास के साथ %सामान्य रूप से व्यवसाय% प्रतिमान इन नौकरियों को बनाने में विफल रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि कॉर्पोरेट पूंजी की रोजगार लोच बहुत कम है, जबकि नौकरियों की मांग बहुत तेज गति से बढ़ रही है। कई कारणों से निजी पूंजी का निवेश नहीं हो रहा है, जिसमें एक तरफ घरेलू बाजार के आकार के विस्तार की कमी की ओर इशारा करने वाले संरचनात्मक मुद्दे शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की निरंतर कम खपत मांग है, तो दूसरी तरफ नीति के प्रति निजी क्षेत्र की दुविधा और भारत की विकास गाथा के प्रति संदिग्ध प्रतिबद्धता है।सार्वजनिक क्षेत्र भी पर्याप्त नौकरियां नहीं बना सकता। भले ही सभी पीएसयू और सरकारी रिक्तियों को भर दिया जाए, लेकिन नौकरी की समस्या का समाधान कहीं नहीं है। यह और भी गंभीर होने वाली है, विशेष कर ग्रामीण भारत में, जहां बार-बार सूखा और बाढ़ आती रहती है, और इसलिए कृषि क्षेत्र अनिश्चित प्रदर्शन वाला बना हुआ है।

शिक्षित बेरोजगारों को समग्र रूप से देखते हुए नौकरियों की चुनौती को अलग रंग में देखा जा सकता है, विशेष रूप से देश के ग्रामीण इलाकों में फैले लोगों को। ये युवा अब अक्सर कम पेशेवर इनपुट के साथ अजीबोगरीब स्थिति में स्थानीय नौकरियों में आंशिक रूप से स्व-नियोजित हैं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, कम पूंजी वाले उद्यमशीलता उपक्रमों का समर्थन करने और परिदृश्य को बदलने के लिए नए रास्ते खोल सकते हैं। यह कम पूंजी आधारित लेकिन कुशल स्थानीय विकास प्रक्रिया की क्षमता है। यह प्रक्रिया तथाकथित %आला संरचना% को देखकर सामूहिक उद्यमशीलता संरचना जैसे नए मॉडल के माध्यम से रोजगार सृजन के वैकल्पिक तरीके की मांग करती है।

आला संरचना मूल रूप से एक पारिस्थितिक सिक्का है जो प्रजातियों के सह-अस्तित्व को समझाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में आया था। सिद्धांत रूप में, एक-दूसरे को बाहर करने की उनकी प्रवृत्ति के बावजूद- आला संरचना में अंतर सह-अस्तित्व को स्थिर करने वाले कारकों के रूप में कार्य करते हैं। प्रजातियां अपने आप में आला संरचना बनाकर पर्यावरण को बदल सकती हैं और ऐसा करके, उक्त प्रजाति अपने आप विकसित होती है, लेकिन दूसरों को भी प्रभावित करती है। इसके साथ ही परिवर्तन और विकास को भी प्रेरित करती है।इस लेखक ने हाल ही में अपनी पुस्तक %रूटलेज इंडिया% के अध्याय %डीपनिंग डेमोक्रेसी% में विशिष्ट संरचना के निर्माण के माध्यम से विकेंद्रीकृत स्तर पर रोजगार सृजन में इस पर चर्चा की है, जिसमें कहा गया है कि %उचित संरचनात्मक परिवर्तन लाने के लिए देश के बहुसंख्यक लोगों के जीवन की भौतिक स्थितियों की गहरी समझ के आधार पर रोजगार सृजन का एक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य आवश्यक है।

आर्थिक संदर्भ में समुदाय के भीतर से स्वयं संगठित विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए एक नई सामूहिक उद्यमशीलता संरचना या सामूहिक उद्यम प्रणाली एक आला संरचना की तरह काम करती है। इस तरह की संरचना विनिर्माण, प्रसंस्करण, मरम्मत, निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, व्यापार, विपणन, व्यवसाय आदि जैसी सभी प्रकार की गतिविधियों में असंख्य संबद्ध उत्पादकों के स्व-संगठनों को जन्म दे सकती है। वे सामूहिक उद्यम हैं (व्यक्तिगत स्वामित्व नहीं), लेकिन पारंपरिक अर्थों में महत्वपूर्ण रूप से सहकारी भी नहीं हैं। वे कम पूंजी आधार के साथ काम करते हैं और मुख्यधारा की आर्थिक संरचना के अनुलग्नक के रूप में नहीं, सापेक्ष स्वायत्तता बनाए रखते हैं। यह श्रमिकों की सहकारी समितियों का एक नया आविष्कार है। श्रमिकों का एक स्वतंत्र निर्माण, न कि सरकार या बड़ी पूंजी के संरक्षण में। यह राज्य का समर्थन भी ले सकता है लेकिन पूरी तरह से सचेत रहते हुए कि यह उसके द्वारा शासित नहीं है। यहां, श्रमिक स्वयं मालिक हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई व्यक्ति भौतिक संसाधनों के उपयोग और रोजगार सृजन को किस तरह से मापता है। उत्पादन प्रक्रियाओं और सेवाओं को हरित प्रौद्योगिकी के साथ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। ये छोटे पैमाने के उद्यम हैं, लेकिन ऊर्जा-कुशल, गैर-प्रदूषणकारी और समुदाय-उन्मुख हैं। इनमें हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश के माध्यम से स्थानीय रोजगार सृजित करने की क्षमता है। कृषि, प्राकृतिक, मानव और पशु संसाधनों से युक्त स्थानीय संसाधन आधार से पारंपरिक रूप से समझी जाने वाली चीजों से कहीं अधिक स्व-प्रबंधित सामूहिक उद्यमशीलता गतिविधियों की विविधताओं को खोलने के लिए व्यापक गुंजाइश प्रदान करने की उम्मीद है।इस महत्वाकांक्षी योजना को बहु-चरणीय मॉडल के तहत तैयार किया गया है, जिसकी शुरुआत जिला परिषद में जनप्रतिनिधियों, तकनीकी विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों की समिति से होती है। इसके बाद स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र और संसाधन आधार पर नई उद्यमशीलता गतिविधियों के लिए कई कृषि जलवायु क्षेत्रों को चिन्हित करने का काम आता है। प्राकृतिक, कृषि तथा पारंपरिक कुशल मानव संसाधनों के अलावा प्रशिक्षित कुशल मानव संसाधनों, बेरोजगार शिक्षित युवाओं, पशु संसाधनों और उनके उप-उत्पादों, विनिर्माण, सेवा व प्रसंस्करण और व्यापार की स्थिति, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, प्राथमिक विद्यालय से लेकर कोचिंग सेंटर तक की शैक्षणिक सेवाएं, मरम्मत कार्य, कृषि विपणन की स्थिति, पशुओं एवं उनके उप-उत्पादों के विपणन की स्थिति को शामिल करते हुए संसाधन मानचित्रण का काम करना होगा।गतिविधियों के अच्छे संकेत के साथ सरकार को परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए जिसमें उपयुक्त प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएफटी आरआई), केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर), कृषि विश्वविद्यालयों या किसी अन्य तकनीकी-वैज्ञानिक संस्थानों जैसे वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी संस्थानों को शामिल किया जाना चाहिए। मूल उद्देश्य यह पता लगाना है कि इस संबंधित %पारिस्थितिक% क्षेत्र में कौन सी नई उत्पाद प्रसंस्करण या सेवा लाइनें आ सकती हैं और प्रस्तावित उद्यमशीलता सम्बन्धी गतिविधियों, कृषि और गैर-कृषि दोनों के लिए कौन सी उपयुक्त तकनीक की आवश्यकता है।

आपूर्ति और मांग पक्ष से व्यवहारिकता का अध्ययन, सामूहिक गठन में शामिल होने के इच्छुक बेरोजगार युवाओं की पहचान तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी प्रणाली में बीज पूंजी का निवेश और प्रबंधन किया जाएगा। भले ही प्रारंभिक निवेश आंशिक रूप से सरकार द्वारा किया जाता है, यह सस्ते ऋृण के रूप में हो सकता है। यह केवल इस स्तर पर है कि लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम इस सामूहिक उद्यम में शामिल होने के इच्छुक लोगों पर गुणात्मक प्रभाव डालेंगे। कौशल विकास के लिए राज्य के पास उपलब्ध बुनियादी ढांचा यहां पूरी क्षमता से काम कर सकता है।

इसका एकमात्र उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नीचे से ऊपर तक विकसित करके राज्य की अर्थव्यवस्था को विकसित करना है। इसके लिए एकमात्र रास्ता है सामूहिक उद्यमशीलता संरचना के निर्माण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कई कम पूंजी आधारित गतिविधियों के विकास के आधार पर ग्रामीण युवाओं के लिए स्थायी रोजगार और आय का सृजन। यहीं पर हम भारत सरकार द्वारा अपने बजट में किए गए वादे के अनुसार रोजगार सृजन योजनाओं की अत्यधिक उपयोगिता पा सकते हैं।राष्ट्रीय बजट में प्रावधान की गई नयी रोजगार सृजन योजनाओं में व्यवहार में इस मॉडल को विश्वसनीयता प्रदान करने के कारण हैं। यह बढ़ती खपत मांग का एक महत्वपूर्ण स्रोत साबित होगा (विशेष रूप से जब छोटे और मध्यम उद्यमों में पिछले कुछ वर्षों से लगातार गिरावट देखी जा रही है), जिसकी कमी निवेश प्रवाह और इसी कारण से रोजगार और रोजगार सृजन को बाधित कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था जो निम्न स्तर के संतुलन के जाल में फंस गई है, तब खुद को बाहर निकालने का रास्ता खोज सकती है।

घर पर ही करें मेनीक्योर-पैडीक्योर

चेहरे के साथ-साथ शरीर की साफ-सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। खासकर हाथ-पैर की। हाथ-पैर की त्वचा, कोमल और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए समय- समय पर मेनीक्योर और पैडीक्योर करवाना चाहिए लेकिन बिजी शैड्यूल के चलते पार्लर जाने का समय नहीं मिलता। वैसे भी महंगाई के जमाने में पार्लर जाना काफी महंगा पड़ता है। ऐसे में चिंता करने की जरूरत नहीं आप घर पर ही मेनीक्योर-पैडीक्योर कर हाथों-पैरों को खूबसूरत बना सकते हैं। इसमें आपका ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा।

हाथ-पैर की सफाई के आसान टिप्स

गर्म पानी में थोड़ा सा नमक डालकर हाथ-पैर डुबोने से भी उनकी अच्छी से सफाई हो जाती है लेकिन डेड स्किन को निकालने के लिए उसमें स्क्रबिंग, लोशन और क्रीम की जरूरत पड़ती है।

- नींबू के रस में गुलाब जल मिलाकर हाथों पर लेप लगा सकते हैं। इससे हाथ की त्वचा मुलायम होगी।

-चीनी और तेल को स्क्रबर के तौर पर इस्तेमाल करें। इससे हाथ-पैर की त्वचा मुलायम हो जाएगी। मेनीक्योर के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। घर से बाहर जाने से 20 मिनट पहले हाथों पर भी सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

- 1 चम्मच शहद, 1 अंडे (पीले भाग के बिना) और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर हाथ-पैरों में लगाएं। फिर 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से हाथ पैर धो लें।

-गर्म पानी में नमक, मेडिकेटेड हैंडवॉश और ग्लिसरीन डालकर पैरों को 20 मिनट तक उसमें डुबो कर रखें। उसके बाद फुट स्मूदर और मसाजर से एड़ियों को अच्छे से रगड़ें। अच्छी तरह स्क्रब करने के बाद उन पर फुट क्रीम लगाएं और पैरों पर पतला पॉलिथिन चढ़ाकर जुराबे पहनें।

- गर्म पानी में आधा चम्मच हाइड्रोजन पैरोक्साइड डालें और 5-6 मिनट तक पैरों को डूबोकर रखें। फुट स्क्रब क्रीम से 5 मिनट स्क्रबिग करें। बाद में पैर धोकर पोंछ लें। बाद में कोल्ड क्रीम लगाकर 3 से 5 मिनट मालिश करें।

-नाखूनों साफ करने के लिए नेल ब्रश का इस्तेमाल करें और शेप देने के लिए फाइलर और नेल कटर की मदद लें। याद रखें ये बात मेनिक्योर-पैडीक्योर से हाथ और पैर की त्वचा मुलायम होती है और सारी गंदगी निकल जाती है लेकिन ध्यान रहें कि मेनिक्योर निश्चित अवधि में ही करवाया जाए। ज्यादा मेनिक्योर-पैडीक्योर करवाने से भी हाथ-पैर की प्राकृतिक चमक-दमक गायब हो जाती है।

मोती जैसे सफेद दांत पाना चाहते हैं तो अपनाएं ये टिप्स

खिल-खिलाती मुस्कान किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। खूबसूरत मुस्कान के पीछे हमारे दांतों की अहम भूमिका होती है। यह सिर्फ खाना खाने में ही मददगार नहीं होते बल्कि इससे हमारी पर्सनैलिटी को नई पहचान मिलती है लेकिन अगर दांत पीले हों तो पर्सनैलिटी पर बुरा असर भी पड़ता है। पानी में मौजूद कैमिकल्स ,तंबाकू और कलर्ड फूड्स के ज्यादा इस्तेमाल से दांतों में पीलापन आ जाता है। इन्हें चमकाने के लिए बाजार से आपको ढेरों प्रॉडक्ट्स मिल जाएंगे लेकिन उनमें मौजूद कैमिकल्स से मसूड़ों को नुक्सान पहुंचता है। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे दांत तो मोतियों जैसे सफेद होंगे बल्कि इसके साथ-साथ वह मजबूत भी बनेंगे।

- खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें

सबसे पहले तो अपने खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें। ऐसे फल और सब्जियां खाएं जिसे चबाने की जरूरत पड़े। दूध से बनने वाले उत्पादों का सेवन ज्यादा करें क्योंकि उसमें कैल्शियम होता है जो दांतों के लिए बहुत जरूरी है। चाय कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। धूम्रपान से दूर रहें।

- तुलसी

तुलसी मुंह और दांतों के रोग से बचाती है। इससे दांत का पीलापन भी दूर होता है। तुलसी के पत्तों को धूप में सुखाकर पाऊडर बना लें फिर टूथपेस्ट में मिलाकर नियमित ब्रश करें।

- नमक और सरसों का तेल

नमक और सरसों के तेल से दांत चमकाने का नुस्खा काफी पुराना है। बस चुटकी भर नमक में 2-3 बूंदें तेल की मिलाकर दांत साफ करें।

- नीम

नीम में दांत सफेद बनाने और बैक्टीरिया खत्म करने के लाजवाब गुण पाए जाते हैं। रोजाना नीम की दातून से दांत साफ करें।

- स्ट्रॉबेरी

स्ट्रॉबेरी में मैलिक एसिड मौजूद होता है, जो एक नैचुरल व्हाइटनिंग एजैंट है जो स्लाइवा के प्रॉडक्शन को बढ़ाकर दांतों को सफेद बनाता है। एक स्ट्रॉबेरी को मैश कर लें और टूथब्रश की मदद से दांतों पर हल्के से रगड़ें और 5 मिनट बाद अच्छी तरह धो लें। ऐसा हते में एक बार जरूर करें।

- संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तें

संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाऊडर बना लें। ब्रश करने के बाद इस पाऊडर से दांतों पर हल्के से रोजाना मसाज करें।

- नारियल, तिल या जैतून का तेल

नारियल, तिल या जैतून के तेल से दांत साफ करना आयुर्वेदिक तरीका है। एक चमच में नारियल तेल लेकर इसे मुंह व दांतों में लगाएं।

- बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा पीले दांतों को सफेद बनाने का सबसे अच्छा घरेलू तरीका है। ब्रश करने के बाद थोड़ा-सा बेकिंग सोडा दांतों पर धीरे-धीरे रगड़ें। दांतों पर जमी पीली परत साफ हो जाएगी।

- नींबू का रस

एक नींबू का रस निकालकर उसमें समान मात्रा में ही पानी मिला लें। खाने के बाद इस पानी का कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांतों का पीलापन और सांसों की दुर्गंध दूर हो जाती है।

गर्दन का कालापन दूर करने के लिए घरेलू उपचार

चेहरे की खुबसूरती के साथ-साथ गर्दन का सुन्दर होना भी बहुत ज़रूरी है। लोग इस पर ध्यान नहीं देते। ज़्यादातर इसे नजंर अंदाज किया जाता है। गर्मियों में गर्दन का कालापन, सन टैनिंग या सनबर्न आम समस्या है। इसलिए आज हम आपको गर्दन का कालापन दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपचारों के बारे में बताएगें। तो आइए जानते हैं ये घरेलू उपचार.....

- **नींबू और गुलाबजल** रात को सोने से पहलें आप घर पर नींबू का रस और गुलाबजल मिला कर रूई की मदद से गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। सुबह होते ही इसे साफ पानी से धो लें।

- **शहद** नींबू और शुद्ध शहद को एक समान मिला कर 20-25 मिनट तक गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। बाद में पानी से साफ कर लें और देखे कि गर्दन का कालापन कुछ हद तक साफ हो जाएगा।

- **हल्दी पावडर** चुटकी भर हल्दी को 1 चम्मच नींबू के रस में मिला कर 20 मिनट तक लगाएं। जब यह सूख जाए तो पानी से साफ कर लें।

- टमाटर

गर्दन का कालापन दूर करने के लिए टमाटर और नींबू के रस को समान मात्रा में मिला कर दिन में दो बार गर्दन पर लगाएं। बाद में पानी से साफ कर दें।

- जैतून तेल और शहद

गर्दन की डेड स्किन को हटाने के लिए और त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए थोड़ा सा नींबू का रस, जैतून के तेल की कुछ बूंदें और 1 चम्मच शहद को मिला कर 30 मिनट लग लगा कर रखें और मसाज करें। मसाज करने के बाद पानी से साफ कर लें।

सौंदर्य में निखारने पाने के लिए इस्तेमाल में लाए यह साबुन

आजकल ऐलोवेरा का ज्यादातर इस्तेमाल सौंदर्य को बरकरार रखने के लिए किया जाता है। ऐलोवेरा प्रकृति का वरदान है। यह रूखी, बेजान, दागदार त्वचा के साथ-साथ मुंहासों, सोरायसिस आदि त्वचा की समस्या को दूर करने में भी मदद करता है। इसके रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है। कई बार त्वचा के जलने पर और त्वचा का कालापन दूर करने के लिए भी एलोवेरा का रस लगाया जाता है। सौंदर्य में निखार पाने के लिए आप एलोवेरा का फेस पैक भी बना कर लगा सकते हैं। इसलिए आज हम आपको सौंदर्य में निखार लाने के लिए एलोवेरा साबुन बनाने के बारे में बताएगें। इसे आप घर पर बहुत ही आसानी से बना सकते हैं। तो आइए जानते हैं साबुन बनाने की विधि और सामग्री।

1 किलो ऐलोवेरा साबुन बनाने की सामग्री

- ऐलोवेरा का पल्प 110 ग्राम
- कास्टिक सोडा 110 मिली
- जैतून का तेल 750 मिली
- पानी 250 मिली
- आवश्यक तेल

ऐलोवेरा साबुन बनाने के विधि :-

1. इस साबुन को बनाने के लिए पहले एलोवेरा, ऑलिव ऑयल, पानी, कास्टिक सोडा और साबुन में खुशबू डालने के लिए आवश्यक तेल लें।
2. ध्यान में रखें कि साबुन को बनाने के लिए खुली और हवादार जगह हों। साथ ही साबुन बनाने समय हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें।
3. इसके बाद पानी को उबाल कर प्लास्टिक कंटेनर या बालटी में डाल लें और इसमें कास्टिक सोडा मिला कर मिक्स करें व ठंडा होने के लिए रख दें।
4. जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो चाकू की मदद से ऐलोवेरा को काटें और उसका पल्प निकाल लें।
5. अब इस पल्प को मैश करें और ऑलिव ऑयल को माइक्रावेव में गर्म करें।
6. जब ऑलिव ऑयल ठंडा हो जाए तो इसमें जैतून का तेल मिलाएं और ऐलोवेरा को मिलाएं।
7. आप इसमें अच्छी खुशबू पाने के लिए लैवेंडर, गुलाब आदि मिला सकते हैं।
8. जब यह सारा मिक्स हो जाएं तो बड़े और गहरे सांचे में डालें और ठोस होने के लिए रख दें।
9. जब यह ठोस हो जाए तो इस ऐलोवेरा साबुन को टुकड़ों में काट लें।

बाद में इन टुकड़ों को ठोस हेने के लिए 15-30 दिनों तक रख दें। बाद में इसका इस्तेमाल कर लें।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिंटेड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले बॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

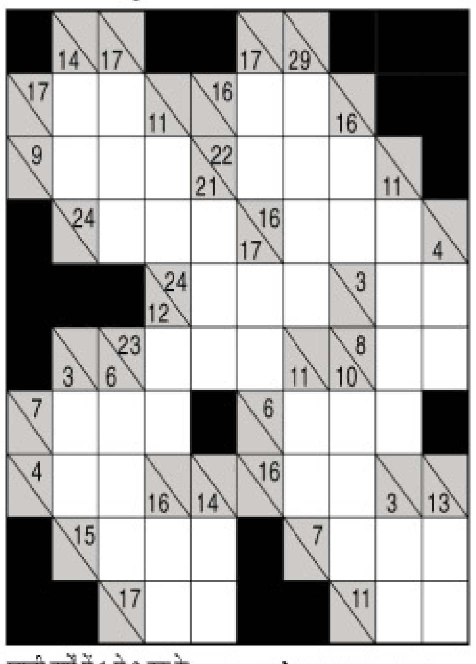

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 → 1 2 3 4 6
23 ↓ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -4082 का हल

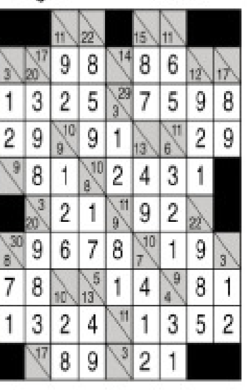

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

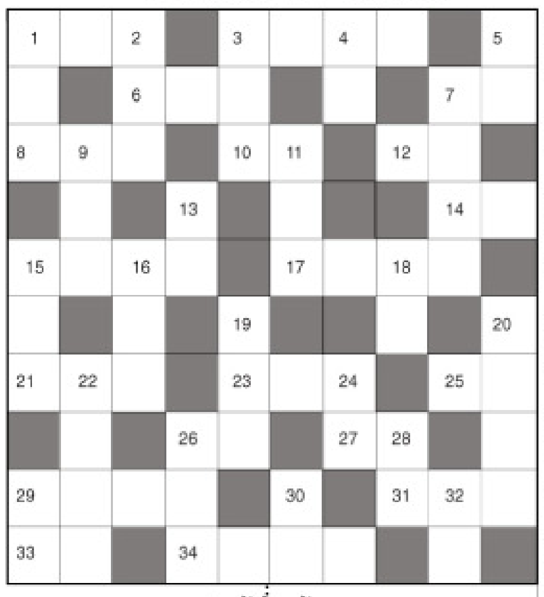

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरुख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
[illegible]	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4083

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सर्द,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा-2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरूर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा-2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

	य	ती	म	खा	ना		ब	हा	दु	र
क	ह		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	य	सै	म		र	मा		हा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क			सी	
र	खा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		य
का	न	न		र	म		ब	र	सा	त
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	क		म		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

बांग्लादेश सीमा पर मिला तीन साल पहले गोरखपुर से लापता हुआ गणित शिक्षक, गांव में जश्न का माहौल

कोलकाता। बांग्लादेश से लगे पेट्रापोल सीमा पर तनाव के बीच एक दिल छू लेने वाली घटना सामने आई है। तीन साल से लापता गणित शिक्षक अमित कुमार आखिरकार अपने परिवार से मिल गए हैं। वे कभी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बारगो गांव में अपनी शिक्षण प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध थे। उन्हें पागलपन की स्थिति में पाया गया, जब वह पेट्रापोल सीमा पर एक टूटी हुई पेड़ की शाखा के साथ मिट्टी में गणित के सवाल हल कर रहे थे।अमित कुमार, जो अपने गांव के 312 बच्चों को 14 साल तक मुफ्त गणित की शिक्षा देते रहे, अचानक से लापता हो गए थे। तीन साल से उनका कोई पता नहीं था। उनकी मां और गांववाले उन्हें हर जगह खोज चुके थे लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पेट्रापोल सीमा पर शिरीष के पेड़ों के पास एक युवक को देखकर स्थानीय लोगों को कुछ अजीब लगा। युवक को मिट्टी में गणित के सवाल हल करते देख उन्होंने उससे सवाल किया तो उसने हिंदी में जवाब दिया, आपको कोई तकलीफ है? मुझे छोड़ दीजिए, मुझे मैथ्स सॉल्व करना है। यह मामला पेट्रापोल थाने के आईसी उत्पल दास तक पहुंचा।

उत्तर बंगाल में छह कांवड़ तीर्थयात्रियों की सड़क हादसे में मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बागडोगरा के मुनि चाय बागान इलाके में सोमवार सुबह सड़क हादसे में छह कांवड़ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। यह हादसा 31 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। यह श्रद्धालु भगवान शंकर का जलाभिषेक करने के लिए पैदल जंगलीबाबा मंदिर जा रहे थे। रास्ते में एक बेकाबू कार ने इनको चपेट में ले लिया। हादसे में कुछ अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। श्रावण मास का अंतिम सोमवार होने के कारण बिहार के सुजापुर से बाबाधाम के तीर्थयात्रियों को लेकर आ रही कार के चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार पैदल जा रहे कांवड़ियों को को टक्कर मारते हुए पास के नाले में जा गिरी। पुलिस ने घायलों और शवों को अस्पताल पहुंचाया। अभी तक किसी की पहचान नहीं हो सकी है।

असम के कोकराझार में सड़क हादसा, पांच बोलबम कांवड़ तीर्थयात्रियों की मौत

कोकराझार। असम के कोकराझार जिले के गोसाईगांव सब डिवीजन अंतर्कगत चुगांव में आज सुबह सड़क हादसे में पांच बोलबम कांवड़ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर चोट आई है। इन लोगों को एक वाहन ने चपेट में लिया। चार लोगों की मौके पर और एक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। यह हादसा गोसाईगांव के कचुगांव महामाया मंदिर के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुआ। यह लोग पूजा करने के बाद अपने बोलेरो पिकअप में चढ़ रहे थे। तभी एक ट्रक ठोकर मारने के बाद रफूचक्कर हो गया।सूचना मिलते ही गोसाईगांव सब-डिविजन के पुलिस अधिकारी हिरण कुमार डेका और कचुगांव पुलिस के जवान घटनास्थल पर पहुंचे। शवों को कोकराझार भेजा गया है। घायल को पुलिस ने कचुगांव प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया है।

स्वदेशी एलसीए मार्क-2 की उड़ान 2026 तक होगी, 2029 तक होगा उत्पादन

नई दिल्ली। भारत ने उन्नत लड़ाकू विमानों की स्वदेशी योजना में हो रही देरी की समीक्षा के बाद लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-2 और एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) की पहली उड़ानों का ऐलान किया है। अब तय किया गया है किएलसीए तेजस मार्क-2 मार्च, 2026 तक उड़ान भरना शुरू कर देंगे और 2029 तक इनका पूर्ण पैमाने पर उत्पादन होने की उम्मीद है। इसी तरह पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए का बड़े पैमाने पर उत्पादन 2035 के लिए निर्धारित किया गया है। देश की सबसे महत्वपूर्ण हवाई परियोजनाओं में देरी को देखते हुए हाल ही में डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना की एक उच्च स्तरीय बैठक में स्वदेशी लड़ाकू विमानों के उत्पादन की समय सीमाओं पर चर्चा की गई। बैठक में डीआरडीओ प्रमुख डॉ समीर वी कामतऔर वायु सेना के डिप्टी चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 4.5 पीढ़ी के तेजस मार्क-2 और पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए परियोजना की समीक्षा की। चर्चा के दौरान माना गया कि इंजन समझौतों से जुड़ी फंडिंग के कारण इनके विकास में देरी हुई है। उन्नत लड़ाकू विमानों के लिए भारत की योजना पर समयावधि तय की गई कि भारत 2029 तक एलसीए मार्क-2 जेट विमानों का उत्पादन शुरू करेगा। इसी तरह 2035 तक 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए का उत्पादन शुरू करेगा।

पेरिस ओलंपिक के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय दल के प्रयासों की सराहना की, कहा-देश को उन पर गर्व

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 के समापन के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार देर रात तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने वाले कई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि देश को उन पर गर्व है। समापन समारोह के साथ, पेरिस ओलंपिक संपन्न हो गया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक के समापन के अवसर पर, मैं खेलों के माध्यम से पूरे भारतीय दल के प्रयासों की सराहना करता हूं। सभी एथलीटों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और हर भारतीय को उन पर गर्व है। हमारे खेल नायकों को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल 6 पदक के साथ 71वें स्थान पर रहा, जिसमें एक रजत पदक और पाँच कांस्य पदक रहे। भारतीय दल में 117 एथलीट शामिल रहे। मनु भाकर ने इन खेलों

में भारत के लिए पहला पदक (कांस्य) जीता और ओलंपिक निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में एक और कांस्य जीता और एक ही ओलंपिक संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। सरबजोत के साथ उनका पदक निशानेबाजी में देश का पहला टीम पदक भी था। स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीता, जो एक ही ओलंपिक में इस खेल में भारत का सबसे बड़ा पदक है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में कांस्य पदक हासिल करके टोक्यो 2020 की अपनी सफलता को दोहराया। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर अपनी ओलंपिक विरासत को और बढ़ाया और भारत के सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपियन बन गए।अमन सेहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बनने के साथ ही पदक तालिका में अपना नाम शामिल कर लिया। इन उपलब्धियों के बावजूद, भारत को पेरिस 2024 में काफी निराशाओं का सामना करना पड़ा। देश छह संभावित पदकों से चूक गया, जिसमें लक्ष्य सेन, मीराबाई चानू और मनु भाकर सहित एथलीट अपने स्पर्धाओं में चौथे स्थान पर रहे, जो तीसरा पदक हासिल करने के करीब थे।

फारूक अब्दुल्ला ने किया सेना की कुर्बानी का अपमान - भाजपा

एजेंसी

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी के नेता आरएस पठानिया ने नेशनल कांफ्रेंस के नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने बयान से सेना की कुर्बानी का अपमान किया है।

भाजपा नेता ने कहा कि, भारतीय सेना ने देश की रक्षा व सीमाओं को हमेशा सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन फारूक अब्दुल्ला द्वारा दिए गए बयान से सेना समेत पूरे देश का अपमान हुआ है। दरअसल, फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि सैकड़ों की संख्या में ड्रग्स और उग्रवादी कहां से आ रहे हैं। बयान पर बढ़ते बवाल के बाद उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया और तर्क दिया कि अगर घुसपैठ हो रही है, तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि बॉर्डर पर सेना की भारी तैनाती है, इसके बावजूद भारी मात्रा में घुसपैठ हो रही है और ड्रग्स की तस्करी की जा रही

है। ऐसे में सवाल है कि सेना की भारी तैनाती के बावजूद ऐसा कैसे संभव है?हमारी बर्बादी में सब मिले हुए हैं।

हिंडनबर्ग के प्रति कांग्रेस की निष्ठा भारत की प्रगति के समक्ष खतरा - तमिलनाडु भाजपा

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता और वरिष्ठ पार्टी नेता ए.एन.एस. प्रसाद ने कहा कि अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट और लेखों पर कांग्रेस के रुख व शॉर्ट-सेलिंग फर्म के प्रति उसकी निष्ठा के कारण कई सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले पर अमेरिकी फर्म की रिपोर्ट पर भरोसा करते हुए राहुल गांधी के बयानों ने भारत के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ झूठी कहानियां गढ़ीं और गलत सूचना फैलाई। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी की भारतीय उद्योगपतियों के बारे में बेबुनियाद टिप्पणियों ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से विदेशी एजेंसियों के लिए प्रॉक्सी के रूप में काम करना बंद करने और भारतीय लोगों के प्रति वफादारी दिखाने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेबी की जांच में कोई गड़बड़ी नहीं पाए जाने के बावजूद हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक नया लेख जारी कर हलचल मचा दी है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के उद्देश्य से हिंडनबर्ग रिसर्च की वेबसाइट पोस्ट और लेखों के पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिशों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रसाद ने कहा कि भारत के शेयर बाजार नियामक सेबी ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की गहन जांच की और उन्हें गलत पाया।

भाजपा नेता ने कहा कि हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट से निश्चित तौर पर व्यावसायिक घराने को बदनाम करने की कोशिश की गई। हिंडनबर्ग रिसर्च से भारतीय शेयर बाजार में हलचल मचने की आशंका है। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता ने केंद्र सरकार से यह जांच करने की भी अपील की कि क्या किसी विदेशी कंपनी ने हिंडनबर्ग रिसर्च के मार्गदर्शन में राहुल गांधी की यात्राओं और कांग्रेस को चुनावी फंड के लिए गुप्त फंडिंग की थी।

जयपुर में बारिश से तबाही : सीवरेज का पानी घरों और अस्पतालों में घुसा, सड़कें धंसीं

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर शाम तक जारी रहा। कभी मूसलाधार तो कभी मध्यम और हल्की बारिश होती रही। लागातार हो रही बारिश ने शहर के हालात बिगाड़ दिए। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक 2.5 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर के कई हिस्सों में सीवरेज का पानी घरों और अस्पतालों में घुस गया। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए और कई जगह सड़कें धंस गईं, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। बारिश के अलर्ट के मद्देजनजर जयपुर, दौसा में स्कलों में 12 अगस्त को छुट्टी की घोषणा कर दी गई। मुख्यमंत्री भजनलाल ने भी आपदा प्रबंधन को लेकर बैठक ली।

घरों में घुसा सीवरेज का पानी, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा

परकोटा क्षेत्र में सीवरेज का पानी घरों में घुस गया, जिससे लोग बुरी तरह से प्रभावित हुए। कुछ लोगों को अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी। सुभाष चौक इलाके में सड़कों पर इतना पानी भर

गया कि वह नदी जैसा बहने लगा। यहां के घरों में भी 1 से 2 फीट पानी घुस गया, जिससे घरेलू सामान खराब हो गया।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि उनके घर की ऊंचाई सड़क से तीन फीट अधिक होने के बावजूद पानी घर में घुस गया। वहीं, राकेश मेहरा ने कहा कि सड़क की ऊंचाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे हर बारिश में घरों में पानी घुसने की समस्या आम हो गई है।

अस्पताल में भरा सीवरेज का पानी, मरीज परेशान

जेएलएन मार्ग पर स्थित जेकेलोन अस्पताल में भी स्थिति गंभीर हो गई, जहां सीवरेज का पानी अस्पताल के परिसर में घुस गया। इमरजेंसी वार्ड, आईसीयू और ग्राउंड फ्लोर पर पानी भरने से मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी हुई। पानी की वजह से आईसीयू, सोनोग्राफी वार्ड और एक्स-रे रूम में संक्रमण का खतरा बढ़ गया। हालांकि, कुछ समय बाद अस्पताल के अंदर भरे पानी को साफ करवा दिया गया और सुरक्षा के लिहाज से मिट्टी के कट्टे रखवाए गए।

जलमहल का पानी सड़क तक पहुंचा, पर्यटन प्रभावित

जलमहल का पानी पाल को पार कर सड़क तक आ गया, जिससे सड़क पर लगभग 2 फीट पानी भर गया। इस वजह से जलमहल के पास लगने वाले ठेले पानी में डूब गए और पुलिस ने बड़ी चौपड़ से जलमहल जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया। बारिश के कारण यहां घूमने आए पर्यटक भी फंस गए और ठेले वालों का काम पूरी तरह से ठप हो गया।

जयपुर घूमने आए पर्यटकों ने बताया कि उन्होंने जलमहल से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी, लेकिन भारी बारिश के कारण वे वहीं फंस गए। ठेले वालों को चिंता थी कि कहीं उनका ठेला पानी में बह न जाए, और वे भी पानी भरने के कारण अपना सामान हटा नहीं सके।

इंटरनेशनल ट्रेड शो, यूपी की ब्रांडिंग का बेहतरीन अवसर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 से 29 सितंबर के बीच यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रेड शो आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के प्रमुख विभागों को निर्देश दिया है कि वो कार्यक्रम में अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करें।

उन्होंने कहा कि यह प्रदेश की ब्रांडिंग का बेहतरीन अवसर है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, और कल्चर' का पूरी दुनिया साक्षात्कार करेगी। इसका दूसरा संस्करण 'सोर्सिंग का अद्वितीय मंच' थीम पर आधारित होगा।उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में बड़े उद्योग, आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्ट अप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा,

नवीकरणीय ऊर्जा, ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिर्माताओं और निर्यातकों के लिए वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा। इसे भव्य स्वरूप देने में कोई कसर न रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड शो के सफल आयोजन में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग प्रोत्साहन एवं आंतरिक व्यापार विभाग और एमएसएमई मंत्रालय की ओर से अपेक्षित सहयोग मिल रहा है। अधिकाधिक देशों में तैनात भारतीय राजदूतों/उच्चायुक्तों से लगातार संवाद बनाते हुए और अधिक विदेशी खरीदारों, उद्यमियों, कंपनियों को आमंत्रित किया जाए। यह मल्टीसेक्टोरल ट्रेड शो हमारे स्थानीय उद्यमियों, उत्पाद और शिल्प को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने में बड़ा सहायक बनने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस साल ट्रेड शो में 'वियतनाम' पार्टनर देश के रूप में सहयोग कर रहा है। ट्रेड शो में वियतनाम का प्रतिनिधिमंडल उपस्थित होगा। वियतनाम के उच्च कोटि के उत्पाद ट्रेड शो में प्रदर्शित किए जाएंगे। साथ ही, वियतनाम की सांस्कृतिक मंडली का भी प्रदर्शन होगा। आगंतुकों को वियतनाम और भारतीय व्यंजनों का लुत्फ भी मिल सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अनेक देशों से लोग इस आयोजन के प्रति उत्साहित हैं और इसमें शामिल होने आ रहे हैं। ऐसे में इसकी महत्ता के दृष्टिगत आयोजन में सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न राज्यों में रोड शो आयोजित किए जा सकते हैं।

केदारनाथ में एयर फोर्स ने रेस्क्यू ऑपरेशन किया पूरा, 200 से अधिक लोगों की बचाई जान

एजेंसी

देहरादून इंडियन एयर फोर्स द्वारा केदारनाथ में चलाया जा रहा बचाव अभियान पूरा हो गया। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ के समीप बादल फटने से विनाशकारी भूस्खलन हुआ था। पहाड़ी क्षेत्र में हुए इस भूस्खलन के कारण यहां आए श्रद्धालु फंस गए थे। करीब 10 दिन तक भारतीय वायु सेना ने यहां एक बड़ा बचाव अभियान चलाया, इसके तहत 200 से अधिक व्यक्तियों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित निकाला गया। फिलहाल, ऑपरेशन समाप्त होने के बावजूद एयर फोर्स ने अपने एक हेलीकॉप्टर को अभी भी स्टैंडबाय पर रखा है।वायु सेना के मुताबिक गौरीकुंड से 218 व्यक्तियों को बचाया गया, यहां बादल फटने से विनाशकारी भूस्खलन हुआ था, इससे तीर्थयात्री फंस गए थे। दस दिवसीय ऑपरेशन में इंडियन एयर फोर्स के एमआई-17 वी5 और चिनूक हेलीकॉप्टरों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए, बूढ़े, घायलों और बीमार लोगों को निकाला। इसके अलावा यहां फंसे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए वायु सेना ने 6 टन से अधिक राहत सामग्री हवाई मार्ग से पहुंचाई। एयरफोर्स के मुताबिक अभी भी यहां एक चिनूक स्टैंडबाय पर है, जबकि एमआई-17 वी5 को हटा दिया गया है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया गया कि भारतीय वायु सेना ने उत्तराखंड के केदारनाथ में कई दिन तक चला अपना बचाव अभियान पूरा कर लिया है।

कोलकाता डॉक्टर रेप मर्डर केस - दोषियों को सजा की मांग तेज, परिवार को सौंपी गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के सरकारी हॉस्पिटल में पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले पर कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत कुमार गोयल ने बताया कि ज्वाइंट सीपी क्राइम ने मृतका के परिवार से आज भी मुलाकात की है। परिवार वालों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि छात्रों के सवालों का जवाब भी दिया गया हैं। छात्र किसी भी समय हमसे किसी भी समस्या को लेकर संपर्क कर सकते है। छात्रों से अपील है कि अगर उनके पास कोई भी जानकारी हो तो हमसे शेयर करें। पुलिस-प्रशासन पूरा सहयोग कर रहा है। वे बेझिझक हमसे किसी भी समस्या को लेकर मिल सकते हैं और अपनी बात रखने के लिए आजाद हैं।

उन्होंने कहा कि छात्रों की मांग थी कि घटना वाली रात में ड्यूटी पर तैनात सहायक पुलिस आयुक्त चंदन गुहा को हटाया जाए, तो हमने उन्हें

हटा दिया है। छात्र अपना प्रदर्शन कब खत्म करेंगे, यह उनके ऊपर है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई डॉक्टर की हत्या की निंदा की है। आईएमए ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को सजा मिले। इसके अलावा घटना के कारणों की भी जांच हो और डॉक्टरों की सुरक्षा में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। बता दें कि पिछले दिनों कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की महिला डॉक्टर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाई गई। वह अस्पताल में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा थीं और चेस्ट मेडिसिन विभाग में हाउस स्टाफ के रूप में भी काम कर रही थीं। अस्पताल के कर्मचारियों ने अस्पताल की आपातकालीन बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर उनका शव देखा था। प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में ले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विरोध-प्रदर्शन कर रहे लोगों को अगर राज्य सरकार पर भरोसा नहीं है, तो वे किसी अन्य जांच एजेंसी से संपर्क कर सकते हैं।

बांग्लादेश जैसी स्थिति से बचने के लिए हमें जाति-पाति के बंधन से मुक्त होना होगाः सीएम धामी

एजेंसी

देहरादून। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि वहां से जो तस्वीरें आ रही हैं, उसे देखकर मन व्यथित है, मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि हमारे देश में जाति और धर्म को आधार बनाकर विभाजनकारी भावनाओं को पोषित करने वाले लोग (विपक्ष) बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर मौन हैं। विश्व में हो रही अनेक घटनाओं पर यह लोग अपनी टोली बनाकर कैंडल मार्च निकालते थे, लेकिन आज हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को देखकर इन्होंने आंखें बंद कर ली हैं।

उन्होंने कहा कि इन लोगों के लिए केवल वोट बैंक महत्व रखता है। उनके लिए जाति महत्वपूर्ण है, हिंदू समाज नहीं है। ये लोग भूल जाते हैं कि बांग्लादेश में मारे जा रहे 90 फीसद लोग दलित समुदाय के हैं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वे आज क्यों वह चुप हैं, उनका दिल क्यों नहीं धड़क रहा है। कैंडल मार्च निकालने वाली टोली गायब है।

उन्होंने कहा कि अगर हम आज नहीं चेते तो आने वाले समय में भारत को भी बांगलादेश जैसी स्थिति से गुजरना पड़ सकता है, और कुछ लोग यह चाहते भी हैं। अगर हमें ऐसी परिस्थिति से बचना है तो हमें जाति-पाति के बंधन से मुक्त होना होगा। हमें खुद को एक समाज और राष्ट्र के तौर पर मजबूत करना होगा।

मालूम हो कि, बांग्लादेश में तख्तापलट होने के बाद अल्पसंख्यकों पर हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। अल्पसंख्यकों पर बढ़ रही हिंसक घटनाओं पर भारत सरकार ने चिंता जताई है। भारत सरकार ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री से संपर्क साधा है और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में मोहम्मद यूनुस के शपथ लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले के विरोध में आवाज उठाई और मोहम्मद यूनुस से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया।

सात चिताएं एक साथ जलीं तो रो पड़ा गांव...घटना के बाद से गांव में नहीं जला चूल्हा

एजेंसी

भरतपुर। जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ। नदी में नहाने गए सात युवकों की डूबने से मौत हो गई। सातों युवकों के शव जब गांव में पहुंचे तो परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सातों मृतकों का एक साथ दाह संस्कार करते वक्त सभी की आंखे नम हो गई। घटना के बाद से गांव में चूल्हा नहीं जला है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है.। जन प्रतिनिधि एवं अधिकारी भी मृतकों के परिजनों को सांत्वना देते नजर आए। जानकारी के अनुसार शाम को बयाना उपखण्ड के पिदावली ग्राम के

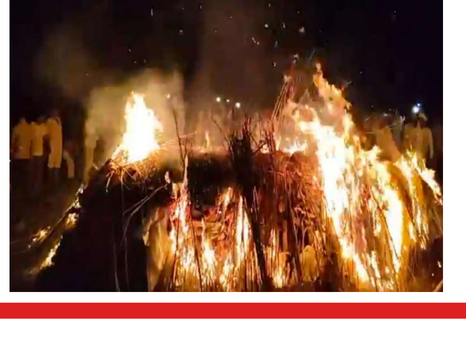

पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में जमा वर्षा के पानी में नहाने के लिए गए श्रीनगर गांव निवासी सात बच्चों की डूब जाने से मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि जिसने भी इस हादसे के बारे में सुना वह दंग रह गया। जब सातों मृतकों के बच्चों के शव गांव में पहुंचे तो ग्रामीण और रिश्तेदारों की आंखों से अश्रुधारा बह उठी। महिलाएं फूट-फूट कर रोईं, परिजन बेसुध हालत में थे। जो भी इस मंजर को देख रहा था वह अपने आंसू नहीं रोक सका। इस हादसे के बाद से गांव में चूल्हा नहीं जला है। गांव के श्मशान घाट में शवों को ले जाकर चिताओं पर रखा और हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया गया.जब सातों बच्चों की एक साथ चिता जली तो परिवार के लोग एक-दूसरे से लिपटकर बिलखने लगे। ग्राम श्रीनगर निवासी पवन पुत्र उदय सिंह जाटव उम्र 20 साल, सौरभ पुत्र तानसिंह जाटव उम्र 14 साल, भूपेन्द्र पुत्र दशरथ जाटव उम्र 18, शांतनु पुत्र खैमसिंह उर्फ खेमचन्द जाटव उम्र 18 साल, लक्खी पुत्र प्रीतम सिंह जाटव उम्र 20, पवन पुत्र शुगर सिंह जाटव उम्र 22 एवं गौरव पुत्र प्रकाश उर्फ ओमप्रकाश उम्र 16 साल की डूबने से मौत हुई है। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

बांग्लादेश जैसी परिस्थितियों से सतर्क रहने की जरूरत- देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हमारे पड़ौसी देश बांग्लादेश में जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं, उससे सतर्क रहने की जरूरत है। सिंधी समाज एक पुरूषार्थी कौम है जो विभाजन विभीषिका में सब कुछ खोकर फिर से उठ खड़ा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर के सूचना केन्द्र में विभाजन विभीषिका विषय पर आयोजित संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली तथा सिंधु साहित्य एवं कल्चरल सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। देवनानी ने कहा कि देश के विभाजन के समय सिन्धी समाज ने बहुत बड़ा नुकसान सहा।

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छादित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फलों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वही हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यहां प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं। ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यहां खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बना हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवर्त्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं। पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फलों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्‌द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ता है। दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफिशर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाड़ियां, पहाड़ियों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज्पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्ड्स व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

26 खिलाड़ी मंडल स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल्स में चयनित

एजेंसी

मुरादाबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्टस स्टेडियम मुरादाबाद में सिविल सर्विसेज चयन ट्रायल्स का आयोजन किया गया। जिसमें 26 खिलाड़ियों का मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स में चयन किया गया। उक्त चयनित खिलाड़ी 13 व 14 अगस्त को राज्य स्तरीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगें। इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी प्रेम कुमार, उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक, एथलेटिक्स प्रशिक्षिका ललिता चौहान, बास्केटबाल प्रशिक्षिका निशा, बैडमिन्टन प्रशिक्षक मो आसिफ सिद्दीकी, खो-खो प्रशिक्षक धीरज सिंह, क्रीड़ा विभाग के प्रधान सहायक सीएल वर्मा, कनिष्ठ सहायक प्रदीप सक्सेना आदि मौजूद रहे। इस दौरान मुरादाबाद के विभिन्न विभागों के राज्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

लखनऊ 'बी' ओवरऑल चैम्पियनशिप, उत्तराखंड उपविजेता

प्रयागराज। सीआईएससीई उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड क्षेत्रीय अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक एवं बालिका तैराकी प्रतियोगिता में लखनऊ 'बी' ने 314 अंक लेकर ओवरऑल चैम्पियनशिप पर कब्ज़ा जमाया। उत्तराखंड की टीम 289 अंक के साथ उपविजेता बनी।

सेंट जोसेफ कॉलेज में सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में अंडर-14 बालक वर्ग में लखनऊ बी के चैतन्य व प्रणव मंगलम, बालिका वर्ग में उत्तराखंड की नाम्या महतो, अंडर-17 बालक वर्ग में आगरा के तोशम गुप्ता व लखनऊ बी के शिव जायसवाल, बालिका वर्ग में लखनऊ 'ए' की काव्या खन्ना, अंडर-19 बालक वर्ग में देवांश मिश्र, अयान यादव, अभि श्रीवास्तव (लखनऊ 'बी') व प्रयागराज के हर्ष पुरवार, बालिका वर्ग में लखनऊ 'बी' की शुभांगी, उत्तराखंड की ज़ोया सिंह व यशवी अग्रवाल ने व्यक्तिगत उपाधि पर कब्ज़ा जमाया।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का रांची में 21 को होगा ट्रायल

रांची। जालंधर (पंजाब) में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होना है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

अफगानिस्तान के बल्लेबाज इंशानुल्लाह जनत पर लगा पांच साल का बैन, मैच फिक्सिंग के आरोप में आईसीसी ने लिया फैसला

दुबई। अफगानिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज इंशानुल्लाह जनत को मैच फिक्सिंग के आरोपों के कारण पांच साल के लिए बैन कर दिया गया है। यह फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सात अगस्त को लिया। इसके अलावा बोर्ड तीन अन्य क्रिकेटरों की जांच कर रही है। अफगानिस्तान के युवा बल्लेबाज इंशानुल्लाह जनत पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगा है। इस मामले पर कार्रवाई करते हुए आईसीसी ने सलामी बल्लेबाज को पांच साल के लिए बैन कर दिया है। इंशानुल्लाह अफगानिस्तान की तरफ से टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों प्रारूप में क्रिकेट खेल चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, इंशानुल्लाह जनत को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे संस्करण में एंटी करप्शन कोड के उल्लंघन में दोषी पाया गया है। आईसीसी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, सलामी बल्लेबाज के अलावा बोर्ड तीन अन्य क्रिकेटरों की भी जांच कर रहा है। इस पर जल्द फैसला सुनाया जाएगा। हालांकि, अब तक इनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है।

चिंता की बात नहीं है', इस पूर्व खिलाड़ी ने कोहली की फॉर्म का किया बचाव, श्रीलंका में रहे थे फ्लॉप

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। कोहली का हाल ही में संपन्न हुए श्रीलंका दौरे पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 58 रन बनाए थे और इस दौरान उनका औसत 19.57 का रहा था। कोहली का इस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 24 रन रहा था। कप्तान रोहित शर्मा को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजी के सामने नहीं टिक सका था। रोहित ने तीन मैचों में दो अर्धशतक जड़े थे। कोहली टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत के बाद मैदान पर वापस लौटे थे। कोहली ने जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास ले लिया था। भारत ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में श्रीलंका को टी20 सीरीज में 3-0 से हराया था, लेकिन वनडे में टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी थी। दोनों टीमों के बीच पहला वनडे टाई रहा था, जबकि अगले दोनों मैच श्रीलंका ने जीतकर 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली थी।

कीरोन पोलार्ड के तूफान में उड़े राशिद खान, पड़े लगातार 5 छक्के

एजेंसी

साउथैम्पटन। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर और वर्तमान में मुंबई इंडियंस के सहायक कोच कीरोन पोलार्ड ने द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के लिए खेलते हुये ट्रेंट रॉकेट्स के गेंदबाज राशिद खान की गेंदों पर लगातार 5 छक्के लगाने का कारनामा किया हैं। 78 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद संकट में फंसी सदर्न ब्रेव के लिए बल्लेबाजी कर रहे पोलार्ड ने धीमी शुरुआत की और वह 14 गेंदों पर केवल छह रन ही बना पाए थे। तब ऐसा लगा रहा था कि मेजबान टीम मुकाबला हार जाएगी। लेकिन इसके बाद पोलार्ड ने राशिद की पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के लगाकर ब्रेव की उम्मीदों को फिर से जिंदा कर दिया। उन्होंने राशिद की गुगली और अंदर आती गेंदों पर दो छक्का डीप मिडविकेट में, दो छक्का लांग ऑफ में और एक छक्का एक्स्ट्रा कवर पर लगाया। पोलार्ड की इस धुआंधार

बल्लेबाजी का राशिद की विश्व स्तरीय गेंदबाजी के पास कोई जवाब नहीं था। पोलार्ड इससे पहले मार्च 2021 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 में अकीला धनंजय की गेंद पर लगातार छह छक्के लगाकर यह कारनामा कर चुके है। हालांकि पोलार्ड 23 गेंदों पर 45 रन बनाकर रन आउट हो गए, लेकिन क्रिस जॉर्डन ने एक गेंद शेष रहते चौका लगाकर अपनी टीम को दो विकेट से जीत दिला दी। इस जीत के चलते अंक तालिका में ब्रेव के अंक शीर्ष पर मौजूद ओवल इनविंसिबल्स के बराबर हो गए।

मैच के बाद पोलार्ड ने कहा कि मैंने धीमी शुरुआत की थी लेकिन यह पिच वैसी नहीं थी कि आप जाते ही बड़े शॉट्स खेलने लग जाएं। इसलिए मैंने प्रहार करने के लिए गेंदबाज को पिक करने का फैसला किया। मैंने राशिद के राशिद के खिलाफ काफी खेला है और उन्होंने मुझे कई बार आउट भी किया है। मुझे पता था कि वो कौन सी लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करेंगे। अगर वो फुलर गेंद डालते तब मैं अपनी स्ट्रेंथ को बैक करते हुए सीधा सामने की ओर प्रहार करता। और उन्होंने 3 गेंद इसी लेंथ पर डाली और वो तीनों ही गेंदें मेरे पाले में थीं। मुझे अधिक से अधिक रन बटोरने थे। राशिद एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन यह उन दिनों में से एक दिन था जब मुझे जीत हासिल हुई।

गारंग कार्यक्रम, शानदार आतिशबाजी और दिग्गजों की उपस्थिति में हुआ पेरिस ओलंपिक का शानदार समापन

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 एक चमकदार, सितारों से सजे समापन समारोह के बाद शानदार तरीके से समाप्त हो गया। समारोह की शुरुआत एक क्लासिक संगीत प्रदर्शन के साथ हुई और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चैंड एक लालटेन में ओलंपिक मशाल लेकर स्टेड डी फ्रांस पहुंचे, जहां समापन समारोह आयोजित किया जा रहा था।

स्टेडियम के अंदर राष्ट्रों की परेड शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में मौजूद उत्साही प्रशंसक खुशी से झूम उठे। आईओसी शरणार्थी और ओलंपिक टीम तथा फ्रांस के ध्वजवाहकों ने इसका नेतृत्व किया।

मनु भाकर, श्रीजेश ने किया भारतीय दल का नेतृत्व

पेरिस खेल महाकुंभ में दो बार कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और अपने शानदार, क्लच गोलकीपिंग कौशल से ओलंपिक में भारत के लगातार दूसरे कांस्य पदक में अहम भूमिका निभाने वाले महान हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ध्वजवाहक के रूप में हाथों में भारतीय ध्वज लेकर स्टेडियम पहुंचे। ओलंपिक ने श्रीजेश का भारत के लिए अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भी चिह्नित किया।

स्टेडियम के अंदर, महिलाओं की मैराथन प्रतियोगिता के लिए ओलंपिक 2024 का अंतिम पदक समारोह आयोजित किया गया, जो पूर्ण लिंग समानता के साथ पहले ओलंपिक का समापन करने का एक शानदार और प्रतीकात्मक तरीका था। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक और विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया। समापन समारोह में एक आकर्षक लाइट शो और द गोल्डन वोएजर के प्रदर्शन ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो फ्रांसीसी इतिहास के संदर्भों से प्रेरित एक पात्र है।

रिकी पोंटिंग बोले- ओलंपिक के कारण अरबों लोगों तक पहुंचेगी क्रिकेट

एजेंसी

दुबई । विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि 4 साल बाद आयोजित होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात होगी। क्रिकेट की 128 वर्षों के ओलंपिक में वापसी हो रही है। इससे पहले क्रिकेट को एकमात्र बार 1900 ओलंपिक में दो टीमों ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेला गया था। इसका स्वर्ण पदक ब्रिटेन की टीम ने जीता था।

पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' से कहा कि यह हमारे खेल के लिए केवल एक सकारात्मक बात हो सकती है। मैं पिछले 15 या 20 वर्षों में विभिन्न समितियों का हिस्सा रहा हूं। यह हमेशा लगभग हर एजेंडे में शीर्ष पर रहा है कि हम खेल को ओलंपिक में वापस कैसे ला सकते हैं? और आखिरकार, यह हो रहा है। पोंटिंग ने कहा कि यह केवल 4 साल दूर है। मुझे लगता है कि इससे अमेरिका में क्रिकेट को जमीनी स्तर पर पहुंचने का मौका भी मिलेगा। लेकिन ओलंपिक खेल सिर्फ मेजबान देश के बारे में नहीं है। यह

उन दर्शकों के बारे में है जो इसे लोकप्रिय बनाते है।पिछले साल अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के दौरान क्रिकेट को इन खेलों में शामिल करने की आधिकारिक पुष्टि की थी। पोंटिंग ने कहा कि ओलंपिक पर दुनिया भर में अरबों लोगों की नजर रहती और यह खेल के लिए नए दर्शकों को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर अपना दबदबा कायम करने का सबसे अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों को दुनिया भर में इतने सारे लोगों द्वारा देखा जा रहा है, यह हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाएगा। यह खेल के लिए वास्तव में सकारात्मक बात ही हो सकती है।

वह सिल्वर की हकदार है- विनेश फोगाट के समर्थन में आए सौरव गांगुली

एजेंसी

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल में विनेश फोगट की अयोग्यता पर खुलकर बात की और कहा कि वह रजत पदक की हकदार हैं। पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। फोगाट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुज़मैन लोपेज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया था। वह स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार थीं, लेकिन वजन सीमा का उल्लंघन करने के कारण बुधवार को उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

अपनी अयोग्यता के बाद, फोगट ने सीएएस से उन्हें रजत पदक देने का अनुरोध किया। बहरहाल पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि उन्हें सटीक नियमों की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने उचित रूप से योग्यता प्राप्त की होगी। गांगुली ने कहा कि मुझे नहीं पता कि सटीक नियम क्या है, लेकिन मुझे यकीन है कि जब वह फाइनल में गई थी, तो उसने ठीक से क्वालिफाई किया होगा। इसलिए जब आप फाइनल में जाते हैं, तो यह या तो रजत या स्वर्ण होगा। वह सही या गलत तरीके से अयोग्य घोषित हुई, मैं पता नहीं, लेकिन वह कम से कम रजत की हकदार है। इससे पहले, कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित विनेश फोगट को रजत पदक देने या न देने पर अपना फैसला सुनाने की समय सीमा मंगलवार, 13 अगस्त तक बढ़ा दी थी। आईओए ने अपने बयान में कहा कि सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड

रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक निर्णय देने का समय बढ़ा दिया है।विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद एक्स पर एक भावनात्मक संदेश साझा किया। एक्स पर एक भावनात्मक पोस्ट में, फोगट ने अपनी हार और कृतज्ञता की भावना व्यक्त करते हुए कहा कि मां कुश्ती (कुश्ती) ने मेरे खिलाफ जीत हासिल की, मैं हार गया। मुझे माफ कर दो, आपका सपना और मेरा साहस टूट गया है। मेरे पास अब और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती 2001-2024। क्षमा के लिए मैं हमेशा आपका ऋणी रहूंगी।

पाकिस्तान सीरीज के लिए बांग्लादेश टेस्ट टीम में तस्कीन अहमद की वापसी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में तस्कीन अहमद को शामिल किया। टेस्ट श्रृंखला 21 अगस्त से रावलपिंडी में शुरू होने वाली है। तस्कीन, जिन्होंने आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट खेला था, ने कंधे की चोट के बाद अपनी रिकवरी को प्राथमिकता देने के लिए लाल गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लिया था, और हाल ही में लाल गेंद वाले क्रिकेट में खेलना चाहते थे। बीसीबी ने जोर देकर कहा कि वह लंबे समय तक क्रिकेट खेलने में सक्षम हैं।तेज गेंदबाज के चयन पर राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष गाजी अशरफ हुसैन ने कहा, हमने पांच तेज गेंदबाजों का

चयन किया है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि तस्कीन अहमद केवल दूसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल जून से कोई टेस्ट नहीं खेला है और हमने उन्हें पाकिस्तान ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए ए टीम में शामिल करने का फैसला किया है ताकि उन्हें लंबे समय तक चलने वाले मैचों के लिए लय में लाया जा सके।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, कुछ तेज गेंदबाज एक दिवसीय मैचों के लिए ए टीम में शामिल हो सकते हैं, इसलिए हमें बैकअप की आवश्यकता थी। हमारे आक्रमण में विविधता है, जिसमें ऐसे गेंदबाज हैं जो तेज गेंदबाजी कर सकते हैं और गेंद को स्विंग भी करा सकते हैं और मैं वास्तव में उन्हें विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

बांग्लादेश ए टीम वर्तमान में पाकिस्तान में एक श्रृंखला खेल रही है जिसमें दो चार दिवसीय खेल और तीन एक दिवसीय मैच शामिल हैं।

बांग्लादेश की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दो मैचों के लिए 12 अगस्त को पाकिस्तान के लिए रवाना होगी। ये मैच रावलपिंडी और कराची में खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 21 अगस्त से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 30 अगस्त से शुरू होगा। देश में राजनीतिक संकट के कारण निर्धारित समय से पहले यात्रा करने वाली टीम लाहौर में एकत्रित होगी और 14-16 अगस्त तक गद्दाफी स्टेडियम में प्रशिक्षण लेगी। इसके बाद 17 अगस्त को पहले टेस्ट के लिए इस्लामाबाद जाएगी।

भारत की राष्ट्रीय टीम का कोच बनना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा : हेड कोच मार्केज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय टीम का कोच बनना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि मैं पहले दिन से भारत से जुड़ाव महसूस कर रहा हूं। पिछले महीने सीनियर पुरुष फुटबॉल राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त होने के बाद मार्केज ने नई दिल्ली में पहली बार मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मैं बहुत आभारी हूं और मैं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को मुझ पर भरोसा जताने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहता हूं। यह भारत में मेरा पांचवां सीजन है और अगर आप मुझसे पांच साल पहले पूछते कि मैं भारत में पांच साल बिताऊंगा, तो शायद मुझे लगता कि यह पागलपन है। स्पेन के बाद भारत मेरा देश है। यह वह विदेशी देश है जहां मैंने सबसे ज्यादा समय बिताया है। लंबे समय से मैं सोच रहा था कि शायद एक दिन मैं राष्ट्रीय टीम का कोच बनूंगा और अब मैं यहां हूं। मैं बहुत खुश हूं और भारत की राष्ट्रीय टीम का कोच बनना मेरे लिए एक सपना है। मार्केज पहली बार 2020-21 इंडियन सुपर लीग सीजन से पहले हैदराबाद एफसी की कमान संभालने के लिए भारत आए थे और भारतीय खिलाड़ियों के साथ उच्छा समय बिताया है।

एक सप्ताह में ही खोई पैरिस ओलिम्पिक में मिले मैडल्स की चमक, रंग उतरा

एजेंसी

पेरिस। पैरिस ओलिम्पिक के दौरान खिलाड़ियों को मिले मैडल्स अपनी खराब क्वालिटी का कारण चर्चा में आ गए हैं। यू.एस.ए. के पुरुष स्ट्रीट स्केटबोर्डर न्याह हस्टन और ब्रिटिश गोताखोर यास्मीन हार्पर ने इन खराब मैडल्स की फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। साथ ही लिखा है- एक सप्ताह के अंदर ही मैडल से रंग उतर गया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट डालते हुए हस्टन ने लिखा- ठीक है, इसलिए ये ओलिम्पिक पदक बहुत अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं। लेकिन इसे थोड़ी देर के लिए अपनी त्वचा पर पसीने के साथ लगा रहने देने और सप्ताहांत में अपने दोस्तों को इसे पहनने देने के बाद, जाहिर तौर पर वे उतने उच्च गुणवत्ता वाले नहीं हैं जितना आप सोचते हैं। यह कठिन लग रहा है। एथलीट ने आह्वान किया कि हमें ओलिम्पिक पदक को थोड़ा बढ़ाना होगा। पोस्ट के साथ हस्टन ने सोशल मीडिया पर पदक की तस्वीर पोस्ट करते लिखा- ऐसा लग रहा है कि

यह युद्ध में गया और वापस आ गया।

इस पर कुछ छोटे-छोटे दाग हैं : हार्पर

ब्रिटिश गोताखोर यास्मीन हार्पर जिन्होंने महिलाओं की 3 मीटर सिंक्रोनाइज्ड स्प्रिंगबोर्ड डाइविंग में पार्टनर स्कारलेट मेव जेन्सेन के साथ कांस्य पदक जीता था, ने मैडल की क्वालिटी पर कहा कि इस पर कुछ छोटे-छोटे दाग हैं। 24 वर्षीय हार्पर ने कहा कि वह स्थिति से परेशान नहीं थी क्योंकि यह अभी भी एक पदक है।

आई.ओ.सी. ने जारी की स्टेटमैंट

मैडल्स के खराब होने पर आई.ओ.सी. ने स्टेटमैंट जारी करते हुए कहा कि पैरिस 2024 मैडल्स के उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण का काम करने वाली संस्था मोनाई डे पेरिस इस पर काम कर रही है। संबंधित एथलीट के साथ राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति मिलकर पदक की परिस्थितियों और कारण को समझने पर काम कर रही है।

एफिल टावर का पुराना लोहा डाला गया है इसमें

पैरिस ओलिम्पिक को यादगार बनाने के लिए प्रबंधन ने मैडल्स में एफिल टावर के एक हिस्से को भी डाला था। इससे सभी मैडल्स में एफिल टावर के संभाले गए पुराने लोहे का इस्तेमाल किया गया। मैडल में सोने, चांदी के अलावा हेक्सागोन के आकार का टुकड़ा स्क्रैप लोहे से बना है।

टोक्यो ओलिम्पिक में भी हुआ था ऐसा

टोक्यो ओलिम्पिक के दौरान 23 वर्षीय चीनी जिमनास्ट झू जुएयिंग ने भी ऐसी ही शिकायत की थी। झू ने कहा कि उसने शुरू में सोचा था कि यह धब्बा सिर्फ गंदगी है लेकिन धीरे-धीरे यह बढ़ने लगा। उन्होंने मैडल की फोटो शेयर कर लिखा- क्या आपका पदक...इस तरह छील सकता है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउथी आगामी उपमहाद्वीपीय टेस्ट मैचों में सभी में नहीं खेल पाएंगे

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी को उपमहाद्वीप में टीम के कुछ आगामी मैचों से बाहर रखा जा सकता है। साउथी अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की अगुआई करेंगे, जिसमें पांच स्पिन गेंदबाजी विकल्प शामिल हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार दोनों मैच गाले में खेले जाएंगे, लेकिन उनका इन सभी मैचों या भारत के खिलाफ होने वाले तीन टेस्ट मैचों में खेलना तय नहीं है। पिछले सीजन में चार घरेलू टेस्ट मैचों में केवल छह विकेट लेने वाले साउथी अगर इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे तो उप-कप्तान टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, उपमहाद्वीप के टेस्ट दौरे पर पिचों की प्रकृति और गर्मी तथा आर्द्रता के कारण तेज गेंदबाजों से कुछ कठिन सवाल पूछे जा सकते हैं। जबकि हम खुले दिमाग से परिस्थितियों पर विचार कर रहे हैं, यह समझ है कि विभिन्न टेस्ट मैचों में हमारे सभी गेंदबाजी विकल्पों की आवश्यकता हो सकती है। टिम और मैंने इस पर

चर्चा की है, और इन विदेशी दौरों के दौरान तेज गेंदबाजों के कार्यभार को संतुलित करने की आवश्यकता है, जिसमें वह स्वयं भी शामिल हैं, ताकि टीम को सर्वश्रेष्ठ सेवा मिल सके। घोषित टीम में अक्टूबर और नवंबर में भारत के साथ होने वाली सीरीज शामिल नहीं है, लेकिन संभावना है कि खिलाड़ियों का एक बहुत ही समान समूह इसमें शामिल होगा।

इस बात पर कुछ संदेह था कि केन विलियमसन अफगानिस्तान टेस्ट खेलेंगे या नहीं, जो ग्रेटर नोडिया में आयोजित किया जाएगा, लेकिन उन्हें पहली बार शामिल किया गया है जब दोनों टीमें इस प्रारूप में एक-दूसरे के साथ खेलेंगी।

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल 18 महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। एजाज पटेल और मिशेल सेंटनर को भी शामिल किया गया है, जबकि रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स गेंद के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

साउथी के अलावा, मैट हेनरी, बेन सियर्स और विल ओ'रूर्के भी तेज गेंदबाजी के विकल्प हैं। पिछले सीजन में अपने टेस्ट डेब्यू पर बाद के दो खिलाड़ियों ने प्रभावित किया था, जबकि हेनरी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों में 17 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। काइल जैमीसन पर विचार नहीं किया गया क्योंकि वह पीठ के तनाव फ्रैक्चर से उबर रहे हैं।

स्टीड ने कहा, यह हमेशा शानदार होता है जब युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाते हैं और मुझे पता है कि विल और बेन उपमहाद्वीप में टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। माइकल को अपनी चोटों से उबरने और तीनों प्रारूपों में ब्लैककैप्स में वापसी करने के लिए काफी लचीलापन दिखाना पड़ा। उनके हरफनमौला कौशल और बाएं हाथ के बल्लेबाज से गेंद छीनने की क्षमता उन्हें एक बेहतरीन खिलाड़ी बनाती है, खासकर भारत और श्रीलंका में टर्निंग विकेटों पर। सकलैन मुश्ताक तीन टेस्ट मैचों के लिए गेंदबाजी कोच के रूप में न्यूजीलैंड से जुड़ेंगे, जबकि इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर जेम्स फोस्टर सहायक कोच के रूप में वापसी करेंगे।

अफगानिस्तान टेस्ट, जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है, 9-13 सितंबर के बीच होगा और श्रीलंका के मैच 18-22 सितंबर और 26-30 सितंबर के बीच होंगे।

न्यूजीलैंड सितंबर से दिसंबर तक नौ टेस्ट खेलेगा, जिसमें नवंबर के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला शुरू होगी। वे वर्तमान में डब्ल्यूटीसी में तीसरे स्थान पर हैं और वे अगले जून में लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे।

अफगानिस्तान और श्रीलंका का सामना करने के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम इस प्रकार है-

टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

रेलवे एथलेटिक चैंपियनशिप में बरेका के रोहित यादव ने रजत पदक जीता

एजेंसी

वाराणसी। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में आयोजित 89वें अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक चैंपियनशिप में बरेका के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। बरेका के कर्मचारी खिलाड़ी रोहित यादव ने 76.20 मीटर भाला प्रक्षेप कर रजत पदक

जीता। वहीं, अजय कुमार बिंद ने 15 सौ मीटर दौड़ को 3:46:65 समय में पूरा कर कांस्य पदक हासिल किया। इन दोनों खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से बरेका के अफसर और कर्मचारी गदगद है। महाप्रबंधक अभय बाकरे, खेलकूद संघ के अध्यक्ष एस. के. श्रीवास्तव ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार यह चैंपियनशिप 9 से 11 अगस्त तक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में भारतीय रेल के 15 रेलवे जोन, 6 उत्पादन इकाइयों, रेल सुरक्षा बल, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन, लखनऊ और रेलवे बोर्ड सहित 24 टीमों के लगभग 600 खिलाड़ियों ने भागीदारी की।

मैं तुमसे वादा करती हूं...'फिर आई हसीन दिलरुबा' देखकर देवर सनी की फैन हुईं भाभी

कटरीना कैफ

कह दी ये बात

सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी की फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है. फिल्म को लेकर तीनों ही काफी सुर्खियों में हैं. 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इस फिल्म की लोग खूब तारीफ कर रहे हैं. अब सनी कौशल के भैया भाभी ने भी उनकी फिल्म की तारीफ की है. कटरीना कैफ ने फिल्म की तारीफ करते हुए सनी को सबसे बेस्ट देवर भी बताया है.कटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के एक सीन से सनी का फोटो शेयर किया. उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म बहुत पसंद आई, बहुत मजा आया. कहानी पर अपनी थ्योरी पति को समझाने के लिए मुझा बार बार फिल्म को रोकना पड़ा. इसके साथ ही उन्होंने डायरेक्टर जयप्रद देसाई, आनंद राय और कनिका ढिल्लों को बधाई दी. उन्होंने तापसी को टैग करते हुए उनकी भी तारीफ की, साथ ही विक्रांत मैसी को ब्रिलियंट बताया और जिम्मी शेरगिल की भी तारीफ की.

कटरीना ने बताया बेस्ट देवर

आखिर में कटरीना ने सनी को टैग किया और लिखा, तुमने मुझे हैरान कर दिया और तुम्हारी ये साइड देखने के बाद मैं कह सकती हूं कि तुम जो कुछ भी कहते हो वो सही है, तुम हमेशा सही होते हो और तुम सबसे बेस्ट देवर हो. इतने की कोई सोच भी नहीं सकता. प्रॉमिस करती हूं, मैं तुम्हें कभी परेशान नहीं करूंगी. कटरीना के अलावा विकी कौशल ने भी भाई सनी की तारीफ की. उन्होंने फिल्म को दोबारा देखने की बात लिखी.

शरवरी वाघ ने भी की तारीफ

शरवरी वाघ ने भी 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की तारीफ की. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, क्या जबरदस्त फिल्म है. मैं अपने सोफे के किनारे पर थी. उन्होंने सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी को टैग करते हुए लिखा, आप तीनों ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दी और कमाल कर दिया. नेटफ्लिक्स और कनिका आपको बहुत-बहुत बधाई.

तीसरा पार्ट

'फिर आई हसीन दिलरुबा' साल 2021 में आई 'हसीन दिलरुबा' का दूसरा पार्ट है. पहली फिल्म में भी तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी लीड रोल में नजर आए थे. इसे विनिल मैथ्यू ने डायरेक्ट किया था. दूसरे पार्ट को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. तापसी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इसके तीसरे पार्ट को लेकर बात की थी. उनसे पूछा गया था कि क्या तीसरा पार्ट आएगा? उन्होंने जवाब दिया था, उम्मीद है कि हसीन दिलरुबा बार-बार आती रहेगी और कभी जाएगी ही नहीं. आप फ्यूचर में भी मेरे और कनिका के साथ में कई प्रोजेक्ट्स देखेंगे.

क्या स्विट्जरलैंड अवॉर्ड लेने गए शाहरुख खान ने बुजुर्ग शख्स को धक्का दिया? वीडियो वायरल

बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाहरुख खान इन दिनों छाए हुए हैं. वजह है उन्हें मिला एक अवॉर्ड. स्विट्जरलैंड में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला है. दरअसल, वो लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए, जहां उन्हें पार्डो अल्ला कैरिएरा अवॉर्ड दिया गया है. ये अवॉर्ड मिलने के बाद किंग खान के फैन्स इस बात का जश्न मना ही रहे थे कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा. अब शाहरुख को कुछ लोग ट्रोल भी कर रहे हैं.जो वीडियो सामने आया है उसमें शाहरुख रेड कार्पेट पर पोज देते नजर आ रहे हैं. इस दौरान एक बुजुर्ग आदमी फ्रेम में आ रहा होता है. शाहरुख उसके पास जाते हैं और धक्का देकर उसे साइड कर देते हैं और फिर से अपनी जगह पर वापस आकर पोज देने लगते हैं. अब इस वीडियो पर लोगों के अलग-अलग तरह के रिएक्शन सामने आ रहे हैं. कुछ लोगों का कहना है कि वो बुजुर्ग आदमी शाहरुख के पुराने दोस्त हैं और मजाक में शाहरुख ने उन्हें धक्का दिया.

यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शन

एक यूजर ने शाहरुख के इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, शर्मनाक हरकत है. देखकर दुख हुआ. एक दूसरे यूजर ने लिखा, अहंकार उनके कैरेक्टर का हिस्सा है. एक दूसरे यूजर ने लिखा, आपको शर्म आनी चाहिए. चलिए अब कुछ ऐसे रिएक्शन देखते हैं, जो शाहरुख के सपोर्ट में सामने आ रहे हैं.एक शख्स ने कमेंट किया, भाई वो दोनों दोस्त है. एक दूसरे ने कमेंट किया, वो आदमी उनका पुराना दोस्त है. उस आदमी के साथ उनकी कई पुरानी फोटोज भी हैं. किंग खान से जलना बंद करो. बहरहाल, लोगों के इस तरह के ढेरों रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं.

इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं शाहरुख खान

शाहरुख के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो लंबे समय वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं. इस फिल्म को सुजॉय घोष डायरेक्ट कर रहे हैं. ये एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें एक बार फिर से शाहरुख का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा. इस फिल्म की सबसे खास बात ये है कि इसके जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना खान सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने वाली हैं. इससे पहले वो 'द आर्चीज' से ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं.

पहले ऐसा कहा जा रहा था कि शाहरुख इसमें कैमियो रोल में दिखने वाले हैं, लेकिन बाद में खबर सामने आई कि अब वो कैमियो नहीं करेंगे, बल्कि उनका किरदार लीड होगा. अभिषेक बच्चन को फिल्म के लिए साइन किया गया है. वो विलेन बनकर लोगों को एंटरटेन करने वाले हैं. 'मुंज्या' के जरिए धमाका करने वाले अभय वर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं.

'हर सेकेंड लड़के के साथ उसका अफेयर रहता है'ज्बेटी पलक को लेकर श्वेता तिवारी ने जताई ये चिंता

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा खुलकर अपनी बातों को रखने के लिए जानी जाती हैं. श्वेता ने अब अपनी बेटी पलक तिवारी के बारे में बात की है. एक इंटरव्यू में उन्होंने पलक को लेकर चलने वाली अफवाहों और झूठी रिपोर्ट्स पर रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा कि अभी वो मजबूत है, लेकिन मुझे डर लगता है कि कल को पता नहीं क्या हो जाए और उसका कॉन्फिडेंस हिल जाए. इस दौरान श्वेता ने ये भी कहा कि अभी पलक को किसी बात का तब तक कोई कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक वो खुद सच्चाई जानती है. श्वेता तिवारी ने गलाटा इंडिया से बात करते हुए पलक को लेकर कहा, मैंने देखा है कि वो कितनी मजबूत है. पर मुझे लगता है कि उसको कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई किसको किसके बारे में क्या बोलता है, जब तक कि वो सच्चाई को जानती है. उसे सच पता है तो कोई मेरा बारे में, उसके बारे में क्या बोलता है, न्यूज पेपर में क्या आ रहा है, उससे उसको कोई फर्क नहीं पड़ता. उसे न अपने बारे में फर्क पड़ता है और न मेरे बारे में. ये बात उसने सीख ली है कि किसी की मेमोरी ज्यादा दिन तक नहीं रहती है और कोई एक बंदे के बारे में ज्यादा दिन तक गॉसिप भी नहीं करता है.

इस बात का श्वेता को है डर

इस दौरान जब उनसे सवाल हुआ कि आप इन चीज़ों से खुद को अलग कर चुकी हैं, इसलिए आपको फर्क नहीं पड़ता. पर पलक को तो ये परेशान करता होगा? इस पर श्वेता तिवारी कहती हैं, मुझे कई बार डर लगता है कि अभी वो मजबूत है, लेकिन कल को कोई एक कमेंट, कोई एक आर्टिकल, कोई ऐसी चीज़, पता नहीं कब कैसे क्या आपको हिट कर जाए और आपका कॉन्फिडेंस हिला दे. तो मुझे डर लगता है कि कहीं ऐसा न हो किज्अभी तो बच्ची है न, कभी कोई चीज़ गलत सिख दें, लोग कितनी बेरहमी के साथ लिखते हैंज्हर सेकेंड लड़के के साथ अफेयर रहता है उसका. मेरी समझ नहीं आता वो भी कब तक बर्दाश्त करेगी. कभी उसको कुछ चुभ ना जाए.

अफवाहों से परेशान होती हैं पलक ?

इस दौरान श्वेता ने कहा कि पलक मुझसे मजाक में कहती है कि मां आपको पता है मैं इस लड़के को डेट कर रही हूं. इस पर जब श्वेता पूछती हैं किसे और कब तो वो बोलती है कि पता नहीं, उन्हीं से (मीडिया रिपोर्ट्स) से पूछना पड़ेगा. श्वेता ने कहा कि ऐसे लोगों से भी नाम जोड़ दिया जाता है, जिससे पलक कभी मिली भी नहीं है.

कई मुर्गे और बकरों का दिया बलिदान

सलमान खान

के शो में जाने के लिए इस कंटेस्टेंट ने किया काला जादू

बिग बॉस के घर में जाने का सपना हजारों लोग देखते हैं. कई लोगों के सपने पूरे हो जाते हैं, तो ज्यादातर के नहीं भी होते. बिग बॉस के घर में ज्यादातर स्टार्स और मशहूर लोग ही आते हैं. वहीं सलमान खान के शो का हिस्सा बनना भला कौन नहीं चाहता. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि बिग बॉस का हिस्सा बनने के लिए एक पुराने कंटेस्टेंट ने काला जादू किया था. इतना ही नहीं उस कंटेस्टेंट ने कई मुर्गे और बकरों का बलिदान तक दिया था. इस बात का खुलासा खुद उसी कंटेस्टेंट ने किया है, जो ये सब करके इस शो में शामिल हुआ था.ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं बल्कि मशहूर सिंगर कुमार सानू के बेटे जान कुमार सानू थे. कुमार सानू ने दो शादियां की थीं. उनकी पहली पत्नी से उन्हें जान कुमार सानू हैं. जान को बिग बॉस सीजन 14 में देखा गया था. हाल ही में वो पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में पहुंचे थे. जान का लुक काफी हद तक बदल गया है. जान कुमार सानू ने पारस के पॉडकास्ट में काले जादू से जुड़े कुछ हैरान करने वाले खुलासे किए, साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वो खुद भी काला जादू करके बिग बॉस में आए थे.

जान कुमार सानू कैसे बने बिग बॉस का हिस्सा ?

पारस छाबड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी इस पॉडकास्ट की एक क्लिप शेयर की है. जिसमें खुद पारस भी दंग नजर आ रहे हैं. वीडियो में पारस पूछते हैं कि वो बिग बॉस में नेपोटिज्म के सहारे आए थे या उन्हें कोई जानता था. इस सवाल का जवाब देते हुए जान कुमार सानू कहते हैं कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा मैं बंगाल से हूं. मैं बिग बॉस में आया था काला जादू करके.इसपर पारस कहते हैं कि, क्या कबवास कर रहा है.

बकरों और मुर्गों का दिया बलिदान – जान कुमार सानू

जान आगे कहते हैं , मैं सीरियस हूं इस बात को लेकर. मैं गया कलकत्ता फिर मैं वहां एक औरत से मिला. जब मैं उनसे मिलने गया तो उन्होंने कुछ बंदर पाल रखे थे. जब उनसे बातचीत की तो पता चला की वो बंदर नहीं थे, वो आदमी थे. इंसान थे जिनको बंदर बनाया गया था और उनको पालकर रखा गया था. जब मैंने देखा तो मुझे लगा कि मैं सही जगह आ गया हूं. उन्होंने बोला आप जो चाहते हो उसके लिए कुछ बकरों को बलिदान करना होगा कुछ मुर्गों को भी बलिदान करना होगा. पारस उन्हें टोकते हुए कहते हैं कि, तू ऐसे किसी को बलिदान कर रहा है तुझे पाप नहीं लगेगा.